শৰ্মা হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 331 | गुवाहाटी | सोमवार, 1 जुलाई, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

असम में एचआईवी के सात हजार 274 नए मामले : मुख्यमंत्री पेज 3
प्रधानमंत्री ने पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू पर तीन पुस्तकों का विमोचन किया पेज 4
2033 तक अयोध्या को विश्व का सर्वोत्तम शहर बनाएगी योगी सरकार पेज 5
हमारा सब कुछ सनातन के लिए : योगी पेज 8

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

पहले वो आप पर ध्यान नहीं देंगे, फिर वो आप पर हंसेंगे, फिर वो आप से लड़ेंगे, और आप जित जाएंगे।

– **अज्ञात**

न्यूज गैलरी

परमवीर चक्र अब्दुल हमीद को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे भागवत

गाजीपुर (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले में सोमवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत परमवीर चक्र विजेता अब्दुल हमीद के गांव धामूपुर पहुंचेंगे, जहां पर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। इस मौके पर -शेष पृष्ठ दो पर

ब्रिटिश काल के कानूनों का अंत

आज से लागू होगी भारतीय न्याय संहिता

नई दिल्ली। तीन नए आपराधिक कानून सोमवार से देशभर में लागू हो जाएंगे, जिससे भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली में व्यापक बदलाव आएंगे और औपनिवेशिक काल के कानूनों का अंत हो जाएगा। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम ब्रिटिश काल के क्रमश: भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम का स्थान लेंगे। नए कानूनों से एक आधुनिक न्याय प्रणाली स्थापित होगी जिसमें *जीरो एफआईआर,* पुलिस में ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराना, *एसएमएस* (मोबाइल फोन पर संदेश) के जरिये समन भेजने जैसे इलेक्ट्रॉनिक माध्यम और सभी जघन्य अपराधों के वारदात स्थल की अनिवार्य वीडियोग्राफी जैसे प्रावधान शामिल होंगे। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इन कानूनों में कुछ मौजूदा सामाजिक वास्तविकताओं और अपराधों से निपटने का प्रयास किया गया और संविधान में निहित आदर्शों को ध्यान में रखते हुए इनसे प्रभावी रूप से निपटने का एक तंत्र मुहैया कराया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि नए कानून न्याय मुहैया कराने को प्राथमिकता देंगे जबकि अंग्रेजों (देश पर ब्रिटिश शासन) के समय के कानूनों में दंडनीय कार्रवाई को प्राथमिकता दी गई थी। उन्होंने कहा कि इन कानूनों को भारतीयों ने, भारतीयों के लिए और भारतीय संसद द्वारा बनाया गया है तथा यह औपनिवेशिक काल के न्यायिक कानूनों का खात्मा करते हैं। नए कानूनों के तहत आपराधिक मामलों में फैसला मुकदमा पूरा होने के 45 दिन के भीतर आएगा और पहली -शेष पृष्ठ दो पर

अहम धाराओं में बदलाव

धारा 124 : आईपीसी की धारा 124 राजद्रोह से जुड़े मामलों में सजा का प्रावधान रखती थी। नए कानूनों के तहत *राजद्रोह* को एक नया शब्द *देशद्रोह* मिला है यानी ब्रिटिश काल के शब्द को हटा दिया गया है। भारतीय न्याय संहिता में अध्याय 7 में राज्य के विरुद्ध अपराधों कि श्रेणी में देशद्रोह को रखा गया है।

धारा 144 : आईपीसी की धारा 144 घातक हथियार से लैस होकर गैरकानूनी सभा में शामिल होना के बारे में थी। इस धारा को भारतीय न्याय संहिता के अध्याय 11 में सार्वजनिक शांति के विरुद्ध अपराध की श्रेणी में रखा गया है। अब भारतीय न्याय संहिता की धारा 187 गैरकानूनी सभा के बारे में है।

धारा 302 : पहले किसी की हत्या करने वाला धारा 302 के तहत आरोपी बनाया जाता था। हालांकि, अब ऐसे अपराधियों को धारा 101 के तहत सजा मिलेगी। नए कानून के अनुसार, हत्या की -शेष पृष्ठ दो पर

केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने डिब्रूगढ़ लोस क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की

गुवाहाटी। सरकार ने डिब्रूगढ़ लोकसभा क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ और कटाव पर गहरी चिंता व्यक्त की है। केंद्रीय कैबिनेट मंत्री और डिब्रूगढ़ लोकसभा सांसद सर्वानंद सोनोवाल ने आज असम सरकार के मुख्य सचिव रबी कोटा, विधायक प्रशांत फुकन, जिला आयुक्त बिक्रम कैरी, मेयर चैकत पात्रा, उप मेयर उज्ज्वल फुकन और वार्ड आयुक्तों और अन्य पदाधिकारियों से मुलाकात की। केंद्रीय मंत्री ने पूरे क्षेत्र में बाढ़ की ताजा स्थिति की विस्तृत जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को राहत एवं बचाव कार्य जारी रखकर बाढ़ पीड़ितों के -शेष पृष्ठ दो पर

केदारनाथ धाम में सुमेरु पर्वत पर आया एवलांच

रुद्रप्रयाग (हि.स.)। केदारनाथ धाम मंदिर के पीछे की पहाड़ियों में एक बार फिर से एवलांच आया है। हालांकि इस एवलांच से किसी भी प्रकार का कोई नुकसान नहीं हुआ है। इस बर्फीली पहाड़ी पर समय-समय पर एवलांच आते रहते हैं। पर्यावरणविदों ने इस घटना को चिंता का विषय बताया। रविवार सुबह 5 बजकर 46 मिनट के आसपास केदारनाथ मंदिर से पांच किमी पीछे सुमेरु पर्वत पर एवलांच आया। सुमेरु पर्वत की -शेष पृष्ठ दो पर

गौहाटी विवि मार्कशीट घोटाला

शिक्षा मंत्री ने तीसरे पक्ष की भूमिका का दावा किया

गुवाहाटी। गौहाटी विश्वविद्यालय में बड़े पैमाने पर हुए अंक घोटाले के बाद एक चौंकाने वाले खुलासे में असम के शिक्षा मंत्री रनोज पेगू ने विश्वविद्यालय की परीक्षा और अंक प्रविष्टि प्रक्रिया में किसी तीसरे पक्ष के विक्रेता की भागीदारी पर अपनी आपत्ति जताई। मंत्री पेगू की टिप्पणी वरिष्ठ संपादक *ओइनोतम ओजा* के साथ एक विशेष साक्षात्कार में आई। गौहाटी विश्वविद्यालय में अंक घोटाले ने व्यापक चिंता और हंगामा पैदा कर दिया है, जिससे परीक्षा और मूल्यांकन प्रक्रिया में महत्वपूर्ण खामियां उजागर -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

बिहार के बाद अब झारखंड में बन रहा पुल ढहा

गिरिडीह (हि.स.)। झारखंड के गिरिडीह जिले के अरगा नदी पर निर्माणाधीन पुल शनिवार की रात भरभराकर गिर गया। यह पुल 5.5 करोड़ की लागत से देवरी थाना क्षेत्र अंतर्गत फतेहपुर भेलवाघाटी सड़क के डुमरीटोला और कारीपहरी गांव के बीच बन रहा था। इसका निर्माण ओम नम: शिवाय कंस्ट्रक्शन एजेंसी करा रहा था लेकिन यह मॉनसून की पहली बारिश भी झेल नहीं सका और धराशायी हो गया। बताया जाता है कि गिरिडीह और जमुई को जोड़ने वाला फतेहपुर से भेलवाघाटी पुल पांच साल बाद भी पूरा बन तो नहीं पाया लेकिन इससे पहले ही मानसून की बारिश में इसका एक बड़ा हिस्सा गिर जरूर गया।

टी20 वर्ल्ड चैंपियन बनी टीम इंडिया

खुशी से झूम उठा पूरा देश... हर तरफ जश्न ही जश्न

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम ने एक बार फिर से इतिहास रच दिया है। टीम इंडिया ने टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 7 रनों से मात देते हुए जीत हासिल की है। टीम इंडिया की जीत के बाद पूरे भारत में जश्न का माहौल है। लोग अपने छतों और घरों से बाहर निकलकर जश्न मनाते हुए नजर आए। यह दूसरा मौका है जब टी20 विश्व कप का खिताब टीम इंडिया की झोली में आया है। टीम इंडिया की जीत के बाद कहीं लोग डांस करते हुए नजर आए तो कुछ जगहों पर पटाखे फोड़ कर खुशी मनाते हुए नजर आए। दिल्ली में कनॉट प्लेस से लेकर मुंबई में गेटवे ऑफ इंडिया पर लोग खुशी से झूमते हुए नजर आए। भारत ने इससे पहले महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में टी20 वर्ल्ड कप अपने नाम किया था। इस बार के मुकाबले में विराट कोहली ने शानदार अर्धशतक जमाते 76 रनों की पारी खेली। टीम इंडिया की जीत के बाद देश की राजधानी दिल्ली में लोगों ने जमकर जश्न मनाया। इस दौरान लोग अपने हाथ में तीरंगा लिए हुए भारत माता की जय के नारे भी लगाते दिखे। लोगों के चेहरे पर टीम इंडिया की जीत की खुशी साफ झलक रही थी। उधर टी20 विश्व कप जीतने पर भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा कि पिछले 3-4 सालों में हमने जो कुछ भी किया है, उसे संक्षेप में बताना बहुत मुश्किल है। हम एक टीम के रूप में बहुत मेहनत करते हैं। हम एक साथ खड़े रहे और हम सभी खिलाड़ी, हम सभी वास्तव में इसे जीतना चाहते थे। मुझे इन लड़कों के समूह पर बहुत गर्व है जिन्होंने हमें अपनी इच्छानुसार खेलने और निष्पादित करने की स्वतंत्रता दी। और इसका श्रेय प्रबंधन को भी जाना चाहिए। विराट के फॉर्म को लेकर किसी को कोई संदेह नहीं था। हम जानते हैं कि उनमें क्या गुणवत्ता है। भारत के सभी लोगों के लिए, यह देर रात है, लेकिन मुझे यकीन है कि वे सभी इसे देखने के लिए इंतजार कर रहे होंगे। वे भी हमारी तरह लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं।

पीएम ने टीम इंडिया को दी बधाई : टीम इंडिया के टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद पूरा देश खुशी से झूम रहा है। फाइनल में रोहित शर्मा की अगुवाई वाली भारतीय टीम ने काफी कड़े मुकाबले में साउथ अफ्रीका की टीम को मात दी। इस जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय क्रिकेट टीम को फोन कर बधाई दी है। पीएम मोदी ने रोहित शर्मा को उनकी शानदार कप्तानी के लिए बधाई दी और उनके टी20 करियर की सराहना की। पीएम ने फाइनल में विराट कोहली की पारी और भारतीय क्रिकेट में उनके योगदान की सराहना की। पीएम ने इसी के साथ अंतिम ओवर के लिए हार्दिक पांड्या की गेंदबाजी को सराहा और महत्वपूर्ण कैच के लिए सूर्या कुमार यादव की तारीफ की। उन्होंने जसप्रीत बुमराह के योगदान की भी सराहना की। पीएम ने भारतीय क्रिकेट में उनके योगदान के लिए राहुल द्रविड़ को भी धन्यवाद दिया।

दिल्ली में भारी बारिश के कारण आई बाढ़ चार बच्चों समेत छह लोग डूबे, सभी की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली में लगातार बारिश के कारण पानी में डूबने से एक बुजुर्ग व्यक्ति, एक युवा और चार बच्चों की मौत हो गई, जिससे राजधानी पूरी तरह से ठप हो गई है। शनिवार को भी शहर के कुछ हिस्सों में भारी बारिश जारी रहने के बाद दिल्ली के ओखला में 60 वर्षीय व्यक्ति बाढ़ वाले अंडरपास में डूब गया, जो 24 घंटे से अधिक समय तक डूबा हुआ था। बुजुर्ग की पहचान दिल्ली के जैतपुर निवासी दिग्विजय कुमार चौधरी के रूप में हुई। मामला तब सामने आया जब शुक्रवार सुबह करीब 6.30 बजे ओखला औद्योगिक क्षेत्र पुलिस स्टेशन को फोन आया और वे मौके पर पहुंचे। उन्होंने उस व्यक्ति को बाहर निकाला, जो बेहोशी की हालत में था। उन्हें अस्पताल ले जाया गया. हालांकि, डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच के अनुसार, यह घटना तब हुई जब दिग्विजय अपनी टीवीएस स्कूटी को बाढ़ वाले अंडरपास में ले गए। एक अन्य घटना में, शनिवार दोपहर बाहरी उत्तरी दिल्ली के समयपुर बादली इलाके में एक अंडरपास के पानी से भरे हिस्से में दो लड़के डूब गए। अधिकारियों ने कहा कि यह घटना मेट्रो के पास सिरसपुर अंडरपास के पास हुई, जिसमें लगभग 2.5 से 3 फीट पानी भर गया था। पुलिस ने आज दोपहर करीब 2:25 बजे दो लड़कों के डूबने की संकटपूर्ण कॉल पर प्रतिक्रिया दी। एक टीम तुरंत घटनास्थल पर भेजी गई और उन्होंने फायर ब्रिगेड की सहायता से तलाशी अभियान चलाया। बाद में उनके शव बरामद किए गये. पुलिस ने कहा कि यह लड़कों के नहाते समय संदिग्ध रूप से डूबने का मामला प्रतीत होता है। दोनों लड़कों के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है. पुलिस ने बताया कि शुक्रवार को भी 8 और 10 साल की उम्र के दो लड़के पूर्वोत्तर दिल्ली में बारिश के पानी से भरी खाई में खेलते समय डूब गए। पुलिस ने बताया कि यह घटना न्यू उस्मानपुर इलाके में पुस्ता नंबर 5 के पास पांच फुट गहरी खाई में हुई, जो बारिश के कारण पानी से भर गई थी। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस की एक टीम मौके पर पहुंची और लड़कों को बचाया, लेकिन अस्पताल पहुंचने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

बारामूला में सुरक्षाबलों ने चलाया तलाशी अभियान

बारामूला (हि.स.)। बारामूला जिले में गुलमर्ग पर्यटक स्थल के ऊंचे इलाकों में संदिग्ध लोगों की गतिविधि के बाद सुरक्षाबलों ने रविवार को घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया। सुरक्षाबलों ने गुलमर्ग के अफरवत इलाके में बंदूकों के साथ दो लोगों को देखे जाने की सूचना मिलने के बाद आतंकवाद विरोधी अभियान शुरू किया। एहतियात के तौर पर अधिकारियों ने गोंडोला केबल कार के दूसरे चरण को बंद कर दिया है और पर्यटकों से उस क्षेत्र में न जाने को कहा है। खबर लिखे जाने तक पहले चरण तक केबल कार सेवाएं चालू थीं और सुरक्षाबलों का तलाशी अभियान भी जारी था।

जय फिलिस्तीन पर सांसद ओवैसी के घर के बाहर विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली (हि.स.)। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने रविवार को हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी के संसद में शपथ ग्रहण के दौरान *जय फिलिस्तीन* नारा लगाने पर कड़ी आलोचना करते हुए उनके खिलाफ प्रदर्शन किया। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने 34 अशोका रोड स्थित ओवैसी के आवास के बाहर उनका पुतला जलाया। हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने ओवैसी के खिलाफ नारेबाजी की और पोस्टर दिखाए। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले ओवैसी के घर के बाहर उनकी नेम प्लेट पर काली इंक पोती गई थी और एक पोस्टर लगाया गया था, जिसमें इजराइल के साथ एकजुटता दिखाते हुए भारत माता की जय लिखा था। इस दौरान विहिप के प्रांत मंत्री सुरेन्द्र कुमार गुप्ता ने जंतर-मंतर पर औवेसी की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। इससे पहले विहिप के अध्यक्ष आलोक कुमार ने भी पूछा था कि औवेसी की निष्ठा भारत में है या फिलिस्तीन में है।

हिंदू धर्म से मुझे प्रेरणा मिलती है : सुनक

लंदन। ब्रिटेन में गुरुवार को होने वाले आम चुनाव से पहले प्रचार के अंतिम सप्ताहांत में प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और उनकी पार्टी की तरफ से इस पद के उम्मीदवार लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर ब्रिटिश हिंदू मतदाताओं को लुभाने के लिए मंदिर पहुंचे। सुनक (44) रविवार को नेसडेन में बीएपीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर पहुंचे तो वहीं स्टार्मर (61) शुक्रवार को उत्तरी लंदन के किंग्सबरी में स्थित स्वामीनारायण मंदिर पहुंचे। दोनों नेताओं द्वारा यह कदम ब्रिटिश हिंदू संगठनों के एक प्रमुख समूह द्वारा ब्रिटेन में होने वाले आम चुनाव से पहले पहली बार जारी किए गए *हिंदू घोषणापत्र* के बाद उठाया गया है। इस घोषणापत्र में निर्वाचित प्रतिनिधियों से हिंदू पूजा स्थलों की रक्षा करने और हिंदुओं के प्रति घृणा से निपटने के लिए सक्रिय कदम उठाने का आह्वान किया गया है। सुनक ने प्रतिष्ठित नेसडेन मंदिर में अपने उद्बोधन में कहा कि यह मंदिर इस समुदाय द्वारा ब्रिटेन के लिए दिए गए योगदान का एक महान उदाहरण है। उन्होंने मंदिर में प्रार्थना की और वहां उपस्थित बुजुर्गों से आशीर्वाद लिया। इस बीच किंग्सबरी मंदिर में स्टार्मर का स्वागत किया गया। उन्होंने भी यहां सुनक की तरह ही *जय स्वामीनारायण* बोलकर अपना भाषण शुरू किया।

देश के 80 फीसदी अस्पतालों में हालात बदतर, सर्वे में हुआ खुलासा

नई दिल्ली। देश में दिन ब दिन सरकारी अस्पतालों की हालत खराब होती जा रही है। सरकार की तरफ से अस्पताल को लेकर एक रिपोर्ट सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक देश के 80 फीसदी सरकारी अस्पतालों ऐसे हैं, जिनमें बुनियादी सुविधाएं भी नहीं हैं। जिला अस्पतालों, उप-जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और आयुष्मान आरोग्य मंदिर (तत्कालीन उप स्वास्थ्य केंद्रों) सहित दो लाख से अधिक सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाएं हैं, जो सरकार की एक प्रमुख योजना एनएचएम (राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन) के अंतर्गत आती हैं। बता दें कि एनएचएम के तहत आने वाले 2 लाख से ज्यादा अस्पतालों में से केवल 40,451 अस्पतालों ने ही सरकार को अपनी जानकारी दी है। जब साझा किए गए डाटा के आधार पर स्कोरिंग की गई, तब 40,451 अस्पतालों में से केवल 8,089 अस्पताल ही ऐसे थे जो आईपीएचएस के मानकों पर खरे उतरे।

सरकार ने यह सारी जानकारी आईपीएचएस के डैशबोर्ड पर सार्वजनिक कर दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, केवल 8,089 अस्पतालों में ही मरीजों के इलाज के लिए जरूरी सुविधाएं हैं। इन अस्पतालों में ही डॉक्टर, नर्स, दवाएं जैसे उपकरण मौजूद है। रिपोर्ट के मुताबिक, 42 फीसदी अस्पतालों ने आईपीएचएस के अंतर्गत 50 फीसदी से भी कम अंक हासिल किए। वहीं बाकी के 15,172 अस्पतालों को 50 से 80 फीसदी के बीच अंक मिले। जानकारी के लिए बता दें कि एनएचएम के तहत आने वाले अस्पतालों का 60 प्रतिशत खर्च केंद्र सरकार उठाती है, जबकि बाकी 40 फीसदी खर्च राज्य सरकारें उठाती हैं। जानकारी के लिए बता दें कि केंद्र सरकार का लक्ष्य है कि नई सरकार बनने के 100 दिनों के अंदर 70,000 सरकारी अस्पतालों को आईपीएचएस (इंडियन पब्लिक हेल्थ सर्विस) के मानकों के तहत बनाया जाएगा। इस बीच एक वरिष्ठ अधिकारी ने दावा किया है कि वो राज्यों को अस्पतालों में सुधार के लिए पूरी मदद कर रहे हैं। उन्होंने कहा है, हमारा मकसद सरकारी अस्पतालों में मरीजों के इलाज के बेहतर सुविधा लाना है।

पृष्ठ एक का शेष

आज से लागू ...

सुनवाई के 60 दिन के भीतर आरोप तय किए जाएंगे। दुष्कर्म पीड़िताओं का बयान कोई महिला पुलिस अधिकारी उसके अभिभावक या रिश्तेदार की मौजूदगी में दर्ज करेगी और मेडिकल रिपोर्ट सात दिन के भीतर देनी होगी। नए कानूनों में संगठित अपराधों और आतंकवाद के कृत्यों को परिभाषित किया गया है, राजद्रोह की जगह देशद्रोह लाया गया है और सभी तलाशी तथा जब्ती की कार्रवाई की वीडियोग्राफी कराना अनिवार्य कर दिया गया है। महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों पर एक नया अध्याय जोड़ा गया है, किसी बच्चे को खरीदना और बेचना जघन्य अपराध बनाया गया है और किसी नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के लिए मृत्युदंड या उम्रकैद का प्रावधान जोड़ा गया है। सूत्रों ने बताया कि *ओवरलैप* धाराओं का आपस में विलय कर दिया गया तथा उन्हें सरलीकृत किया गया है और भारतीय दंड संहिता की 511 धाराओं के मुकाबले इसमें केवल 358 धाराएं होंगी। सूत्रों ने बताया कि शादी का झूठा वादा करने, नाबालिग से दुष्कर्म, भीड़ द्वारा पीटकर हत्या करने, झपटमारी आदि मामले दर्ज किए जाते हैं लेकिन मौजूदा भारतीय दंड संहिता में ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए कोई विशेष प्रावधान नहीं थे। उन्होंने बताया कि भारतीय न्याय संहिता में इनसे निपटने के लिए प्रावधान किए गए हैं। सूत्रों ने बताया कि ये तीनों कानून न्याय, पारदर्शिता और निष्पक्षता पर आधारित हैं। नए कानूनों के तहत अब कोई भी व्यक्ति पुलिस थाना गये बिना इलेक्ट्रॉनिक संचार माध्यम से घटनाओं की रिपोर्ट दर्ज करा सकता है। इससे मामला दर्ज कराना आसान और तेज हो जाएगा तथा पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई की जा सकेगी। *जीरो एफआईआर* से अब कोई भी व्यक्ति किसी भी पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज करा सकता है, भले ही अपराध उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं हुआ हो। इससे कानूनी कार्यवाही शुरू करने में होने वाली देरी खत्म होगी और मामला तुरंत दर्ज किया जा सकेगा। नए कानून में जुड़ा एक दिलचस्प पहलू यह भी है कि गिरफ्तारी की सूरत में व्यक्ति को अपनी पसंद के किसी व्यक्ति को अपनी स्थिति के बारे में सूचित करने का अधिकार दिया गया है। इससे गिरफ्तार व्यक्ति को तुरंत सहयोग मिल सकेगा। इसके अलावा, गिरफ्तारी विवरण पुलिस थानों और जिला मुख्यालयों में प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा जिससे कि गिरफ्तार व्यक्ति के परिवार और मित्र महत्वपूर्ण सूचना आसानी से पा सकेंगे। नए कानूनों में महिलाओं व बच्चों के खिलाफ अपराधों की जांच को प्राथमिकता दी गई है जिससे मामले दर्ज किए जाने के दो महीने के भीतर जांच पूरी की जाएगी। नए कानूनों के तहत पीड़ितों को 90 दिन के भीतर अपने मामले की प्रगति पर नियमित रूप से जानकारी पाने का अधिकार होगा। नए कानूनों में, महिलाओं व बच्चों के साथ होने वाले अपराध पीड़ितों को सभी अस्पतालों में नि:शुल्क प्राथमिक उपचार या इलाज मुहैया कराया जाएगा। यह प्रावधान सुनिश्चित करता है कि पीड़ित को आवश्यक चिकित्सकीय देखभाल तुरंत मिले। आरोपी तथा पीड़ित दोनों को अब प्राथमिकी, पुलिस रिपोर्ट, आरोपपत्र, बयान, स्वीकारोक्ति और अन्य दस्तावेज 14 दिन के भीतर पाने का अधिकार होगा। अदालतें समय रहते न्याय देने के लिए मामले की सुनवाई में अनावश्यक विलंब से बचने के वास्ते अधिकतम दो बार मुकदमे की सुनवाई स्थगित कर सकती हैं। नए कानूनों में सभी राज्य सरकारों के लिए गवाह सुरक्षा योजना लागू करना अनिवार्य है ताकि गवाहों की सुरक्षा व सहयोग सुनिश्चित किया जाए और कानूनी प्रक्रियाओं की विश्वसनीयता व प्रभाव बढ़ाया जाए। अब *लैंगिकता* की परिभाषा में ट्रांसजेंडर भी शामिल हैं, जिससे समावेशिता और समानता को बढ़ावा मिलता है। पीड़ित को अधिक सुरक्षा देने तथा दुष्कर्म के किसी अपराध के संबंध में जांच में पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए पीड़िता का बयान पुलिस द्वारा ऑडियो-वीडियो माध्यम के जरिए दर्ज किया जाएगा। महिलाओं, पंद्रह वर्ष की आयु से कम उम्र के लोगों, 60 वर्ष की आयु से अधिक के लोगों तथा दिव्यांग या गंभीर बीमारी से पीड़ित लोगों को पुलिस थाने आने से छूट दी जाएगी और वे अपने निवास स्थान पर ही पुलिस सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

अहम धाराओं में...

धारा को अध्याय 6 में मानव शरीर को प्रभावित करने वाले अपराध कहा जाएगा।

धारा 307 : नए कानून के अस्तित्व में आने से पहले हत्या करने के प्रयास में दोषी को आईपीसी की धारा 307 के तहत सजा मिलती थी। अब ऐसे दोषियों को भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 के तहत सजा सुनाई जाएगी। इस धारा को भी अध्याय 6 में रखा गया है।

धारा 376 : दुष्कर्म से जुड़े अपराध में सजा को पहले आईपीसी की धारा 376 में परिभाषित किया गया था। भारतीय न्याय संहिता में इसे अध्याय 5 में महिलाओं और बच्चों के विरुद्ध अपराध की श्रेणी में जगह दी गई है। नए कानून में दुष्कर्म से जुड़े अपराध में सजा को धारा 63 में परिभाषित किया गया है। वहीं सामूहिक दुष्कर्म को आईपीसी की धारा 376 डी को नए कानून में धारा 70 में शामिल किया गया है।

धारा 399 : पहले मानहानि के मामले में आईपीसी की धारा 399 इस्तेमाल की जाती थी। नए कानून में अध्याय 19 के तहत आपराधिक धमकी, अपमान, मानहानि, आदि में इसे जगह दी गई है। मानहानि को भारतीय न्याय संहिता की धारा 356 में रखा गया है।

धारा 420 : भारतीय न्याय संहिता में धोखाधड़ी या ठगी का अपराध 420 में नहीं, अब धारा 316 के तहत आएगा। इस धारा को भारतीय न्याय संहिता में अध्याय 17 में संपत्ति की चोरी के विरूद्ध अपराधों की श्रेणी में रखा गया है।

केंद्रीय मंत्री सोनोवाल...

हित में सभी आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया। सीएम ने बाढ़ की स्थिति का आकलन करने के लिए असम सरकार के मंत्री और तिनसुकिया विधायक संजय किसान और डिब्रूगढ़ जिले के अभिभावक रंजीत कुमार दास से भी बातचीत की। उम्मीद है कि अभिभावक कल जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेंगे। मैं डिब्रूगढ़ लोकसभा क्षेत्र के कई इलाकों में बाढ़ की स्थिति को लेकर चिंतित हूं। मैंने अधिकारियों को लगातार बारिश की संभावना के कारण आपातकालीन उपाय करने और बाढ़ प्रभावित लोगों को आवश्यक सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया है। मुझे उठाए गए कदमों की जानकारी है। शहर में बाढ़ के प्रभाव को कम करने के लिए संबंधित अधिकारी और जिला प्रशासन आपातकालीन उपायों के साथ बाढ़ के प्रभाव को कम करने के अपने प्रयास जारी रखे हुए हैं ताकि प्रभावित लोगों को जल्द से जल्द आवश्यक सुविधाएं प्रदान की जा सकें और राहत दी जा सके।

केदारनाथ धाम में ...

पहाड़ी से तेजी के साथ बर्फ का गुब्बार नीचे आया और पहाड़ी पर बर्फ का धुंआ उड़ने लगा। इसके बाद केदारनगरी में हलचल मच गई। काफी देर तक यह एवलांच आता रहा। हालांकि इस पहाड़ी पर एवलांच आना कोई नयी बात नहीं है। यहां समय-समय पर एवलांच आते रहते हैं। आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि केदारनाथ मंदिर के पीछे सुमेरु पर्वत की पहाड़ी पर कई बार एवलांच की घटना देखने को मिल रही है। रविवार सुबह आए एवलांच से किसी भी प्रकार का कोई नुकसान नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि इस पहाड़ी पर इस प्रकार के एवलांच आते रहते हैं। यहां बर्फ अधिक गिरने पर इस प्रकार की घटनाएं होती रहती हैं। इनसे किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं होता है। वहीं, पर्यावरणविद जगत सिंह जंगली ने इस घटना को चिंता का विषय बताया। उन्होंने कहा कि हिमालय क्षेत्र में लगातार हो रही इस प्रकार की घटनाओं को लेकर सोचने की आवश्यकता है। हिमालय क्षेत्र में हो रहे निर्माण कार्य और हेली कंपनियों की अनियमित उड़ानों के कारण इस तरह की घटनाएं हो रही हैं। ऐसे में समय रहते हिमालय क्षेत्र को बचाने की जरूरत है।

शिक्षा मंत्री ने तीसरे ...

हुई हैं। मंत्री पेगू ने कहा कि उन्होंने दिल्ली से किसी तीसरे पक्ष के विक्रेता को नियुक्त करने पर कड़ी आपत्ति जताई है तथा इस बात पर बल दिया है कि विश्वविद्यालय को इस प्रक्रिया का प्रबंधन आंतरिक रूप से करना चाहिए। मंत्री ने बताया कि उन्होंने विश्वविद्यालय से अनुरोध किया था कि वह परीक्षा और अंक प्रविष्टि प्रक्रिया की सत्यनिष्ठा और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए तीसरे पक्ष के विक्रेता को हटा दे।

परमवीर चक्र अब्दुल ...

लेखक डॉ रामचंद्रन श्री निवासन के वीर अब्दुल हमीद के जीवन से जुड़ी बातचीत पर आधारित पुस्तक *मेरे पापा परमवीर* का लोकार्पण करेंगे। 180 पेज की किताब में परमवीर चक्र विजेता की पूरी कहानी है। यह कार्यक्रम वीर अब्दुल हमीद के जयंती पर आयोजित की गई है। इस संबंध में कार्यक्रम के संयोजन डॉ. संतोष यादव ने बताया कि वीर अब्दुल हमीद को भारत और पाकिस्तान के 1965 के युद्ध में अदम्य साहस और वीरता के लिए बलिदान देने के लिए सरकार ने उन्हें मरणोपरांत वीरता के सर्वोच्च पुरस्कार परमवीर चक्र से सम्मानित किया था। जिनकी जयंती प्रत्येक वर्ष 01 जुलाई को उनके पैतृक गांव धामूपुर स्थित शहीद स्थल पर मनायी जाती है। उनके जन्मदिन के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सोमवार को संघ प्रमुख भागवत शिरकत करेंगे। परमवीर चक्र विजेता अब्दुल हमीद के बड़े बेटे जैनुल हसन ने बताया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत मेरे अनुरोध पर गांव आ रहे हैं। बताया कि उनसे दो बार मेरी मुलाकात हो चुकी है। उन्होंने बताया कि मुंबई के डॉ. रामा चंद्रन श्रीनिवासन ने किताब लिखी है। इसका शीर्षक मेरे पापा परमवीर हैं। इस कार्यक्रम के बाद अध्यात्म जगत में एक तीर्थ रूप का स्थल प्राप्त कर चुके सिद्धपीठ हथियाराम मठ पहुंचेंगे, जहां पर संघ प्रमुख डॉक्टर मोहन भागवत दर्शन पूजन करेंगे। इस दौरान वह सिद्धपीठ स्थित बुढ़िया माई के पूजन अर्चन करेंगे। वहीं महामंडलेश्वर स्वामी भवानीनंदन यति जी महाराज का भी आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। गौरतलब है कि मोहन भागवत वर्ष 2022 में सिद्धपीठ हथियाराम मठ पर आए थे। जहां उन्होंने बुढ़िया माई के दर्शन पूजन किया था। उसके बाद वह 2023 में भी सिद्धपीठ पर पहुंचे, जहां उन्होंने रात्रि प्रवास भी किया। अब 01 जुलाई 2024 में भी उनका सिद्धपीठ पर आगमन हो रहा है। इस दौरान वह सिद्धपीठ स्थित वृद्धांबिका देवी *बुढ़िया माई* का दर्शन पूजन के साथ ही महामंडलेश्वर स्वामी भवानीनंदन यति का भी आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। इस अवसर पर उनके साथ संघ के कई पदाधिकारी व स्वयंसेवक भी उपस्थित रहेंगे।

नेपाल में मुस्लिमों ने हिंदुओं के गांव का नाम बदल कर रख दिया इस्लाम नगर

काठमांडू। नेपाल के रौतहट जिले में साम्प्रदायिक तनाव की घटना सामने आई है। यहां एक सप्ताह पहले मुस्लिमों ने एक गांव का नाम इस्लाम नगर रखकर इससे बोर्ड लगवा दिया। हिंदुओं को इसका पता चला तो वे भड़क गए और इस बोर्ड को उखाड़ फेंका। इसके बाद मुस्लिमों ने हिंदू समुदाय के कुछ युवाओं की पिटाई कर दी। इसकी जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घटना 23 जून की बताई जा रही है। मामला रौतहट जिले के गरुडा नगरपालिका वॉर्ड नंबर 6 का है। यहां के गांव पोठियाही में सप्ताह भर पहले मुस्लिम समुदाय के लोगों ने एक चौराहे पर इस्लाम नगर का बोर्ड लगा दिया। यह बोर्ड बाकायदा हरे रंग में रंगा गया था। बोर्ड के ऊपर अरबी और उर्दू भाषा में कई शब्द लिख दिए गए थे। बोर्ड के ऊपर दोनों तरफ इस्लामी इबादतगाहों की तस्वीरें भी छाप दी गई थीं। यहां पर खड़े होकर एक मुस्लिम बुजुर्ग ने एक सेल्फी भी ली थी, बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। कहा जा रहा है कि स्थानीय मुस्लिम इस जगह को अपनी तरफ से इस्लाम नगर कह कर बुलाने भी लगे थे। घटना के दिन मौके पर पहुंचकर मुस्लिमों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की।

कूचबिहार में महिला नेता के कपड़े फाड़े, सरेआम पीटा- नंगा घुमाया...

कूचबिहार। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश महासचिव अग्निमित्रा पॉल ने कूचबिहार जिले में पार्टी की एक महिला नेता को निर्वस्त्र करने और शारीरिक यातना देने की कथित घटना की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराए जाने की मांग की और पुलिस पर असली अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया। जिले के माथाभांगा इलाके में भाजपा प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाली पॉल ने दावा किया कि पार्टी की स्थानीय इकाई के अल्पसंख्यक मोर्चा की अध्यक्ष महिला को 25 जून को टीएमसी के बदमाशों ने उस समय पीटा और निर्वस्त्र कर दिया, जब वह खेत में मवेशी चरा रही थी। पॉल ने कहा कि एक महिला मुख्यमंत्री के शासन में, बंगाल की माताओं, बहनों और अल्पसंख्यक समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाली एक महिला को तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय नेता और उसके सहयोगियों द्वारा सरेआम पीटा गया, निर्वस्त्र किया गया और गाली दी गई। उन्होंने कहा कि पुलिस और सरकार एक महिला के खिलाफ इस तरह की भीषण हिंसा पर आंखें मूंदे हुए हैं। हमें इस प्रशासन पर कोई भरोसा नहीं है। हम सीबीआई जांच की मांग करते हैं।

असम में एचआईवी के सात हजार 274 नए मामले : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हिंस)। असम में एचआईवी पॉजिटिव के 7, 274 नए मामले सामने आए हैं। इस प्रकार राज्य में एचआईवी पॉजिटिव से संक्रमित लोगों की कुल संख्या 32, 031 हो गई। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व सरमा ने इसपर आंकड़े जारी करते हुए कहा कि ड्रग्स के सेवन का एचआईवी पॉजिटिव संक्रमण के साथ अन्योन्याश्रय संबंध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान असम में 65 फीसदी एचआईवी पॉजिटिव के नए मामलों के पीछे का कारण ड्रग्स लेने के लिए उपयोग में लाए जाने वाला इंजेक्शन था। मुख्यमंत्री द्वारा जारी आंकड़ों से पता चलता है कि असम में 2023-24 में राज्य में एचआईवी पॉजिटिव के 7, 274 नए मामले दर्ज किए गए। संक्रमित लोगों में 0.13 फ़ीसदी वयस्क हैं। हालांकि, यह राष्ट्रीय औसत (0.20 फीसदी) से कम है। आंकड़े के मुताबिक असम की एचआईवी संक्रमित दर प्रति 1000 असंक्रमित आबादी पर 0.06 है, जो भारत के 0.05 से थोड़ा अधिक है। राज्य में वर्ष 2023 में 337 लोगों की एड्स से मौत हुई। राज्य में 264 व्यक्तियों को एचआईवी के एलिमिनेशन आफ वर्टिकल ट्रांसमिशन (ईवीटीएच) की आवश्यकता होती है।

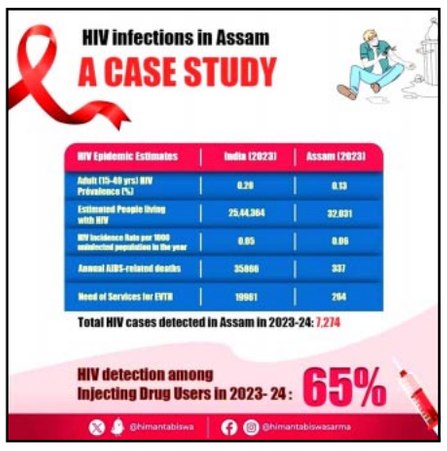

मुख्यमंत्री ने कहा कि ये आंकड़े सरकार के ड्रग्स मुक्त असम अभियान के महत्व को दर्शाते हैं। उन्होंने कहा कि ड्रग्स मुक्त असम की दिशा में हमारे सख्त प्रयास इस प्रकार अधिक महत्व रखते हैं, क्योंकि इससे लोगों के लिए गंभीर स्थायी स्वास्थ्य समस्याएं पैदा हो रही हैं।

बलात्कार और हत्या के चार आरोपियों के घर तोड़े

ग्वालपाड़ा (हिंस)। दुधनई के तंगाबारी में बलात्कार और हत्या के चार आरोपियों के घर रविवार को तोड़ दिए गये। उल्लेखनीय है कि बीते 3 मई को जिले के तंगाबारी के तीन युवकों ने दो किशोरियों के साथ बलात्कार किया था। उसके बाद 5 मई को उनके साथ मारपीट की थी। मारपीट में गंभीर रूप से घायल हिरणमय खाखलारी की 17 मई को गुवाहाटी के एक अस्पताल में मौत हो गई थी। बलात्कार मामले के मुख्य आरोपी धन अली, बहार अली, रहमान अली, शेखवर अली, सोनिया बेगम और रमजान अली को पुलिस हिरासत में लेकर जेल भेज चुकी है। इस बीच आल बोड़ो स्टूडेंट्स यूनियन (एबीएसयू) के नेतृत्व में विभिन्न सामाजिक संगठनों ने घटना के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन किया और दोषियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई करके सजा देने और पीड़ितों के परिवारों को मुआवजा देने की मांग की। करीब दो महीने बाद असम सरकार के मंत्री उर्खाओ गौरा ब्रह्म और जयंतमल्ल बरुवा ने पीड़ितों के परिवारों से मुलाकात की। मंत्रियों के दौरे के बाद, ग्वालपाड़ा जिला प्रशासन ने तंगाबारी में सभी आरोपियों के अवैध रूप से बने घरों को तोड़कर हटाने का आदेश दिया। प्रशासन ने बताया कि मुख्य आरोपी धन अली तालुकदार समेत सभी आरोपियों के घर सरकारी जमीन पर बने थे। यह अभियान चरणबद्ध तरीके से जारी रहेगा।

बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को बजटीय सीमा मुक्त करेगी सरकार

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार राज्य में चल रही आधारभूत बुनियादी ढांचा विकास से संबंधित योजनाओं को अधिकतम् बजट राशि की सीमा से मुक्त करने पर विचार कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व ने आज भारत सरकार की प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर बजटीय अधिकतम सीमा हटाने के प्रस्तावों पर चर्चा करने के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। इसका उद्देश्य देरी को रोकना और समय पर काम को पूरा करना सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को अधिकतम सीमा मुक्त स्थिति के योग्य परियोजनाओं की सूची तैयार करने का निर्देश दिया। इससे पीडब्ल्यूडी (भवन) बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की संख्या अधिकतम हो सकेगी। इससे निर्धारित समय सीमा के भीतर परियोजनाएं पूरी हो सकेंगी।

अरुणाचल प्रदेश में भूस्खलन और बाढ़ से कई राजमार्ग बाधित, यात्रा से बचने की सलाह

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के विभिन्न राष्ट्रीय राजमार्गों पर भूस्खलन और बाढ़ के चलते बिगड़ी परिस्थितियों में राष्ट्रीय राजमार्ग और इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट लिमिटेड (एनएचआईडीसीएल) ने लोगों को यात्रा से बचने की सलाह दी है। एनएचआईडीसीएल ने रविवार को कहा है कि राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 13 बाढ़ व भूस्खलन से बुरी तरह प्रभावित है। राज्य के लोहित जिले में डेमवे-ब्रह्मकुंड ट्राई जंक्शन से परशुराम कुंड-वाकरो तक तथा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 113 अंजॉव जिले में राममंदिर-टिडिंग-खुपा-हयुलियांग-हवाई तक रोड प्रभावित हुई है। इन सड़कों पर कई भूस्खलनों और नदियों और नालों के बाढ़ का पानी आ जाने के कारण स्थिति खराब हो गई है। उन्होंने बताया कि इससे विभिन्न स्थानों पर यातायात बाधित है। इन्हें ठीक करने का अभियान युद्ध स्तर पर चल रहा है। इसी बीच मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले सात दिन तक भारी वर्षा की चेतावनी जारी की है।

तीर खेल मामले में शामिल एक चढ़ा पुलिस के हत्थे

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के लाउखोवा इलाके में पुलिस की टीम में अभियान चलाकर तीर खेल (एक प्रकार का जुआ) में शामिल एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को बताया कि काफी लंबे समय से नगांव जिले के उत्तरी इलाके में अवैध तीर खेल के कारोबार में शामिल गोपाल मंडल को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस गिरफ्तार आरोपी के पास से तीर खेल में व्यवहार की जाने वाली विभिन्न सामग्री बरामद किया है। पुलिस इस संबंध में गेमिंग एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार आरोपी से सघन पूछताछ कर रही है।

मणिपुर में भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में हथियार और गोला बारूद की बरामदगी का सिलसिला लगातार जारी है। इसी सिलसिले में भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद संयुक्त सुरक्षा बलों के अभियान में बरामद किया गया। मणिपुर पुलिस ने आज बताया कि पहाड़ी और घाटी जिलों के सीमांत और संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा बलों द्वारा तलाशी अभियान और क्षेत्र वर्चस्व चलाया गया। इस दौरान एक इम्प्रोवाइज्ड गन (स्थानीय नाम पोम्पी), एक एसबीबीएल, एक थूथन भरी हुई राइफल, एक .22 पिस्तौल और साथ में मैगजीन, तीन देशी पिस्तौल और साथ में तीन मैगजीन, एक स्थानीय निर्मित सिंगल बैरल, एक खाली कारतूस, दो मिनी फ्लेयर सिंगल कारतूस (लाल), छह ट्यूब लांचर, दो आर्मिंग रिंग, एक एचई ग्रेनेड बिना डेटोनेटर, एक 2 इंच मोटर शेल, एक पुराना बम शेल, एक वॉकी टॉकी (बाओफेंग) चार्जर के साथ इंफाल पूर्वी जिले के कोंगबा मारू हिल रेंज से बरामद किया गया।

तालाब में डूबने से दो बच्चे की मौत

मोरीगांव (हिंस)। मोरीगांव जिले के कटहजारी इलाके में डूबने से 7 साल की दो बच्चियों की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को बताया कि कटहजारी इलाके में खेत में स्थित एक तालाब में डूबने से ऋषिता बरदोलोई और सोनमणी बरदोलोई की मौत हो गई। घटना के समय दोनों बच्चियां ऋषिका की दादी के साथ खेत में गई थी। घटना की जानकारी मिलते स्थानीय लोगों ने दोनों बच्चियों को तालाब से निकालकर अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना घकी खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने दोनों बच्चियों के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिक की दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

नगांव, मायुमं शाखा का क्रिएटिव लेखन कला पर कार्यशाला आयोजित

नागांव (निसं)। मारवाड़ी युवा मंच नगांव शाख ने रविवार को क्रिएटिव लेखन कला पर कार्यशाला का आयोजन किया, जिसकी मुख्य शिक्षिका दीपिका जैन थीं। इस कार्यक्रम की संयोजिका जूही मोर ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से बच्चों को अपनी रचनात्मकता और लेखन कौशल को निखारने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम न केवल बच्चों की रचनात्मकता को बढ़ावा देते हैं, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास भी प्रदान करता हैं। अध्यक्ष मनीष गाड़ोदिया ने बताया कि आज के समय में बच्चों के लिए केवल शैक्षिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि रचनात्मकता और सृजनात्मक सोच भी महत्वपूर्ण है। इस प्रकार के कार्यशाला बच्चों को अपने विचारों को व्यक्त करने और उनकी कल्पनाशक्ति को बढ़ावा देने का एक उत्कृष्ट माध्यम है। शाखा सचिव रजत केजरीवाल ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके सामूहिक प्रयासों और समर्पण से ही यह

कार्यक्रम सफल हो सका। इस आयोजन को सफल बनाने में यश अग्रवाल, विक्रांत सोलंकी, पंकज गाड़ोदिया, कार्यक्रम संयोजक जूही मोर, रुचिका मोर, पिंकी कनोई, स्वाति अग्रवाल और नीतू पोद्दार का महत्वपूर्ण योगदान रहा। बच्चों ने इस कार्यशाला में बहुत उत्साह से भाग लिया और उनके लेखन कौशल में उल्लेखनीय सुधार देखा गया। कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों और उनके अभिभावकों ने भी इस कार्यशाला की सराहना की और इसे एक लाभकारी अनुभव बताया। एक अभिभावक ने कहा कि इस प्रकार की कार्यशालाओं से बच्चों को नए दृष्टिकोण और नए विचारों को जानने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं और उनके व्यक्तित्व को निखारते हैं ।कार्यक्रम के समापन पर बच्चों ने अपने अनुभव साझा किए और बताया कि उन्होंने इस कार्यशाला में बहुत कुछ सीखा। कुछ बच्चों ने अपनी रचनाएं भी प्रस्तुत कीं, जिससे सभी उपस्थित लोग बहुत प्रभावित हुए। इस प्रकार के आयोजन केवल बच्चों के लिए लाभकारी नही होते हैं, बल्कि समाज को भी सकारात्मक दिशा की ओर ले जाने में सिद्ध होते है। इस आशय की जानकारी मंच के जन संपर्क अधिकारी नितिन मुंदडा ने दी।

तेज रफ्तार वाहन की चपेट में आने से साइकिल सवार की मौत

गुवाहाटी (हिंस)। बिहाली के बरगांग में रविवार को हुए एक भीषण सड़क हादसे में एक साइकिल सवार की मौत हो गई। यह हादसा उस समय हुआ जब, बारगांग में राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 15 पर सुनती पुल के पास एक साइकिल चालक को एक वाहन (एएस-07एस-6090) ने कुचल दिया। जिससे साइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल साइकिल सवार को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया है। मृतक की पहचान बिहाली के गंगमऊथान के चितरंजन सरकार के रूप में हुई है। बरगांग पुलिस ने हादसे का कारण बनने वाले वाहन को जब्त कर शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बंगाईगांव पंचायत सचिव की हत्या का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। बंगाईगांव पंचायत सचिव की हत्या के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। रविवार को गुवाहाटी के बड़बाड़ी से जनैक नार्जारी नामक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया। इस सिलसिले में अब तक चंद्रकांत दास की पत्नी समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उल्लेखनीय है कि चार दिन पहले बंगाईगांव में पंचायत सचिव की उस समय हत्या कर दी गई थी, जब वह अपनी गाड़ी रोककर दुकान में चाय पीने के लिए उतरा था। दो अज्ञात मोटरसाइकिल सवारों ने आकर उन्हें गोली मार दी थी।

इंफाल : बेली ब्रिज ढहने से नदी में गिरा ट्रक, चालक लापता

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में इंफाल नदी पर स्थित बेली ब्रिज रविवार को अचानक ढह गया। इस दौरान पुल पार कर रहा लकड़ी से लदा ट्रक भी नदी में गिर गया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तीन लोगों को बचा लिया, लेकिन ट्रक चालक अभी लापता है। पुलिस बचाव अभियान चला रही है। इस मार्ग पर यातायात अवरुद्ध हो गया है। जानकारी के अनुसार इंफाल नदी पर बना यह बेली ब्रिज इंफाल पश्चिम जिले के मुटुम फिबौ और थौबल जिले के इरोंग खुनौ खुल को जोड़ता है। आज लकड़ी से लदा एक ट्रक पुल से नदी को पार कर रहा था, तभी पुल ढह गया और ट्रक नदी में गिर गया। बताया गया कि स्थानीय ग्रामीणों ने घटनास्थल से तीन लोगों को बचा लिया है। ट्रक का चालक अभी लापता है। लापता चालक को बचाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। नदी पर बने पुल के ढह जाने से सड़क मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया है। विभागीय अधिकारी पुल ढहने के कारणों की जांच कर रहे हैं।

मणिपुर पुलिस ने 66 लोगों को लिया हिरासत में

इंफाल (हिंस)। मणिपुर पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों के संवेदनशील तथा दुर्गम इलाकों में सघन छापामारी तथा तलाशी अभियान चलाया। अभियान में कानून की अलग-अलग धाराओं के उल्लंघन के सिलसिले में 66 लोगों को हिरासत में लिया गया। पुलिस ने आज बताया कि आवश्यक वस्तुओं के साथ राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 37 पर 230 तथा राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 2 पर 333 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए सभी संवेदनशील स्थानों पर कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं। संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षा बलों को व्यापक पैमाने पर तैनात किया गया है। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी और घाटी दोनों में मणिपुर के विभिन्न जिलों में 128 नाके और जांच चौकियां स्थापित की गई हैं।

कई ट्रेनें रद्द, मार्ग परिवर्तित और पुनर्निर्धारित

गुवाहाटी (हिंस)। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए कुछ विशेष ट्रेनों की सेवाओं को जारी रखने का निर्णय लिया गया है। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सब्यसाची दे ने आज बताया कि ये ट्रेनें मौजूदा सेवा दिनों, समय-सारणी और ठहराव के साथ चलेगी। तदनुसार, ट्रेन संख्या 07029 (अगरतला-सिकंदराबाद) स्पेशल 05 जुलाई से 04 अक्तूबर तक प्रत्येक शुक्रवार को चलेगी और वापसी में ट्रेन संख्या 07030 (सिकंदराबाद-अगरतला) स्पेशल 01 जुलाई से 30 सितंबर तक प्रत्येक सोमवार को चलेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 03028 (न्यू जलपाईगुड़ी-हावड़ा) स्पेशल 04 जुलाई से 01 अगस्त तक प्रत्येक गुरुवार को चलेगी और वापसी में ट्रेन संख्या 03027 (हावड़ा-न्यू जलपाईगुड़ी) स्पेशल 03 से 31 जुलाई तक प्रत्येक बुधवार को पांच-पांच फेरों के लिए चलेगी। ट्रेन संख्या 03106 (जागी रोड-सियालदह) स्पेशल 06 से 27 जुलाई तक प्रत्येक शनिवार को चलेगी और वापसी दिशा में, ट्रेन संख्या 03105 (सियालदह-जागीरोड) स्पेशल 05 से 26 जुलाई तक प्रत्येक शुक्रवार को चार-चार फेरों के लिए चलेगी। विकास कार्यों के लिए पूर्वोत्तर रेलवे के गोंडा-बुढ़वल सेक्शन पर प्रस्तावित प्री नॉन-इंटरलॉकिंग एवं नॉन-इंटरलॉकिंग कार्यों और दक्षिण पूर्व रेलवे के खड़गपुर मंडल के अधीन आन्दुल स्टेशन पर नॉन-इंटरलॉकिंग

कार्यों को देखते हुए, नीचे दिए गए विवरण के अनुसार निम्नलिखित ट्रेनों को रद्द, मार्ग परिवर्तन और पुनर्निर्धारित किया जा रहा है। रद्द ट्रेनें हैं- ट्रेन संख्या 05656 (गुवाहाटी-जम्मू तवी) एक्सप्रेस और ट्रेन संख्या 04679 (गुवाहाटी-श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा) स्पेशल 1 जुलाई को रद्द रहेगी। ट्रेन संख्या 04654 (अमृतसर-न्यू जलपाईगुड़ी) स्पेशल 3 जुलाई को रद्द रहेगी। ट्रेन संख्या 05655 (जम्मू तवी-गुवाहाटी) एक्सप्रेस 4 जुलाई को रद्द रहेगी। ट्रेन संख्या 04653 (न्यू जलपाईगुड़ी-अमृतसर) स्पेशल 5 जुलाई को रद्द रहेगी। जिन ट्रेनों का मार्ग परिवर्तन किया गया है उनमें 04 जुलाई को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 12508 (सिलचर-तिरुवनंतपुरम सेंट्रल) एक्सप्रेस, 30 जून, 2 जुलाई एवं 4 जुलाई को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 22504 (डिब्रूगढ़-कन्याकुमारी) एक्सप्रेस, 30 जून एवं 01 जुलाई को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 12510 (गुवाहाटी-एसएमवीटी बेंगलुरु) एक्सप्रेस और 02 जुलाई को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 12516 (सिलचर-कोयंबत्तूर) एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया आसनसोल-आद्रा-मेदिनीपुर-हिजली-भद्रक होकर चलेगी। 30 जून एवं 3 जुलाई को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 15904 (चंडीगढ़-डिब्रूगढ़) एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया बाराबंकी-अयोध्या छावनी-अयोध्या-शाहगंज-जौनपुर-वाराणसी-औंड़िहार-छपरा होकर चलेगी। 1 जुलाई को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 15903 (डिब्रूगढ़-चंडीगढ़) एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग वाया छपरा-औंड़िहार-वाराणसी-जौनपुर-शाहगंज-अयोध्या-अयोध्या छावनी-बाराबंकी होकर चलेगी। 2 जुलाई को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 09190 (कटिहार-मुंबई सेंट्रल) स्पेशल परिवर्तित मार्ग वाया मनकापुर-अयोध्या-आर्ट्स कॉलेज-बाराबंकी होकर चलेगी। जिन ट्रेनों का पुनर्निर्धारण किया गया है उनमें 3 जुलाई को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 15707 (कटिहार-अमृतसर) एक्सप्रेस का पुनर्निर्धारित समय 10:45 बजे के बजाय 13:30 बजे किया गया है। 3 जुलाई को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 15653 (गुवाहाटी-जम्मू तवी) एक्सप्रेस का पुनर्निर्धारित समय 14:00 बजे के बजाय 16:45 बजे किया गया है। 3 जुलाई को यात्रा शुरू करने वाली ट्रेन संख्या 15652 (जम्मू तवी-गुवाहाटी) एक्सप्रेस का पुनर्निर्धारित समय 22:45 बजे के बजाय 4 जुलाई को 12:00 बजे किया गया है।

प्रधानमंत्री ने पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू पर तीन पुस्तकों का विमोचन किया

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज पूर्व उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू की जीवन यात्रा पर तीन पुस्तकों का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से विमोचन किया। अन्वया कन्वेंशन सेंटर, गाचीबोवली तेलंगाना में नायडू की 75वीं वर्षगांठ पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने नायडू को बधाई देते हुए कहा कि उनकी जीवनी और दो अन्य पुस्तकें लोगों को सही दिशा में काम करने के लिए प्रेरित करेंगी। उन्हें स्वयं उनसे साथ में काम करने के दौरान प्रेरणा मिली है। भाजपा में राष्ट्रीय अध्यक्ष, मंत्रिमंडल में सहयोगी और देश के उपराष्ट्रपति के तौर पर उनके साथ काम करने और सीखने के कई मौके मिले हैं। आज विमोचित पुस्तकों में पूर्व उपराष्ट्रपति की जीवनी 'वेंकैया नायडू- लाइफ इन सर्विस', संकलित एक फोटो क्रॉनिकल 'सेलिब्रेटिंग भारत-एम. वेंकैया नायडू का भारत के 13वें उपराष्ट्रपति के रूप में मिशन और संदेशह्न और सचित्र जीवनी 'महानता-एम. वेंकैया नायडू का जीवन और यात्रा' शामिल है। इन्हें क्रमशः द हिंदू, हैदराबाद संस्करण के पूर्व रेजिडेंट एडिटर एस नागेश कुमार, उनके पूर्व सचिव आई.वी. सुब्बा राव, संजय किशोर ने लिखा एवं संकलित किया है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि सत्ता सुख पाने के लिए नहीं है, बल्कि सेवा के माध्यम से समाधान करने के लिए है। अटल बिहारी वाजपेई की सरकार और उनकी सरकार में भी उन्होंने इसे चरितार्थ करके दिखाया है। वह हमेशा किसानों, गरीबों और ग्रामीणों के लिए काम करना चाहते रहे हैं। उन्हें स्वच्छ भारत मिशन, स्मार्ट सिटीज मिशन और अमृत योजना जैसी कई पहल शुरू करने का श्रेय जाता है। आपातकाल को याद करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को इसे लगाए हुए 50 वर्ष होने जा रहे हैं। आपातकाल के दौरान एम वेंकैया नायडू 17 महीने जेल में रहे। वह सच्चे अर्थों में एक कार्यकर्ता की तरह इसके खिलाफ संघर्षरत रहे।

मुंबई को पानी आपूर्ति करने वाली अपर वैतरणा और भातसा हुई खाली

- दूसरी झीलों में भी पानी खत्म, मुंबई में मचने वाला है हाहाकार!

मुंबई (ईएमएस)। मुंबई में पिछले कुछ दिनों से रुक-रुक कर बारिश हो रही है, लेकिन झील क्षेत्रों में कम बारिश की वजह से झीलों के जलस्तर में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। मुंबई को पानी आपूर्ति करने वाली सात झीलों में से दो प्रमुख झीलों अपर वैतरणा और भातसा में पानी का स्टॉक शून्य है। 30 मई को सातों झीलों में 8 फीसदी पानी का स्टॉक था, जो एक महीने में घट कर 5.43 फीसदी रह गया है। यानी एक महीने में झीलों के जलस्तर में लगभग 3 फीसदी की कमी आई है, जबकि मॉनसून पिछले 21 दिनों से सक्रिय है, इसके बावजूद झीलों के जलस्तर में कमी आई है। मुंबई को मोडक सागर, तानसा, मध्य वैतरणा, अपर वैतरणा, भातसा, विहार और तुलसी झील से प्रतिदिन 3850 एमएलडी पानी की आपूर्ति होती है। मुंबईकर 5 जून से 10 फीसदी पानी कटौती का सामना कर रहे हैं। झीलों में घटते जलस्तर को देखते हुए बीएमसी लगातार मंथन कर रही है। बीएमसी के एक अधिकारी ने बताया कि पानी संकट को लेकर हमारी लगातार बैठकें चल रही हैं। जुलाई में अच्छी बारिश की संभावना जताई गई है, यदि पहले सप्ताह में बारिश नहीं हुई, तो बीएमसी को कुछ कड़े निर्णय लेने पड़ सकते हैं।

हालांकि, 12 जुलाई तक विधानमंडल का बजट सत्र है, उसके बाद ही बीएमसी द्वारा पानी को लेकर कुछ निर्णय लेने की संभावना है। बीएमसी अधिकारी ने बताया कि कंस्ट्रक्शन साइट्स पर इस्तेमाल होने वाली पानी की आपूर्ति को रोकने साथ ही होटल, इंडस्ट्री व अन्य स्थानों पर भी पानी आपूर्ति में कटौती पर विचार किया जा सकता है। मुंबई को पानी आपूर्ति करने वाली झीलों के क्षेत्र में इस साल अब तक काफी कम बारिश हुई है। पिछले साल के मुकाबले औसतन 50 फीसदी से कम बारिश हुई है। अपर वैतरणा क्षेत्र में अब तक 188 मिमी बारिश दर्ज की गई है, जबकि पिछले साल इस दौरान 204 मिमी तक बारिश हो चुकी थी। मॉनसून की आंख मिचौली ने बीएमसी की परेशानी बढ़ा दी है। फिलहाल, बीएमसी प्रशासन रिजर्व कोटे का पानी इस्तेमाल कर मुंबईकरों को जलापूर्ति कर रहा है। लेकिन जिस तरह से झीलों के जलस्तर में कमी आ रही है, उसे देखते हुए लगता है कि आने वाले दिनों में प्रशासन को कड़ा फैसला लेना पड़ेगा।

उद्धव को सीएम बनाने की मांग पर भड़के शरद पवार बोले- कोई जरुरत नहीं

मुंबई(ईएमएस)। बीते कई दिनों से महाराष्ट्र में सीएम के चहरे को लेकर कानाफूसी चल रही थी। इसी सुगबुगाहट के बीच शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने आगामी विधानसभा चुनाव में उद्धव ठाकरे को मुख्यमंत्री का चेहरा बनाने की मांग कर दी। उनका दावा था कि मुख्यमंत्री के चेहरे के बिना विधानसभा चुनाव का सामना करना खतरनाक है। कांग्रेस के कार्यकर्ता और पदाधिकारी राज्य प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले को भावी मुख्यमंत्री के रूप में पेश कर रहे थे। इन सबकी उम्मीदों पर शरद पवार ने पानी फेर दिया। एनसीपी प्रमुख शरद पवार के एक बयान ने शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस के नेताओं की बोलती बंद कर दी है। पवार ने कहा है कि आगामी विधानसभा चुनाव में महा विकास आघाडी की ओर से मुख्यमंत्री का कोई चेहरा नहीं होगा, बल्कि इसे सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ा जाएगा। कोल्हापुर में पत्रकारों से बात करते हुए शरद पवार ने साफ किया कि आगामी विधानसभा का चुनाव सामूहिक नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा।शरद पवार ने कहा कि हम साथ बैठकर विधानसभा चुनाव की रणनीति बनाएंगे। लोकसभा चुनाव में वामपंथी दलों, आम आदमी पार्टी, शेतकरी कामगार पार्टी ने हमारी मदद की थी, इसलिए हम आगामी चुनावों में उन्हें भी जिताने की कोशिश करेंगे। पवार ने कहा कि लोकसभा चुनाव में लोगों की मानसिकता स्पष्ट हो गई है। शरद पवार ने दावा किया कि राज्य में सत्ता परिवर्तन होगा। लोकसभा चुनाव में 288, विधानसभा क्षेत्रों में 155 क्षेत्रों में महा विकास आघाडी आगे है। 155 सीटों पर हमारे आगे रहने का मतलब है कि बहुमत हमारे साथ है। राज्य में सत्ता परिवर्तन के लिए स्थिति अनुकूल है। हाल ही में संजय राउत ने कहा था कि विधानसभा चुनाव के लिए मुख्यमंत्री पद का चेहरा जरूरी है। हालांकि, पवार ने बताया कि लोकसभा चुनावों में एमवीए 288 विधानसभा क्षेत्रों में से 155 में आगे था। एनसीपी प्रमुख ने कहा कि इससे रुझान का पता चलता है और यह साबित होता है कि एमवीए विधानसभा चुनाव जीतने की अच्छी स्थिति में है।

एनडीआरएफ के भत्ते में 40 फीसदी वृद्धि : केंद्र

नई दिल्ली(ईएमएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एनडीआरएफ के पर्वतारोहण अभियान विजय के ध्वजारोहण समारोह में कहा कि लंबे समय से एनडीआरएफ कर्मियों के लिए जोखिम और कठिनाई भत्ता बढ़ाने की मांग की जा रही थी। कल ही भारत सरकार ने इसे मंजूरी दी है और अब आपको 40 प्रतिशत की दर से जोखिम और कठिनाई भत्ता दिया जाएगा। यह सभी 16,000 एनडीआरएफ बचाव कर्मियों के लिए खुशी की बात है। शाह ने एनडीआ-रएफ को उसके सफल पर्वतारोहण अभियान विजय के लिए बधाई दी और कहा कि यह कुछ लोगों के लिए जुनून हो सकता है तो कुछ के लिए महज कर्तव्य होता है। लेकिन, इस तरह के अभियान से व्यक्ति और समूह दोनों को मजबूती मिलती है। इससे हमें लक्ष्य हासिल करने और जीतने की आदत पड़ती है। उन्होंने कहा कि विजय की आदत ही व्यक्ति और बल दोनों को महान बनाती है। इस मौके पर केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला, एनडीआरएफ के महानिदेशक पीयूष आनंद, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य राजेंद्र सिंह, गृह विभाग के अतिरिक्त सचिव संजीव कुमार जिंदल मौजूद रहे। शाह ने यह भी कहा कि सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी और सीआईएसएफ जैसे केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पधाओं में भागीदारी के लिए रोडमैप तैयार किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, हमने यह भी तय किया है कि हमारे सीएपीएफ (केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल) की एक टीम सभी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय आउटडोर और इनडोर खेलों में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेगी। इसका रोडमैप तैयार हो गया है और कुछ ही समय में हम इसे आगे बढ़ाएंगे। केंद्रीय मंत्री शाह ने एनड-ीआरएफ की प्रशंसा करते हुए कहा कि आपदाओं के समय पूरा देश और दुनिया इस पर निर्भर करती है। उन्होंने कहा कि आज भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में जब भी कहीं कोई आपदा आती है, तो लोग एनडीआ-रएफ की ओर देखते हैं।

बाबा बर्फानी के दर्शन करने 6,619 तीर्थयात्रियों का तीसरा जत्था रवाना

जम्मू,(ईएमएस)। अमरनाथ गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए 6,619 तीर्थयात्रियों का तीसरा जत्था रविवार को रवाना हुआ। इससे पहले शनिवार को 13 हजार से ज्यादा यात्रियों ने बाबा बर्फानी के दर्शन किए। जम्मू के अधिकारियों ने बताया कि 6,619 यात्रियों का तीसरा जत्था रविवार सुबह 151 वाहनों में जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से घाटी के लिए रवाना हुआ। उन्होंने कहा कि इनमें से 2,781 यात्री 3:50 बजे 151 वाहनों में सवार होकर बालटाल आधार शिविर के लिए और 3,838 यात्री 168 वाहनों में सवार होकर सुबह 4:42 बजे नुनवान आधार शि-विर के लिए रवाना हुए। दोनों काफिलों को सुरक्षा घेरे में रवाना किया गया। इस साल 52 दिन तक चलने वाली अमरनाथ यात्रा 29 जून को शुरू हुई थी और 19 अगस्त को समाप्त होगी। यात्री 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम-गुफा तीर्थ मार्ग से या फिर 14 किलोमीटर लंबे बालटाल-गुफा तीर्थ मार्ग से यात्रा करते हैं। पहलगाम मार्ग से गुफा मंदिर तक पहुंचने में चार दिन लगते हैं, जबकि बालटाल मार्ग से जाने पर दर्शन करने के बाद उसी दिन वापस आधार शिविर लौट सकते हैं। इस साल करीब 300 किलोमीटर लंबे जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग पर, दोनों यात्रा मार्गों पर, दोनों आधार शिविरों पर और गुफा मंदिर में सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं, ताकि यात्रा सुचारू और निर्बाध हो सके। दोनों मार्गों पर और पारगमन शिविरों और गुफा मंदिर में 124 से ज्यादा लंगर लगाए गए हैं। यात्रा के दौरान 7,000 से अधिक सेवादार यात्रियों की सेवा कर रहे हैं। यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए रेलवे ने 3 जुलाई से अतिरिक्त ट्रेनें चलाने का फैसला किया है। दोनों मार्गों पर यात्रियों के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं उपलब्ध हैं।

हरिद्वार में जलसैलाब के वीडियो हो रहे वायरल

हरिद्वार (ईएमएस)। हरिद्वार की सूखी नदी में कई वाहन बह गए। अब सोशल मीडिया पर वाहनों के सैलाब में बहने के कई वीडियो वायरल हो रहे हैं और लोग इन वीडियो पर जमकर कमेंट कर रहे हैं। हरिद्वार की सूखी नदी में अचानक से जलस्तर बढ़ने से कई वाहन पानी में बह गए, जिसके कारण गंगा का जलस्तर भी बढ़ गया। एक शख्स ने पानी में बहते एक गाड़ी का वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें कुछ लोग तैरकर उफनती नदी में बहती कार पर चढ़ जाते हैं। यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि आखिर क्यों यह शख्स नदी में बहती कार पर चढ़े थे। उन्होंने लिखा, हरिद्वार में गंगा उफान पर है। अचानक आई बाढ़ में दर्जनों गाड़ियां बह गईं। बड़ा ही भयावह दृश्य है। कोई बड़ी अनहोनी से प्रभु बचाए।

जय फिलिस्तीन पर सांसद ओवैसी के घर के बाहर विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली, (हि.स.)। विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल ने रविवार को हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी के संसद में शपथ ग्रहण के दौरान जय फिलिस्तीन नारा लगाने पर कड़ी आलोचना करते हुए उनके खिलाफ प्रदर्शन किया। विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल ने 34 अशोका रोड स्थित ओवैसी के आवास के बाहर उनका पुतला जलाया। हिन्दू संगठन के कार्यकर्ताओं ने ओवैसी के खिलाफ नारेबाजी की और पोस्टर दिखाए। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले ओवैसी के घर के बाहर उनकी नेम प्लेट पर काली इंक पोती गई थी और एक पोस्टर लगाया गया था, जिसमें इजराइल के साथ एकजुटता दिखाते हुए भारत माता की जय लिखा था। इस दौरान विहिप के प्रांत मंत्री सुरेन्द्र कुमार गुप्ता ने जंतर-मंतर पर औवैसी की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। इससे पहले विहिप के अध्यक्ष आलोक कुमार ने भी पूछा था कि औवैसी की निष्ठा भारत में है या फिलिस्तीन में है। हमारी मांग है कि उनकी सदस्यता रद्द होनी चाहिए और उनके खिलाफ देशद्रोह का मुकद्दमा चलना चाहिए।

राज्यपाल ने दिया टीएमसी को पश्चिम बंगाल की वित्तीय स्थिति पर श्वेत्र पत्र जारी करने का आदेश

कोलकाता, (हि.स.)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ. सीवी आनंद बोस ने राज्य के वित्तीय संकट पर ममता बनर्जी सरकार को आर्थिक स्थिति पर श्वेत पत्र लाने को कहा है। राज्यपाल ने शनिवार को नयी दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की थी। इसके बाद उनका यह बयान आया है। निर्मला सीतारमण से मुलाकात के बाद राज्यपाल ने कहा कि पश्चिम बंगाल की आर्थिक स्थिति कई राजकोषीय जोखिमों और सार्वजनिक वित्त प्रबंधन के मुद्दों का सामना कर रही है। यह सरकार की गंभीर खामियों को उजागर करती है। पश्चिम बंगाल वित्तीय संकट का सामना कर रहा है। उन्होंने आर्थिक स्थिति गंभीर होने के मद्देनजर संविधान के अनुच्छेद 167 के तहत मुख्यमंत्री से मंत्रिपरिषद के समक्ष राज्य की वित्तीय स्थिति पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। राजभवन के सूत्रों ने बताया कि सीतारमण के साथ बैठक के दौरान बोस ने मत्स्य पालन क्षेत्र पर निर्भर लोगों के लिए आर्थिक विकास कार्यक्रमों को लागू करने की आवश्यकता को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि राज्यपाल ने मंत्री को मत्स्य पालन क्षेत्र के विकास के लिए एक विस्तृत कार्ययोजना सौंपी। इसके बाद ही राज्य की वित्तीय स्थिति को लेकर उनका बयान आया है।

नौसेना प्रमुख चार दिवसीय बांग्लादेश दौरे पर, द्विपक्षीय सहयोग के नए रास्ते तलाशेंगे

- नौसेना प्रमुख बनने के बाद पहली विदेश यात्रा पर ढाका पहुंचे एडमिरल
- चटगांव में बांग्लादेशी नौसेना की पासिंग आउट परेड की समीक्षा भी करेंगे

नई दिल्ली, (हि.स.)। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी 4 जुलाई तक बांग्लादेश की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। उनकी इस यात्रा का उद्देश्य भारत और बांग्लादेश के बीच द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को मजबूत करना और नौसेना सहयोग के लिए नए रास्ते तलाशना है। एडमिरल त्रिपाठी ढाका में अपने समकक्ष बांग्लादेश नौसेना के प्रमुख एडमिरल एम नजमुल हसन के साथ द्विपक्षीय चर्चा करेंगे। साथ ही 4 जुलाई को चटगांव में बांग्लादेश नौसेना अकादमी (बीएनए) में होने वाली पासिंग आउट परेड की समीक्षा भी करेंगे। यात्रा के दौरान सीएनएस बांग्लादेश सेना और वायु सेना के प्रमुखों, प्रधान स्टाफ अधिकारी सशस्त्र बल प्रभाग और बांग्लादेश सरकार के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ द्विपक्षीय चर्चा भी करेंगे। अपनी यात्रा के दौरान सीएनएस ढाका के राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज में प्रतिभागियों को संबोधित करेंगे और कुछ प्रमुख रक्षा सुविधाओं का दौरा करेंगे। भारत और बांग्लादेश के बीच नौसेना सहयोग पारंपरिक रूप से मजबूत रहा है, जिसमें बंदरगाहों पर जाकर परिचालन संबंधी बातचीत, द्विपक्षीय नौसेना अभ्यास, क्षमता निर्माण, क्षमता संवर्धन और प्रशिक्षण पहल शामिल हैं। नौसेना प्रमुख की इस यात्रा से दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच दोस्ती के बंधन और मजबूत होंगे।

राजा भोज एयरपोर्ट अथॉरिटी को बम से उड़ाने की धमकी भरा मेल करने वाले अब तक नहीं आए पकड़ में

भोपाल, (हि.स.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में स्थित राजा भोज एयरपोर्ट लगातार विदेशी ताकतों के निशाने पर है, एक बार फिर इसे बम से उड़ाने की धमकी मिली है, जबकि इससे पहले भी तीन बार पिछले छह माह में इस तरह के मेल एयरपोर्ट अथॉरिटी के ई-मेल पर एयरपोर्ट को बम से उड़ाने को लेकर भेजे गए हैं। ऐसे में बॉम्ब थ्रेट को लेकर सुरक्षा एजेंसियां पहले से कहीं अधिक सतर्क मोड में नजर आ रही हैं। फिलहाल, इस मामले में भी पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। अब घटना को 24 घण्टे से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन आरोपितों की पहचान अब तक नहीं हो पाई है। इससे पहले इसी साल अप्रैल में भी भोपाल एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी। तब भी धमकी भरा मेल मिलने पर बॉम्ब थ्रेट को लेकर सुरक्षा एजेंसियां अत्यधिक सक्रिय दिखाई दी थीं। उस-के बाद मई में एक मेल आया था, जिसमें कि एक अज्ञात व्यक्ति हवाई अड्डे को उड़ाने की धमकी दी थी। फिर जून के प्रथम सप्ताह के इस प्रकार का ई-मेल मेल एयरपोर्ट अथॉरिटी के पास भेजा गया और अब यह धमकी भरा मेल 28 जून की देर रात को भेजा गया है। उल्लेखनीय है कि यह मेल शुक्रवार और शनिवार को देर रात आया था, जिसके बाद इस संबंध में राजा भोज एयरपोर्ट के मुख्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा पुलिस को जानकारी दी गई थी। गांधीनगर पुलिस भी तुरंत यह पता लगाने के लिए सक्रिय हुई कि आखिर कौन है जिसके यहां से ये ई मेल भेजा गया है। सुरक्षा अधिकारी विशाल शर्मा ने बताया था कि शनिवार रात तकरीबन साढ़े बारह बजे अज्ञात ई-मेल आईडी से उन्हें मेल आया, जिसमें एयरपोर्ट का बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। उसके बाद हकरत में आए बम स्क्वायड दल ने एयरपोर्ट पर खोजी अभियान चलाते हुए पूरी छानबीन की लेकिन यह खबर पूरी तरह से झूठी साबित हुई, लेकिन एयरपोर्ट अथॉरिटी इसे लेकर पूरी तरह से गंभीर एवं अलर्ट है। वहीं, मामले में पुलिस की सायबर शाखा एवं अन्य शाखाओं ने आरोपितों को पकड़ने के लिए अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। जानकारी में आया है कि अभी पुलिस की अपराधी को पकड़ने की खोज चल रही है। रविवार तक इस संबंध में कोई ठोस कामयाबी पुलिस को नहीं मिल पाई थी।

देश के 30वें सेना प्रमुख बने लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, कार्यभार संभाला

- युद्ध के लगातार बदलते स्वरूप के कारण सुरक्षा क्षेत्र में चुनौतियों से निपटना होगा
- सुरक्षा क्षेत्र में आधुनिक और उभरती प्रौद्योगिकियों की समझ रखते हैं जनरल द्विवेदी

नई दिल्ली, (हि.स.)। देश के 30वें सेना प्रमुख के रूप में लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने रविवार को कार्य भार संभाल लिया। उन्होंने चार दशकों से अधिक राष्ट्र सेवा करने के बाद रविवार को सेवानिवृत्त हुए थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे से कार्यभार संभाला। उन्होंने ऐसे समय में सीओएएस का पदभार संभाला है, जब वैश्विक भू-रणनीतिक वातावरण गतिशील बना हुआ है। साथ ही तकनीकी प्रगति और आधुनिक युद्ध के लगातार बदलते स्वरूप के कारण सुरक्षा क्षेत्र में चुनौतियां और भी स्पष्ट होती जा रही हैं। लेफ्टिनेंट जनरल उपेन्द्र द्विवेदी इसी साल 15 फरवरी को उप सेना प्रमुख नियुक्त किए गए थे। इससे पहले वह 1 फरवरी, 2022 को सेना की उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ बनाए गए थे। उन्हें परम विशिष्ट सेवा मेडल और अति विशिष्ट सेवा पदक से सम्मानित किया जा चुका है। लेफ्टिनेंट जनरल द्विवेदी सैनिक स्कूल रीवा और राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खडकवासला के छात्र रहे हैं। उन्हें 15 दिसंबर, 1984 को भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून से जम्मू और कश्मीर राइफल्स की 18वीं बटालियन में नियुक्त किया गया था। उन्होंने ऑपरेशन रक्षक के दौरान चौकीबल में एक बटालियन की कमान संभाली थी, जो ऑपरेशन राइनो के दौरान मणिपुर में असम राइफल्स का एक सेक्टर था।

उन्होंने असम में इंस्पेक्टर जनरल, असम राइफल्स के रूप में भी कार्य किया है। वह भारतीय सैन्य अकादमी में एक प्रशिक्षक के रूप में तैनात रहे हैं। वह सेशेल्स सरकार में सैन्य अताशे और पैदल सेना के महानिदेशक के रूप में तैनात रहे हैं। उन्हें फरवरी, 2020 में कोर का कमांडर और अप्रैल, 2021 में सेना स्टाफ (सूचना प्रणाली और समन्वय) के उप प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्होंने ऐसे समय में सीओएएस का पदभार संभाला है, जब वैश्विक भू-रणनीतिक वातावरण गतिशील बना हुआ है, तकनीकी प्रगति और आधुनिक युद्ध के लगातार बदलते चरित्र के कारण सुरक्षा क्षेत्र में चुनौतियां अधिक स्पष्ट होती जा रही हैं। इसलिए उभरते राष्ट्र के लिए सुरक्षा खतरों का मुकाबला करने के लिए परिचालन तैयारियां सीओएएस के लिए एक प्रमुख फोकस क्षेत्र के रूप में प्रमुखता से सामने आएंगी। इसके साथ ही असंख्य गैर-पारंपरिक सुरक्षा चुनौतियों के लिए एक केंद्रित प्रतिक्रिया रणनीति भी राष्ट्र की रक्षा को बढ़ाने की दिशा में एक प्राथमिकता होगी। जनरल द्विवेदी अपने साथ अप्रत्याशित रूप से प्रभावी ढंग से योजना बनाने और उसे क्रियान्वित करने का एक समृद्ध अनुभव और सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड लेकर आए हैं। जनरल अधिकारी को सुरक्षा क्षेत्र में आधुनिक और उभरती प्रौद्योगिकियों की गहरी समझ है और परिचालन प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए सैन्य प्रणालियों में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों का उपयोग और एकीकरण करने का एक विचारशील दृष्टिकोण है। यह दृष्टि भारतीय सेना की आत्मनिर्भरता के माध्यम से अपने आधुनिकीकरण और क्षमता विकास की जरूरतों को पूरा करने के चल रहे प्रयास के अनुरूप है। वह सेना में विश्वास की संस्कृति को बढ़ावा देने और जूनियर अधिकारियों के सशक्तिकरण पर भी ध्यान केंद्रित करेंगे।

उप्र के नए मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने कार्यभार गृहण किया

लखनऊ, (हि.स.)। वरिष्ठ आईएएस मनोज कुमार सिंह उत्तर प्रदेश के नये मुख्य सचिव बनाये गये हैं। सन 1988 बैच के आईएएस मनोज कुमार सिंह ने शनिवार की शाम को मुख्य सचिव का पदभार संभाल लिया है। आईएएस अधिकारी मनोज कुमार सिंह की पहचान 'परफॉर्मर' की रही है। सीनियर मोस्ट अधिकारी के रूप में सुदीर्घ अनुभव, दक्षता, कर्तव्यपरायणता, डिलीवरी देने की क्षमता, कॉम्पिटेंसी के साथ मनोज कुमार सिंह ब्यूरोक्रेसी में एक प्रतिष्ठित नाम है। और यही कारण है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने अब तक के कार्यकाल में मनोज कुमार सिंह पर लगातार भरोसा जताया है। इनके बारे में कहा जाता है कि डिलीवरी ऑन टाइम के योगी मंत्र को मनोज कुमार सिंह ने आत्मसात कर लिया है। वर्तमान में प्रदेश के कृषि उत्पादन आयुक्त और अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त जैसे नीतिगत विषयों से जुड़े दो अति महत्वपूर्ण पदों का दायित्व निर्वहन कर रहे मनोज कुमार सिंह अपर मुख्य सचिव पंचायती राज, खाद्य प्रसंस्करण, यूपीडा और उपशा के चेयरमैन तथा पिकप अध्यक्ष जैसे प्रदेश के विकास को गति देने वाले अति वरिष्ठ पदों की जिम्मेदारी भी निभा रहे हैं। कोविड काल में पहले टीम 11 और फिर टीम 9 में शामिल मनोज कुमार सिंह ने गाँवों में कोविड प्रसार को नियंत्रित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। 'बैंकिंग एट योर डोर' की परिकल्पना को साकार करने वाली मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की 'बीसी सखी' योजना आज पूरे देश में मॉडल के रूप में स्वीकारी जा रही है। इसकी रूपरेखा तैयार करने से लेकर क्रियान्वयन तक उनका बड़ा योगदान है। यह एक योजना महिला स्वावलम्बन और वित्तीय समावेशन का अद्भुत उदाहरण बन कर राष्ट्रीय पटल पर प्रशंसा पा रही है। 2019 के दिव्य-भव्य कुंभ को ग्लोबल इवेंट बनाने के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रयासों को सफल बनाने में मनोज कुमार सिंह की बड़ी भूमिका है। बतौर नोडल अधिकारी कुंभ-2019 से जुड़ी हर एक तैयारी, इन्हीं के नेतृत्व में क्रियान्वित हुई। अब इस बार मुख्य सचिव के रूप में महाकुंभ 2025 के सफलतापूर्वक आयोजन में इन्हीं अनुभवों का लाभ मिलेगा। अपर मुख्य सचिव पंचायती राज के रूप में मनोज कुमार सिंह ने सीएम योगी के मिशन को धरातल पर उतारा। आज उत्तर प्रदेश के सभी 75 जनपद खुले में शौच से मुक्त घोषित हैं और सबसे ज्यादा शौचालय उत्तर प्रदेश में बनाये गए तो इसमें सबसे महत्वपूर्ण भूमिका इन्हीं की है। 40 लाख करोड़ से अधिक का निवेश उत्तर प्रदेश में लाने वाले ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के हर चरण में मनोज कुमार सिंह नेतृत्वकर्ता की भूमिका में रहे। जीएसटी से पहले योगी का संदेश लेकर विभिन्न देशों में गई 'टीम यूपी' में मनोज कुमार सिंह प्रमुखता से शामिल थे, तो जीआईएस मुख्य समारोह के आयोजन में भी आपकी प्रभावी भूमिका रही। फरवरी 2024 में जब 10 लाख करोड़ रुपयों की परियोजनाओं को जमीन पर उतारने के लिए जीबीसी फोर आयोजित हुआ, तब आप अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त के रूप में पूरे आयोजन के सूत्रधार रहे। महिला स्वयं सहायता समूहों के विस्तार के साथ-साथ टेक होम राशन जैसी बाल विकास की योजना के शुचितापूर्ण क्रियान्वयन में भी मनोज कुमार सिंह ने बड़ी भूमिका निभाई है।

2033 तक अयोध्या को विश्व का सर्वोत्तम शहर बनाएगी योगी सरकार

-भारतीय उद्यमिता संस्थान अहमदाबाद की स्टडी में निकलकर सामने आई यह बात

लखनऊ, (हि.स.)। योगी सरकार वर्ष 2033 तक अयोध्या को विश्व का सर्वोत्तम शहर बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। इसके लिए वहां संचालित विभिन्न परियोजनाओं में 85 हजार करोड़ रुपये के निवेश की उम्मीद है। यह बात उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा कराई गई एक स्टडी में सामने आई है। यह स्टडी भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआई), अहमदाबाद गुजरात ने की है। ईडीआई ने अपनी स्टडी में बताया है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में अयोध्या का विकास इंफ्रास्ट्रक्चर, परिवहन और सौंदर्यीकरण से जुड़े हुए मुख्यतः 27 बिंदुओं को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। इनमें से बहुत सारे प्रोजेक्ट पूरे हो चुके हैं। वहीं कुछ पर अभी काम संचालित है, जिनके जल्द ही पूरा होने की उम्मीद है।

इन 27 बिंदुओं को ध्यान में रखकर किया जा रहा है विकास - रोड और पार्किंग, रेल लाइन का दोहरीकरण, रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, एयरपोर्ट, गुप्तारघाट, मंदिर संग्रहालय, वैक्स संग्रहालय, सांध्य सरोवर, अयोध्या बाजार, 37 धार्मिक स्थलों का पुनर्विकास एवं सौंदर्यीकरण, 25 पौराणिक एवं 39 चौराहों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन, साउंड लाइट शो के साथ वाटर स्पोर्ट्स और सरयू में क्रूज का संचालन, सरयू के घाटों पर 500 प्रीफैब शौचालय की स्थापना, पिक्रमा मार्गों का विकास, विभिन्न मंदिरों का सौंदर्यीकरण एवं पुनर्विकास, 140 भाषाओं में मौसम का पूवार्नुमान, सोलर बोट्स का संचालन, 28 भाषाओं में पथ प्रदर्शक बोर्ड, हेलीकॉप्टर की सुविधा, ई-कार्ट सुविधा, दिव्यांगों एवं वृद्धजनों के लिए व्हीलचेयर, रेल ओवरब्रिज, लक्ष्मण पथ का निर्माण, सॉलिड वेस्ट ट्रीटमेंट प्लांट की स्थापना, कैफेटेरिया एवं ओपन थियेटर की सुविधाएं, सफाई मित्रों की तैनाती और स्ट्रीट लाईट जैसे अन्य प्रोजेक्ट शामिल हैं।

वैश्विक मानकों को ध्यान में रखकर बनी हैं परियोजनाएं - ईडीआईआई स्टडी में इस बार की पुष्टि की गई है कि नव्य अयोध्या के विकास के लिए बनी परियोजनाएं विश्वस्तरीय हैं। इसके लिए अयोध्या में इंटरनेशनल एयरपोर्ट और इंटरनेशनल बस स्टेशन का विकास किया जा रहा है। इसमें पहले फेज का कार्य पूर्ण हो चुका है। वहीं अयोध्या धाम जंक्शन रेलवे स्टेशन को देशभर के प्रमुख शहरों के साथ निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए आधुनिक मानकों को ध्यान में रखकर उसका पुनर्विकास किया गया है।

क्या कहते हैं ईडीआई के महानिदेशक - ईडीआई के महानिदेशक डॉ. सुनील शुक्ला ने कहा कि "अयोध्या में दुनिया की सबसे लंबी सौर स्ट्रीट लाइट परियोजना संचालित है, जिसमें गुप्तारघाट से लक्ष्मण घाट तक 10 कि.मी. के क्षेत्र में 400 से अधिक स्ट्रीट लाइटें लगाई जा रही हैं।" उन्होंने बताया कि इस प्रकार की विकासात्मक पहल से अयोध्या एक विकसित धार्मिक स्थल के रूप में पहचान बनाने के साथ-साथ प्रगतिशील शहरों के मानचित्र पर भी स्थापित हो जायेगी। उन्होंने आगे जानकारी देते हुए बताया कि अयोध्या में स्थान आधारित पर्यटन केंद्र बनाने पर दिया जा रहा ध्यान विभिन्न प्रकार के आगंतुकों, पर्यटकों, वास्तुकारों को आकर्षित करेगा, जो आने वाले वर्षों में शहर प्रबंधन और नगर नियोजन पर अध्ययन करेंगे।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव के जन्मदिन से एक दिन पूर्व कार्यकर्ताओं ने किया रक्तदान

-जन्मदिन पर लगायेंगे पीडीए पौधा

वाराणसी, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के जन्मदिन के एक दिन पहले रविवार को शिवपुर में पार्टी कार्यकर्ताओं ने रक्तदान शिविर का आयोजन किया। कार्यकर्ता शुभम यादव के नेतृत्व में रक्तदान शिविर में कार्यकर्ताओं का हुजूम जुटा। शिविर का शुभारंभ शिवपुर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी आनंद मोहन गुड्डू ने किया। शिविर में लगभग 100 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। इस अवसर पर 'गुड्डू' ने कहा कि रक्तदान से हम बीमार और जरूरतमंद लोगों की प्राण रक्षा कर सकेंगे। वहीं सोमवार का दिन इस लिए भी खास है क्योंकि एक जुलाई को पार्टी के नेता के जन्मदिन पर 'पीडीए पौध ' भी लगाना है। पीपल,नीम आदि के पौधे हर गांव में लगाना है। ये न सिर्फ हमें आक्सीजन और ठंडी हवा देंगे बल्कि भाई चारा को भी मजबूती प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव के जन्मदिन से एक दिन पूर्व रक्तदान शिविर लगाकर कार्यकर्ताओं ने एक अनूठी पहल की है, जो समाज व इंसानियत के लिए बेहतर है। किसी भी पार्टी की ताकत उसके कार्यकर्ता होते हैं और समाजवादी पार्टी में कर्मठ और मेहनती कार्यकर्ताओं की भरमार है, आज जिला ही नही बल्कि उत्तर प्रदेश स्तर पर कार्यकर्ताओं की मेहनत की बदौलत पार्टी मजबूत विपक्ष की भूमिका निभाते हुए जनता के हितों की लड़ाई लड़ रही है।

उपभोक्ता परिषद ने कहा, सबसे पहले ब्रेक डाउन को ठीक करें बिजली कंपनियां

लखनऊ, (हि.स.)। मानसून ने अभी दस्तक दिया कि पूरे प्रदेश में ब्रेकडाउन से बिजली उपभोक्ताओं को परेशान कर दिया। इसको लेकर उप्र राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने कहा कि बिजली कंपनियों को सबसे पहले ब्रेकडाउन पर ध्यान देना चाहिए। ट्रांसफार्मर जलने से लेकर जगह-जगह तार टूटने से बिजली बाधित हो रही है। प्रदेश भर के वेबिनार के माध्यम से जुड़े उपभोक्ताओं ने गलत बिलिंग नेट मीटरिंग में भी गलत बिल बनने का मुद्दा उठाया। वहीं पहली बारिश के चलते बडे पैमाने पर ब्रेकडाउन को तत्परता से अटेंड करने का मुद्दा भी उठा। सोशल मीडिया के माध्यम से भी ब्रेकडाउन पर उपभोक्ताओं ने उपभोक्ता परिषद को बडे पैमाने पर शिकायत की उपभोक्ता परिषद ने सभी उपभोक्ताओं को अवगत कराते हुए कहा कि निश्चित ही पहली बारिश में ब्रेकडाउन बढ़ जाते हैं। ऐसे में सभी अभियंता पूरी तत्परता के साथ ब्रेकडाउन पर अपना ध्यान दें। इस समस्या से प्रबंधन को अवगत कराया जाएगा, क्योंकि अनेकों जनपदों में बारिश के चलते जल भराव की स्थिति भी सामने आ रही है। ऐसे में बिजली अभियंताओं को विशेष ध्यान देना होगा। पूरे प्रदेश में बडे पैमाने पर बिना नोटिस के छोटे विद्युत उपभोक्ताओं के भार बढाए जा रहे हैं, जिसकी वजह से पूरे प्रदेश में विद्युत उपभोक्ताओं में भारी रोश है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि जिस प्रकार से ब्रेकडाउन की सूचनाएं सभी जनपदों से आ रही हैं, बहुत चिंतनीय हैं। तत्काल पावर कार्पोरेशन प्रबंधन को सभी काम बंद करके उपभोक्ताओं को सुचार विद्युत आपूर्ति देने पर लग जाना चाहिए। सभी बिजली कंपनियों मे अभियंताओं को विद्युत दुर्घटना पर भी विशेष ध्यान देना होगा क्योंकि बरसात में विद्युत दुर्घटनाएं भी बढ जाती हैं।

झारखंड के गिरिडीह में अरगा नदी पर 5.5 करोड़ की लागत से बन रहा पुल ढहा

गिरिडीह, (हि.स.)। झारखंड के गिरिडीह जिले के अरगा नदी पर निमार्णाधीन पुल शनिवार की रात भरभराकर गिर गया। यह पुल 5.5 करोड़ की लागत से देवरी थाना क्षेत्र अंतर्गत फतेहपुर भेलवाघाटी सड़क के डुमरीटोला और कारीपहरी गांव के बीच बन रहा था। इसका निर्माण ओम नमः शिवाय कंस्ट्रक्शन एजेंसी करा रहा था लेकिन यह मॉनसून की पहली बारिश भी झेल नहीं सका और धराशायी हो गया। बताया जाता है कि गिरिडीह और जमुई को जोड़ने वाला फतेहपुर से भेलवाघाटी पुल पांच साल बाद भी पूरा बन तो नहीं पाया लेकिन इससे पहले ही मानसून की बारिश में इसका एक बड़ा हिस्सा गिर जरूर गया। पथ प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता विनय कुमार ने रविवार को बताया कि ये उनके कार्यकाल से पहले की योजना है। ठेकेदार की भारी लापरवाही के कारण पुल का एक स्पेन धंस कर गिरा। इस मामले में वे ठेकेदार पर कार्रवाई के लिए लिखेंगे। पुल गिरने के कारण ही अब गिरिडीह और जमुई जाने के रास्ते का रहा-सहा कसर भी खत्म हो गया। स्थानीय लोग रविवार को जब लोग मॉर्निंग वॉक के लिए निकले तो देखा की पुल का हिस्सा गिरा पड़ा है। लोगों ने इस-ाकी जानकारी मुखिया को दी। उल्लेखनीय है कि फतेहपुर से भेलवाघाती को जोड़ने वाले इस पुल और सड़क का शिलान्यास पांच साल पहले किया गया था। कंस्ट्रक्शन एजेंसी पांच साल में पूरा काम तक नहीं करा पाई है।

केंद्रीय मंत्री संजय सेठ ने रांची रेल मंडल में चल रही रेल परियोजनाओं की समीक्षा की

रांची, (हि.स.)। केंद्रीय मंत्री संजय सेठ ने रविवार को रांची रेल मंडल में चल रही रेल परियोजनाओं की समीक्षा की। मंत्री ने रेल अधिकारियों से रांची, हटिया, नामकुम, टाटीसिल्वे, गंगाघाट, मुरी, सिल्ली और पिस्का स्टेशन के उन्नयन कार्य की जानकारी ली। इस दौरान रांची रेलवे स्टेशन पर चल रहे उन्नयन कार्य का अवलोकन किया और दिशा-निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में नगड़ी, नयासराय, हटिया पुलिस मुख्यालय के समीप निमार्णाधीन आरओबी की गति प्रगति की रिपोर्ट और नामकुम अंडरपास पर चर्चा हुई। केतारी बगान ओवरब्रिज निर्माण को लेकर हुई कार्रवाई, सिरमटोली फ्लाई ओवर निर्माण में आ रही समस्या और उसके समाधान पर भी बातचीत हुई। मंत्री ने सिल्ली में बांसारूली के समीप बनने वाले अंडर पास पर चर्चा और इलू रेल लाइन के प्रस्ताव पर हुई गति प्रगति की जानकारी ली। रेलवे जंक्शन मुरी से बिसरिया गांव तक सड़क निर्माण की दिशा में अब तक हुई कार्रवाई पर चर्चा की गयी। तेजी लाने का निर्देश मंत्री ने दिया। कडरू, सेंबरटोली के समीप अंडरपास निर्माण के दौरान रास्ता बंद होने से आदिवासी परिवारों को हो रही समस्या पर चर्चा करते इसका समाधान करने को डीआरएम, रांची रेल मंडल को कहा गया।

महिला मरीज को बंधक बनाने के मामले में जेनेटिक अस्पताल के डायरेक्टर सहित अन्य पर मामला दर्ज

रांची, (हि.स.)। राजधानी के जेनेटिक अस्पताल में मरीज को बंधक बनाकर रखने के मामले में अस्पताल के डायरेक्टर मनोज अग्रवाल समेत अन्य के खिलाफ रंगदारी मांगने, बंधक बनाने, गाली-गलौच करने, जातिसूचक गाली देने सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। खूंटी निवासी मंगलू सिंह की शिकायत पर सदर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। दर्ज प्राथमिकी में बताया गया है कि मंगलू की पत्नी सुनीता कुमारी को खूंटी सदर अस्पताल से रिम्स रेफर किया गया। रांची पहुंचने के बाद एक अज्ञात ऑटो वाला रिम्स में सही इलाज नहीं होने का हवाला देते हुए पत्नी को जेनेटिक अस्पताल ले गया, जहां ऑपरेशन करने की बात कही गई। जेनेटिक अस्पताल की तरफ से दवाई का खर्चा छोड़ 1.2 लाख रुपये का खर्च बताया गया। 28 मई को 90 हजार रुपये जमा किये। ऑपरेशन के बाद 31 मई को 30 हजार, तीन जून को 50 हजार जमा कराया। साथ ही दवा के खर्च के रूप में 34 हजार रुपये अलग से दिये। मंगलू के मुताबिक, जब उसने पत्नी और बच्चे को छोड़ने के लिए कहा तो जेनेटिक अस्पताल के राजा खान व डायरेक्टर मनोज अग्रवाल ने उसे धमकी देते हुए रंगदारी के तौर पर एक लाख 60 हजार रुपये देने की बात कही। यह भी कहा कि जब पैसे मिलेंगे तब पत्नी व बच्चा को छोड़ेंगे।

जब वह रोने लगा तो बच्चे को घर ले जाने के लिए दे दिया लेकिन पत्नी को बंधक बनाकर अस्पताल में रख लिया। जब भी वह पत्नी से मिलने अस्पताल जाता था तो राजा खान उसे जातिसूचक गाली देते हुए भगा देता था। मंगलू जब डायरेक्ट मनोज अग्रवाल के पास गया तो पीछे से राजा खान भी वहां पहुंच गया। फिर गाली देते हुए कहा कि एक लाख 60 हजार रुपये नहीं दोगे तो तुम्हारी पत्नी को जाने नहीं देंगे। अस्पताल में तुम्हारी पत्नी से झाड़ू-पोछा करवाकर पैसे वसूल करेंगे। बाद में उसकी शिकायत पर सीआइडी की टीम अस्पताल आयी और बच्चे को छुड़वाया। हॉस्पिटल से मुक्त होने के बाद सुनीता ने कहा कि उसे जनरल वार्ड में रखा गया था। साथ ही पैसा मंगवाने के लिए गलत व्यवहार किया जाता था। उल्लेखनीय है कि झारखंड हाई कोर्ट ने बरियातू बूटी रोड स्थित जेनेटिक अस्पताल में बकाया बिल जमा नहीं करने पर नवजात की मां (महिला मरीज) को बंधक बनाये जाने को गंभीरता लेते हुए जांच के आदेश दिये हैं। जस्टिस रंगन मुखोपाध्याय व जस्टिस दीपक रोशन की खंडपीठ ने स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव को जवाब देने का निर्देश दिया।

प्रकल्प को शिक्षा के अलावा सामाजिक जागरण का भी केन्द्र बनाना चाहिए : सुशील मरांडी

लोहरदगा, (हि.स.)। वनवासी कल्याण केन्द्र श्रीहरि वनवासी विकास समिति, झारखंड के तत्वावधान में रामकली देवी सरस्वती शिशु मंदिर में रविवार को संकुल प्रमुख प्रधानाचार्य की बैठक हुई। प्रान्त सह संगठन मंत्री सुशील मरांडी ने कहा कि हम सब संगठन के कार्यकर्ता हैं, हममें संगठन का भाव हमेशा जागृत रहनी चाहिए। प्रकल्प को शिक्षा के अलावा सामाजिक जागरण का केन्द्र बनाना चाहिए।अपने प्रकल्प में कार्यक्रमों के माध्यम से जनजाति समाज को जोड़ते हुए उनकी धर्म संस्कृति परंपरा को संरक्षण एवं संवर्धन करने की दिशा में कार्य करना चाहिए। स्थानीयता को बढ़ावा देते हुए लोक कला का भी संरक्षण करना चाहिए। प्रांत शिक्षा प्रमुख सुभाष चन्द्र दुबे ने संकुल प्रमुख के कार्य दायित्व, उनकी सक्रियता, कार्यों की स्पष्ट जानकारी व कार्य विभाजन, संपर्क, संवाद, प्रशिक्षण, आगामी व सम्पन्न कार्यक्रम, कार्यक्रमों में जिला समिति की भूमिका, संकुल प्रमुख प्रवास, निर्माण कोचिंग, त्रिवर्षीय कार्य योजना के सप्त बिंदु, लोक कला,मासांत बैठक का स्वरूप, पत्रिका, विद्यालय इतिहास एवं उपलब्धि, संकुल स्तर पर कार्यक्रम, कार्य योजना, गणित विज्ञान मेला,कार्यों की समीक्षा, कार्यालय व्यवस्था, प्रतिभा विकास शिविर, अंकेक्षण, संस्कृति ज्ञान परीक्षा, वृक्षारोपण, वस्तु संग्रह पंजी,जमीन संबंधी कागजात, गुरु पूर्णिमा समर्पण दिवस, शून्य कालांश, रिपोर्टिंग, डॉक्यूमेंटेशन, मातृ भारती का गठन, शारिरिक शिक्षा, संगीत शिक्षा, संस्कार केन्द्र, नीड लिस्ट, ग्राम समिति का गठन, हूल दिवस,गणित आचार्य प्रशिक्षण वर्ग,संस्था संगठन की जानकारी आदि आदि विषयों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की।

पीएम के मन की बात समग्र विकास का प्रतिबिंब : प्रवीण कुमार

अररिया, (हि.स.)। मन की बात के जरिए प्रधानमंत्री का संवाद भारत के समग्र विकास का प्रतिबिंब व शासन में जन भागीदारी के अभिव्यक्ति को दशार्ता है। उक्त बातें भाजयुमो नेता व विधानसभा प्रभारी प्रवीण कुमार ने कही। भाजयुमो नगर अध्यक्ष किशन शर्मा की अगुवाई में प्रधानमंत्री मोदी सरकार तीसरे कार्यकाल की पहली मन की बात कार्यक्रम के 111वें कड़ी के दौरान बूथ संख्या 151 पर कही। विधानसभा प्रभारी कुमार ने पीएम के संबोधन की खास बातों का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने मुख्य रूप से लोकसभा चुनाव, हूल दिवस, भगवान जगरनाथ रथयात्रा, अमरनाथ यात्रा, कुवैत रेडियो के हिंदी शो लोकल प्रोडक्टस तथा पर्यावरण एवं योग दिवस की चर्चा करते हुए पर्यावरण संरक्षण हेतु बीते दिनों शुरू किये गए एक विशेष अभियान एक पेड़ माँ के नाम पर प्रकाश डाला। वही अमर शहीद सिद्धों कान्हो के साहस व पराक्रम से जुडे हूल दिवस की ऐतिहासिक बातों की चर्चा की।

केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव को जन्म दिवस की शुभकामनाएं

मधुबनी, (हि.स.)। भाजपा के वरिष्ठ नेता भूपेन्द्र यादव को जन्मदिन पर रविवार को समाजसेवी रमेश झा ने बधाई दी। उन्होंने कहा कि रामबाग पैलेस परिसर में शहर के बुद्धिजिवियों व गणमान्य लोगों के बीच रविवार को मंत्री भूपेन्द्र यादव का जन्मदिन उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया। दरभंगा राज के कुमार कपिलेश्वर सिंह ने मंत्री को जन्म दिवस पर रविवार को शुभकामना संदेश भेजकर दीघार्यु जीवन व यशस्वी भवः के साथ सुखद सुन्दर भविष्य की मंगलकामना दी। कुमार कपिलेश्वर सिंह ने बताया कि केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव का दरभंगा राजपरिवार से भावनात्मक लगाव है। दरभंगा राज के राजनगर स्टेट परिसर में धार्मिक पर्यटक स्थल निर्माण की आश्वासन व स्थल निरीक्षण क्रम हुआ। विभिन्न प्रान्त सहित सोमनाथ गुजरात से धर्म गुरू लोग राजनगर स्टेट के धार्मिक स्थल का मुआयना किया। केन्द्रीय मंत्री को गुरूजन ने कार्य में प्रगतिशीलीता को अनुशंसित किया। अवसर पर पवन दत्त प्रयांशु झा डा प्रशान्त सेतु ने जन्म दिन पर शुभचिन्तन के साथ उन्नति की कामना किया।

अररिया-फारबिसगंज NH-57 पर भीषण सड़क हादसे में एक युवक की मौत, एक की हालत गंभीर

फारबिसगंज/अररिया, (हि.स.)। अररिया-फारबिसगंज NH-57 पर डोरिया सोनापुर के पास हुए भीषण सड़क दुघर्टना में एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। वहीं बाइक पर सवार एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे स्थानीय लोगों के सहयोग से अररिया सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। मृतक रानीगंज प्रखंड क्षेत्र के धामा रूपौली निवासी स्वेज (21) है। घायल डोरिया सोनापुर निवासी इरशाद है। बताया जा रहा है की दो युवक बाइक पर अररिया से फारबिसगंज की ओर जा रहे थे। तभी तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने उसे टक्कर मार दी,जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जिसके बाद स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर दूसरी ओर सर्विस रोड पर चढ़ गई। जहां उसने एक ऑटो में भी टक्कर मार दिया। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने एनएच 57 को जाम कर दिया और सड़क पर जमकर हंगामा किया और मौके पर पहुंचे एंबुलेंस का शीशा फोड़ दिया। जिसके बाद में स्थानीय पंचायत प्रतिनिधि एवं प्रबुद्ध ग्रामीणों के सहयोग से मौके पर पहुंची सिमराहा थाना पुलिस ने आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर सड़क मार्ग को खाली करा कर यातायात को चालू करवाया। सूचना पर पहुंची सिमराहा पुलिस ने स्कॉर्पियो को अपने कब्जे में लिया। वहीं फारबिसगंज डीएसपी मुकेश कुमार घटनास्थल पर पहुंचकर कर आक्रोशित लोगों समझबुझा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उन्होंने बताया कि घटना की जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संजय झा के कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर मंत्री रत्नेश सादा एवं कार्यकर्ताओं ने जताया हर्ष

सहरसा, (हि.स.)। राज्यसभा सदस्य संजय झा को जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष बनाये जाने पर बिहार सरकार के मंत्री रत्नेश सादा एवं जेडीयू डीसी चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉक्टर रमन झा सहित कार्यकर्ताओं नें हर्ष व्यक्त किया है। मंत्री सादा ने कहा संजय झा को कार्यकारी अध्यक्ष बनाये जाने सें संगठन को काफी मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि झा निष्ठावान कार्यकर्ता के रूप में पार्टी द्वारा जो भी दायित्व दिया गया। उसका निर्वहन ईमानदारी पूर्वक किया। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष झा ने कहा कि वे सदैव एक अभिभावक के समान प्यार और स्नेह देने वाले राज्यसभा सदस्य संजय झा जी को जेडीयू का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष चुने जाने पर पूरे जेडीयू परिवार वरिष्ठ नेता मुख्यमंत्री बिहार नीतीश कुमार का हृदय से आभार जताया। उन्होंने कहा कि हमें आशा ही नही अपितु पूर्ण विश्वास है कि आपके सानिध्य में जेडीयू और मजबूत होकर बिहार के विकास की नई गाथा लिखेगा। वही जनता दल यूनाइटेड को नयी उंचाई प्रदान करेगा। प्रदेश उपाध्यक्ष श्री झा ने कहा कि संजय झा द्वारा अपने मंत्रीत्व काल में जल संसाधन विभाग द्वारा बाढ से वचाव को लेकर जिस प्रकार बेहतर कार्य को अंजाम दिया। साथ ही सिमरिया का सौन्दर्यीकरण, दरभंगा एयरपोर्ट एवं एम्स अस्पताल निर्माण कार्य से उन्हें विकास पुरुष के रुप मे ख्याति प्राप्त हुई। वही पार्टी संगठन की मजबूती को लेकर शालीनता पूर्वक दिन रात लगे रहे। साथ ही उनकी योग्यता कर्मठता ईमानदारी व लगनशीलता के कारण उन्हे कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौपी है। इस अवसर पर जिला जदयू जिलाध्यक्ष चन्द्रदेव मुखिया सहित आदि कार्यकताओं हर्ष व्यक्त कर शुभकामना दी।

दोहे

"मैं ही ओम उकार"

मिट्टी से मिट्टी हुई,
निमित गुरू के जान।
परम तत्व को जानकरपाई
मैं पहचान।।
निर्गुण मैं निर्लिप्त हूं,
चित्त है निर्विकार।
परम आत्मा अजर अमर,
मैं ही ओम उकार।।

वैशाली रस्तौगी
जकार्ता, इंडोनेशिया

जिला परिषद की बैठक में भाग नहीं लेने वाले अधिकारियों से जवाब-तलब

पूर्वी चंपारण, (हि.स.)। जिला परिषदीय महात्मा गांधी सभा भवन में अध्यक्ष ममता राय की अध्यक्षता में हुई सामान्य बैठक अनुपस्थित पदाधिकारियो एवं अनुपालन प्रतिवेदन नही उपलब्ध कराने वाले पदाधिकारियो से जबाब-तलब करने का निर्देश अध्यक्ष ने दिया है। उन्होंने कहा है कि संबंधित पदाधिकारियों एवं विभागों के विरूद्ध कार्रवाई हेतु उनके मूल विभाग को सूचित करें। अध्यक्ष ने बताया कि जिला परिषद् को आर्थिक रूप से सुदृढ़ के निमित सैरातो की निलामी हेतु अखबारो एवं सोशल मीडिया के माध्यम से काफी प्रचार प्रसार कराया गया, नतीजतन एक करोड़ व चौदह लाख अड़सठ हजार छः सौ पचास रुपए की प्राप्ति हुई, जबकि जिला परिषदीय बकायादारों पर सख्ती कर एक करोड़ एक्कीस लाख पचीस हजार दो सौ उन्तालीस रुपए की वसूली की गई। अब भी आवंटित दुकानदारों के पास किराया बाकी है, उन्हे शीघ्र जमा कराने तथा जिनका एकरारनामा नहीं हुआ है। उन्हे शीघ्र एकरारनामा के लिए हिदायत दिया गया। जो लोग एकरारनामा नही करते है, तो वैसे लोगो का आवंटन रद्द करने के लिए मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी को कहा गया। उन्होने चिन्ता प्रकट करते हुए कहा कि जिले के विद्यालयो में बेंच डेस्क के आपूर्ति एवं विद्यालयो की मरम्मति, शौचालय, एवं चापाकल में हुई घोर अनियमितता तथा समग्र विद्यालय अनुदान में ली गई योजनाओं में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी की गई है, जिसके लिए टीम बनाकर जांच कराई जायेगी। इसके लिए उन्होने मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी को निदेशित किया। सदर अस्पताल की व्यवस्था, आंगनबाड़ी केन्द्रों के संचालन, मनरेगा में हो रहे गड़बड़ी पर गंभीर चिंता व्यक्त की। लिहाजा मामले में जिलाधिकारी एवं विभाग को सूचित करने का निर्णय लिया गया। जबकि पटवन के लिए संबंधित विभाग को नहरो के आरंभ से अंत तक पानी पहुंचाने के लिए कहा गया।

संपादकीय

राष्ट्रपति का आर्थिक फोकस

राष्ट्रपति का अभिभाषण भारत सरकार का ही दस्तावेजी वक्तव्य होता है। उसे सरकार लिखती है और राष्ट्रपति उसे पढ़ते हैं, क्योंकि सरकार राष्ट्रपति के नाम से ही संचालित की जाती है। यह गणतंत्र की एक खूबसूरत परंपरा है कि राष्ट्रपति संसद की साझा बैठक को संबोधित करते हैं। अभिभाषण के मायने स्पष्ट हैं कि केंद्र सरकार की नीतियों, योजनाओं, उसके कार्यक्रमों और विजन का यह सारांश खुलासा होता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी उसी गरिमामय परंपरा को निभाया है। उन्होंने मोदी सरकार की उन परियोजनाओं की प्रशंसा की, जिन्हें देश अक्सर सुनता रहा है, लेकिन विपक्ष पूरी तरह सहमत नहीं है। वह उन्हें लीपापोती मानता है अथवा झूठे आंकड़े करार देता है। मसलन-गरीबी से बाहर निकालने वाले लोगों का डाटा सवालिया है। देश की जनता उन परियोजनाओं से इसलिए भी वाकिफ है, क्योंकि वह ही लाभार्थी है, लेकिन इस बार राष्ट्रपति मुर्मू का फोकस आर्थिक समृद्धि और सुधारों की निरंतरता पर अधिक रहा है। देश की आर्थिक विकास दर 8 फीसदी के करीब है और भारत का औसत विकास विश्व में सर्वाधिक और सबसे ज्यादा गतिमान है। भारत बहुत जल्द विश्व की तीसरी सबसे बड़ी तीसरी अर्थव्यवस्था होगा, सरकार का यह संकल्प है। यानी जापान और जर्मनी भी भारत से पीछे होंगे। राष्ट्रपति का उल्लेख कोई नया नहीं है। सत्तारूढ़ पक्ष अक्सर ऐसे दावे करता रहा है। आम चुनाव के दौरान ऐसे डाटा की भरमार रही, लेकिन मोदी सरकार ने राष्ट्रपति के जरिए यह खुलासा कराया है, लिहाजा उसे विश्वसनीय मानना चाहिए। राष्ट्रपति मुर्मू ने 18वीं लोकसभा के पूर्ण बजट का भी कुछ प्रारूप रखा है कि वह भारत की जनता की आकांक्षाओं और जरूरतों के अनुसार होगा। संसद के जुलाई सत्र में जो बजट पेश किया जाएगा, वह वाकई जनवादी होगा। उसमें दूरगामी नीतियों और भविष्य के विजन के साथ-साथ ऐतिहासिक कदम भी उठाए जाएंगे। बेशक राष्ट्रपति भी उन कदमों का खुलासा नहीं कर सकती थीं, क्योंकि बजट की गोपनीयता का तकाजा था। यह गौरतलब रहा कि मोदी सरकार ने राष्ट्रपति के सौजन्य से यह सिद्धांत स्पष्ट कराया कि देश का विकास, उसके राज्यों के विकास पर ही, आश्रित है, क्योंकि तभी एक राष्ट्र के समग्र विकास का आकलन किया जा सकता है और एक राष्ट्रीय तस्वीर सामने आती है। इस विकास में प्रतिस्पद्र्धा भी होनी चाहिए और सहकारिता का भाव भी रहना चाहिए, यही भारत का सच्चा संघीयवाद है। राष्ट्रपति ने कुछ ऐसे क्षेत्रों का उल्लेख किया, जो 'सूर्योदय' की तरह माने जाते हैं। मसलन-विद्युत वाहन, सेमीकंडक्टर, ग्रीन हाईड्रोजन, बैटरी आदि। इन क्षेत्रों को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। ये भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था और प्रगति के प्रतीक हैं। राष्ट्रपति ने जलवायु परिवर्तन का भी जिक्र किया, जो बराबर की चुनौती है और सरकार उस संदर्भ में लगातार सक्रिय है। यह भी वैश्विक चुनौती है, जो किसी महामारी से कम नहीं है। राष्ट्रपति मुर्मू का फोकस महिला सशक्तिकरण पर रहा और उन्होंने देश के संपूर्ण बुनियादी ढांचे की सराहना की। जो सडक़ें, पुल, राजमार्ग, एक्सप्रेस-वे आदि बनाए जा रहे हैं, रेल और हवाई यात्रा का विस्तार किया गया है, कमोबेश उन्हें मोदी सरकार का 'हालमार्क' माना जाता है। गौरतलब तथ्य यह भी है कि बेशक भारत विश्व की तीसरी महाशक्ति होगा, अमरीका और चीन के बाद भारत की अर्थव्यवस्था होगी, लेकिन विश्व की तमाम बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में भारत सबसे गरीब देश भी होगा। यह लड़ाई अभी बहुत लंबी है। भारत में आर्थिक असमानताएं काफी व्यापक हैं। दरअसल मोदी सरकार की अग्निपरीक्षा यह है कि वह विकास के सभी स्तंभों की बुनियाद मजबूत करे। इसमें कृषि, विनिर्माण और सेवा-क्षेत्र शामिल हैं। सभी क्षेत्रों में व्यापक स्तर पर रोजगार और नौकरियां पैदा करे, ताकि करोड़ों बेरोजगारों को माकूल काम दिया जा सके। उससे भी आर्थिक विकास बढ़ता है।

> राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी उसी गरिमामय परंपरा को निभाया है। उन्होंने मोदी सरकार की उन परियोजनाओं की प्रशंसा की, जिन्हें देश अक्सर सुनता रहा है, लेकिन विपक्ष पूरी तरह सहमत नहीं है। वह उन्हें लीपापोती मानता है अथवा झूठे आंकड़े करार देता है। मसलन-गरीबी से बाहर निकालने वाले लोगों का डाटा सवालिया है। देश की जनता उन परियोजनाओं से इसलिए भी वाकिफ है, क्योंकि वह ही लाभार्थी है, लेकिन इस बार राष्ट्रपति मुर्मू का फोकस आर्थिक समृद्धि और सुधारों की निरंतरता पर अधिक रहा है। देश की आर्थिक विकास दर 8 फीसदी के करीब है और भारत का औसत विकास विश्व में सर्वाधिक और सबसे ज्यादा गतिमान है। भारत बहुत जल्द विश्व की तीसरी सबसे बड़ी तीसरी अर्थव्यवस्था होगा, सरकार का यह संकल्प है। यानी जापान और जर्मनी भी भारत से पीछे होंगे। राष्ट्रपति का उल्लेख कोई नया नहीं है। सत्तारूढ़ पक्ष अक्सर ऐसे दावे करता रहा है। आम चुनाव के दौरान ऐसे डाटा की भरमार रही, लेकिन मोदी सरकार ने राष्ट्रपति के जरिए यह खुलासा कराया है, लिहाजा उसे विश्वसनीय मानना चाहिए।

भाजपा की यही सबसे बड़ी ताकत है तो इन्हें संभालना नेतृत्व के लिए वैसी ही चुनौती भी है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के योगदान को न भूलें

अवधेश कुमार

> प्रधानमंत्री मोदी भाजपा के शीर्ष नेता हैं और उनका वक्तव्य पार्टी की सामूहिक सोच तथा नीतियों को प्रतिबिंबित करता है। इस समय भाजपा अपने चुनावी प्रदर्शन को लेकर समीक्षा के दौर से गुजर रही है। इसमें उनका यह वक्तव्य महत्वपूर्ण हो जाता है। भाजपा के लिए निराशाजनक प्रदर्शन करने वाले राज्यों की कोई समीक्षा रिपोर्ट सार्वजनिक तौर पर आए तो पता चलेगा प्रदेश इकाई का एप्रोच क्या है। उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र पर लोगों का सबसे ज्यादा ध्यान है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने श्रीनगर में कहा कि भारत हाई एस्पिरेशन यानी उच्च अपेक्षाओं या आकांक्षाओं का देश हो गया है। यह देश की उपलब्धि है लेकिन इस कारण लोग सरकारों से अपेक्षाएं ज्यादा करते हैं। उन्होंने तीसरी बार सरकार की वापसी को एक बड़ी और ऐतिहासिक उपलब्धि भी बताया। प्रधानमंत्री मोदी भाजपा के शीर्ष नेता हैं और उनका वक्तव्य पार्टी की सामूहिक सोच तथा नीतियों को प्रतिबिंबित करता है। इस समय भाजपा अपने चुनावी प्रदर्शन को लेकर समीक्षा के दौर से गुजर रही है। इसमें उनका यह वक्तव्य महत्वपूर्ण हो जाता है। भाजपा के लिए निराशाजनक प्रदर्शन करने वाले राज्यों की कोई समीक्षा रिपोर्ट सार्वजनिक तौर पर आए तो पता चलेगा प्रदेश इकाई का एप्रोच क्या है। उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र पर लोगों का सबसे ज्यादा ध्यान है। इन दो राज्यों ने अपेक्षाओं के बिल्कुल उलट पार्टी को झकझोर देने वाला प्रदर्शन किया है। आप यदि धरातल पर काम करते हैं या सोशल मीडिया पर दृष्टि है तो देखेंगे कि इस समय भाजपा को लेकर सबसे ज्यादा नाराजगी और निराशा उनके स्वयं के कार्यकर्ता, स्थानीय नेता और प्रतिबद्ध समर्थक प्रकट प्रकट कर रहे हैं। उनका उबाल साफ दिखता है। भाजपा कार्यकर्ताओं, नेताओं और समर्थकों में ऐसे लोगों की संख्या छोटी-मोटी नहीं है जिनके विश्लेषणों, वक्तव्यों और व्यवहार में भावनायें आबद्ध होतीं हैं। भाजपा की यही सबसे बड़ी ताकत है तो इन्हें संभालना नेतृत्व के लिए वैसी ही चुनौती भी है। चुनाव में भाजपा के उम्मीद से कमजोर प्रदर्शन को देखते हुए अनुमान लगाया गया था कि ऐसे लोग अब शांत होंगे। ऐसा हुआ नहीं है। आश्चर्य की बात है कि काफी पढ़े लिखे और बड़े लोग भी इस समय विपक्ष की आलोचना या विरोध करने की जगह भाजपा नेतृत्व पर ही हमले कर रहे हैं। सरकारों में इनकी या इनके जैसे लोगों की व्यापक अनदेखी, उम्मीदवारों का उनकी कसौटी पर सही नहीं होना तथा केन्द्र व प्रदेशों में उच्च पदों पर बैठे अनेक चेहरों तथा उनकी भूमिकाओं में इनकी शिकायतों को स्वीकार करने में समस्या नहीं है। किंतु इनमें ज्यादातर लोग हिंदुत्व ,हिंदुत्व अभिमुख राष्ट्र भाव ,आंतरिक एवं बाह्य सुरक्षा , धर्म, अध्यात्म ,संस्कृति, इतिहास , सामाजिक न्याय आदि के आधार पर अपना विचार और व्यावहारिक निर्धारित करते हैं। वास्तव में ये दोनों अलग-अलग पहलू हैं। साफ है कि भावावेश में इस सच को नजरअंदाज कर रहे हैं कि इन मामलों पर स्वतंत्रता के बाद किसी सरकार ने काम किया है तो वह नरेंद्र मोदी सरकार ही है। भविष्य में भी भारतीयत्व, हिंदुत्व और उससे जुड़े मुद्दों पर भूमिका निभाने की वर्तमान राजनीति में किसी से आशा की जा सकती है तो वह भाजपा ही है। स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस मायने में राजनीति में आज तक के सबसे प्रखर ,मुखर और निर्णय लेने वाले नेता बन चुके हैं। 2019 में अमित शाह द्वारा गृह मंत्रालय संभालने तथा सरकार में दूसरे निर्णायक की भूमिका में आने के बाद हिंदुत्व व भारतीयत्व के मामले में सरकार सोच और नीतियों में ज्यादा दृढ़ हुई है। यह तो संभव है कि जिस गति और परिमाण में समर्थकों का एक बड़ा

समूह काम करने की अपेक्षा रखता था वह नहीं हुआ। सत्ता और संगठन से जुड़े अनेक नेता भी विचारधारा की कसौटी पर खरा उतरने नहीं दिखे। किंतु राजनीति के दूसरे दलों और नेताओं से तुलना करें तो तस्वीर बिल्कुल स्पष्ट हो जाएगी। निस्संदेह , भाजपा को संगठन तथा सत्ता की सोच तथा आचारव व्यवहार में व्यापक संवेदनशील बदलाव की आवश्यकता है और यह आसानी से नहीं हो सकता। राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय ऐसी समितियां बनें जो स्थानीय कार्यकर्ताओं, नेताओं, समर्थकों से बातचीत कर तथ्य इकट्ठे करें और उनके अनुसार तात्कालिक और दुरगामी दृष्टि से जो कुछ चिंतन, व्यवहार और चेहरे के स्तर पर बदलाव होना चाहिए वह किया जाए। सच यह है कि मंत्रालयों के अलावा सरकार से जुड़ी हुई संस्थाओं में ज्यादातर अपनी भूमिकाओं पर लचर साबित हुए हैं। व्यक्तिगत बातचीत या सोशल मीडिया की बहस में शिक्षा, इतिहास , संस्कृति, कला ,साहित्य, समाज विज्ञान आदि से जुड़ी संस्थाओं ने वाकई 10 वर्षों में ऐसे रेखांकित करने वाले काम नहीं किया जिसे वर्षों से चले आरोपित विकृत वामपंथी सिद्धांत, धारणायें और नैरेटिव ध्वस्त हो सके। सरकारी विभागों को तो छोड़िए इन संस्थानों, विश्वविद्यालयों आदि के संरचनात्मक ढांचे में भी बदलाव नहीं हुआ। कुल मिलाकर इनकी प्रकृति से ऐसा लगता नहीं कि वाकई पुरानी सोच और व्यवहार वाली सत्ता बदल चुकी है। इससे सक्रिय बौद्धिक वर्ग और नैरेटिव की लड़ाई लड़ने वालों को धक्का पहुंचना बिलकुल स्वाभाविक है। किंतु दूसरी ओर यह भी सच है नरेंद्र मोदी सरकार ने भारत के दूरगामी भविष्य का ध्यान रखते हुए ऐसे कार्य किये जिनकी कल्पना पहले नहीं की गई थी। जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 की समाप्ति, नागरिकता संशोधन कानून, एक साथ तीन तलाक के विरुद्ध कानून ,भाजपा की राज्य सरकारों द्वारा गो हत्या निषेध की कानूनी व्यवस्था, आतंकवादी हमले के विरुद्ध पाकिस्तान सीमा के अंदर कार्रवाई, भारतीय सभ्यता संस्कृति के अनुरूप जी -20 और ऐसे कई अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों का आयोजन, विदेश यात्राओं के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा भारतवंशियों के बीच कार्यक्रमों और संबोधन से संपूर्ण विश्व के भारतवंशियों के अंदर नए सिरे से भारत , भारतीय सभ्यता संस्कृति और हिंदुत्व को लेकर जागृति एवं गर्व भाव पैदा करने, नई शिक्षा नीति, काशी, उज्जैन, उत्तराखंड के चारों धाम जैसे हिंदुओं के आस्था केन्द्रों का भव्य पुनर्निर्माण, काशी तमिल संगम जैसे कार्य विचारधारा वाले कार्यकर्ताओं, समर्थकों और नेताओं के लिए संतोष के विषय होने चाहिए।

दृष्टि कोण

सरकार के लिए विपक्ष की उपेक्षा आसान नहीं

तीसरी बार केंद्र में सत्ता में आई भाजपा गठबंधन सरकार के लिए इस बार विपक्ष की अवहेलना करना आसान नहीं होगा। मजबूत विपक्ष के कारण केंद्र सरकार को अपना रवैया पिछले कार्यकाल की तुलना में नरम रखना होगा। इसका प्रमाण भी लोकसभा में मिल गया। विपक्ष ने जिस तरह के तेवरों से आगाज किया है, सत्तारूढ़ दल उस तरह प्रतिरोध नहीं कर पाया जिस तरह पहले और दूसरे कार्यकाल में किया था। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी पिछले कार्यकाल की तुलना में इस बार की शुरुआत सामंजस्य बिठाने से की है। पिछले कार्यकाल में मणिपुर के मुद्दे को लेकर लोकसभा अध्यक्ष ने 141 सांसदों को सदन से निलंबित कर दिया था। विपक्ष उस दौरान प्रधानमंत्री मोदी से सदन में बयान देने की मांग कर रहा था। इसे सत्ता पक्ष ने मंजूर नहीं किया। सदन में कई दिनों तक हंगामे की स्थिति बनी रही। इस पर अध्यक्ष ओम बिरला ने विपक्ष के सदस्यों को निलंबित कर दिया। विपक्ष का आरोप था कि प्रधानमंत्री मणिपुर की वीभत्स घटनाओं और लगातार होती हिंसा के बावजूद सार्वजनिक बयान देने से कतरा रहे हैं। मोदी ने मणिपुर की घटना का लोकसभा और सार्वजनिक मंचों पर जिक्र तक नहीं किया। इस बार भाजपा गठबंधन सरकार का ऐसी स्थितियों से बचना आसान नहीं होगा। मजबूत विपक्ष की घेराबंदी से सरकार को ऐसे सार्वजनिक मुद्दों पर अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का भारी दबाव होगा। लोकसभा के प्रोटेम स्पीकर और भाजपा सांसद भर्तृहरि महताब द्वारा 18वीं लोकसभा के लिए निर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाए जाने के दौरान एआईएमआईएम के नेता असदुद्दीन ओवैसी ने शपथ लेने के बाद नारा लगाया- जय भीम, जय तेलंगाना और फिर जय फिलिस्तीन कहा। फिर उन्होंने अल्लाह-ओ-अकबर के भी नारे लगाए। इस पर भाजपा के कई सदस्यों ने आपत्ति जाहिर की। उन्होंने विरोध दर्ज करवाया। इस पर प्रोटेम स्पीकर ने कहा कि अगर ओवैसी ने कोई आपत्तिजनक बात कही है, उसे कार्यवाही के रिकॉर्ड से हटा दिया जाएगा। ओवैसी हैदराबाद से लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए हैं। वह पांचवीं बार सांसद बने हैं। विवाद के बाद ओवैसी ने सफाई दी और कहा कि फिलिस्तीन बोलना संविधान के खिलाफ कैसे है। भाजपा सांसद जी किशन रेड्डी का काम ही विरोध करना है। भाजपा के पिछले कार्यकाल के दौरान यदि ओवैसी इस तरह शपथ लेते तो निश्चित तौर पर उन्हें भाजपा सांसदों का भारी विरोध सहना पड़ता, जोकि इस बार साामन्य नजर आए। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने बुधवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को सदन में नेता प्रतिपक्ष के रूप में आधिकारिक रूप से मान्यता दे दी। राहुल गांधी का नेता प्रतिपक्ष का दर्जा नौ जून 2024 से प्रभावी रहेगा। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने मंगलवार को लोकसभा के कार्यवाहक अध्यक्ष (प्रोटेम स्पीकर) भर्तृहरि महताब को पत्र भेजकर कांग्रेस के इस फैसले के बारे में उन्हें अवगत कराया था कि राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष होंगे। राहुल गांधी ने कहा कि उनके लिए यह अधिकारों की लड़ाई लडऩे की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि विपक्ष का नेता सिर्फ एक पद नहीं है, यह आपकी आवाज बनकर आपके हितों और अधिकारों की लड़ाई लडऩे की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। लोकसभा के पिछले कार्यकाल में कांग्रेस की लगातार मांग के बावजूद संख्या बल का हवाला देते हुए मोदी सरकार ने नेता प्रतिपक्ष की नियुक्ति नहीं की थी। 17वीं लोकसभा में पर्याप्त संख्या बल नहीं होने पर लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता का पद रिक्त रहा। नेता प्रतिपक्ष की सदन में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका और संवैधानिक अधिकार होते हैं। इनमें कटौती करना सत्तारूढ़ दल के लिए संभव नहीं है। यह एक सम्माननीय पद है। राहुल गांधी के लिए भाजपा जिस तरह का वक्तव्य हर वक्त इस्तेमाल करती रही है, वह अब संभव नहीं होगा। नेता प्रतिपक्ष की हैसियत सत्तारूढ़ दल के नेता से कम नहीं होती। राहुल गांधी सदन में विपक्ष की आवाज उठाते हुए नजर आने वाले हैं। लोकसभा चुनाव के नतीजों ने बहुत कुछ बदलकर रख दिया है। राहुल गांधी के तौर पर पूरे दस सालों बाद सदन के भीतर विपक्ष को अपना सेनापति मिला है। 2014 में सत्ता से बेदखल होने के बाद कांग्रेस को नेता प्रतिपक्ष का पद मिला है, क्योंकि पिछले दस सालों से पार्टी के पास इस पद को पाने के लिए जरूरी 54 सीटें तक नहीं थीं। इस बार कांग्रेस के पास लोकसभा में 99 सीटें हैं और इसीलिए 20 साल लंबे राजनीतिक करियर में राहुल गांधी को पहली बार संवैधानिक पद मिला है। हालांकि, राहुल के लिए आगे का सफर आसान नहीं होगा। विपक्ष के सेनापति के तौर पर और संवैधानिक पद पर होने की वजह से राहुल गांधी को कई जिम्मेदारियां निभानी हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को नेता विपक्ष बनने पर बधाइयां मिल रही हैं, लेकिन विपक्ष के नेता यह भी कह रहे हैं कि पूरे गठबंधन के हितों का ध्यान रखा जाएगा। नेता प्रतिपक्ष न सिर्फ अपनी पार्टी का, बल्कि पूरे विपक्ष का नेतृत्व करता है। नेता प्रतिपक्ष कई जरूरी नियुक्तियों में पीएम के साथ बैठता है। मतलब यह कि अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी साथ मिलकर कई फैसले लेंगे।

कुछ अलग

घोषित-अघोषित संपत्ति...

यह चुनाव आयोग भी ना अजब तमाशा करता है। आप चुनाव लड़ते हैं तो नॉमिनेशन करते हुए अपनी संपत्ति घोषित करनी पड़ती है। अब कौनसी संपत्ति घोषित की जाए, एक नंबर की संपत्ति या फिर दो नंबर की संपत्ति, इस बारे अधिकृत पत्र में कोई अलग-अलग कालम नहीं बने होते। इसलिए कंफ्यूजन खड़ी हो जाती है। बंदे ने एक नंबर में अलग से संपत्ति बनाई होती है और अलग से इनकम दर्शाई होती है। लेकिन दो नंबर की इनकम अलग से होती है। आजकल दो नंबर की इनकम वाले ही इलेक्शन लडऩे का साहस कर पाते हैं। एक नंबर की इनकम वालों को तो घर का बिजली बिल देते हुए भी पसीने छूटने लगते हैं। अब इलेक्शन लडऩा है तो पूरी संपत्ति बताना पड़ती है। इसलिए जो शातिर राजनीतिज्ञ होते हैं, वे कागजों में अपनी संपत्ति कम दर्शाते हैं, अपनी पत्नी की संपत्ति ज्यादा दर्शा देते हैं। लेकिन विरोधियों के लिए यह भी मसाला हो जाता है। विरोधी पूछते हैं कि पत्नी ने तो आज तक कोई चुनाव लड़ा नहीं। वह कभी कोई नेत्री रही नहीं। किसी लाभ के पद पर रही नहीं। उसे पूर्व विधायक या पूर्व सांसद होने की कोई पेंशन आती नहीं। वह तो घर का चौका-चूल्हा संभालती रही है। पति की दो नंबर की इनकम के दम पर बड़े होटलों में किटी पार्टी करती रही है और उस पार्टी का बिल ठेकेदार अदा करते रहे हैं, क्योंकि ठेकेदार की रकम विभाग के पास फंसी होती है। पति का फोन विभाग के अफसर को आता है। ठेकेदार को पेमेंट रिलीज हो जाती है। पत्नी की किटी पार्टी कामयाब हो जाती है। लेकिन इलेक्शन में विरोधी पूछते हैं कि पति के पास कम इनकम है और पत्नी की इनकम पति से ज्यादा है, यह करिश्मा कैसे हो गया...! पत्नी पर कुबेर जी कैसे मेहरबान हो गए...! सभी की पत्नियों पर क्यों नहीं हुए...! साधारण परिवार की पत्नियों को तो आज भी घर के बजट का ध्यान रखना होता है। बच्चों की जरूरतों का ध्यान रखना होता है। वह अपनी इच्छाएं दबा लेती है, लेकिन बच्चों और परिवार के लिए पाई-पाई बचा कर रखती है, क्योंकि उसका खुद का कोई इनकम का सोर्स नहीं होता। पति जो उसकी हथेली पर रख देता है, उसी से वह घर चलाती है। अब पति कहता है कि वह आम आदमी के परिवार से है और उसने गरीबी देखी है। फिर पत्नी के पास अलादीन का चिराग कहां से हाथ लग गया...! यह सवाल खड़ा हो जाता है। पत्नी ने तो पति की अमीरी देखी है। चुनाव आयोग ने कागजों पर दर्ज की गई संपत्ति देखी है। पब्लिक ने सारी सच्चाई देखी है। इसलिए नया लफड़ा खड़ा हो जाता है। पब्लिक में चर्चा शुरू हो जाती है कि जो लोग पति को रिश्वत देना चाहते हैं, वे डायरेक्ट तौर पर पत्नी के खाते में पैसे ट्रांसफर कर देते हैं या महंगे गिफ्ट दे देते हैं। इसलिए पत्नी पति से ज्यादा अमीर हो जाती है। ऐसा हर दल में होता है। हर नेता ऐसा करता है। क्योंकि नेता की पत्नी इलेक्शन नहीं लड़ रही होती, इसलिए वह दो नंबर की संपत्ति पत्नी के खाते में डाल देता है। लेकिन असली समस्या तब खड़ी हो जाती है जब पत्नी भी इलेक्शन में खड़ी हो जाती है। फिर पत्नी को भी अपनी संपत्ति जाहिर करनी पड़ती है। पति और पत्नी दोनों को मिलकर अपनी इनकम दर्शानी होती है। इसमें पत्नी, पति पर भारी पड़ जाती है। कुछ भोले-भाले लोगों को लगता है कि पति बेचारा अपनी पत्नी से मांग-मांग कर अपनी जरूरतें पूरी करता होगा। पति सहानुभूति का पात्र बनने लगता है। पत्नी की अमीरी की चर्चा होने लगती है। लोग यह कहते सुने जाते हैं कि जो पहले से ही ठन ठन गोपाल है, उसके पास जाकर क्या लेना...! क्यों न सीधा नेताजी की पत्नी के पास जाया जाए। पत्नी के पास खजाने की चाबी है।

देश दुनीया से

लोकतंत्र पर हावी हो रहा अलगाववाद

> चुनावों के दौरान लोगों को मुफ्तखोरी के प्रलोभन देना सियासत की फितरत बन चुका है। मगर जागरूक व सतर्क मतदाता शिक्षित व साफ छवि वाले जनप्रतिनिधि को लोकतंत्र का भाग्य विधाता चुनने की कोशिश करते हैं, ताकि लोकतंत्र की संस्थाओं में आम लोगों के हितों की पैरवी हो तथा सत्तापक्ष द्वारा निर्धारित की गई नीतियों पर सकारात्मक बहस हो सके। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से सियासत का मिजाज बदल रहा है। जब जम्हूरियत के निजाम में आवाम कुछ बातों को अपनी जुबान से बयान नहीं कर पाती तो खामोशी से अपने वोट के जरिए सियासी रहनुमां का चुनाव करके अपने जज्बातों का इजहार किया जाता है। मौजूदा लोकसभा चुनावों के दौरान विपक्षी दलों ने महंगाई व बेरोजगारी पर जोरदार ताकीद पेश करके देश के आईन को बचाने का हवाला भी दिया था।

चार जून 2024 को 18वीं लोकसभा के लिए मतदाताओं के जनादेश ने देश-दुनिया के सियासी पंडितों के अनुमान को ध्वस्त करके मुल्क की सियासत को हैरत में डाल दिया था। चुनावी समर में सियासी दुर्ग फतह करने के लिए कई तरह के लोकलुभावन वादों की बिसात बिछाई जाती है। ज्यादातर सियासी जमातों की सियासत जाति-मजहब, क्षेत्रवाद व वंशवाद की सदारत करती है। चुनावों के दौरान लोगों को मुफ्तखोरी के प्रलोभन देना सियासत की फितरत बन चुका है। मगर जागरूक व सतर्क मतदाता शिक्षित व साफ छवि वाले जनप्रतिनिधि को लोकतंत्र का भाग्य विधाता चुनने की कोशिश करते हैं, ताकि लोकतंत्र की संस्थाओं में आम लोगों के हितों की पैरवी हो तथा सत्तापक्ष द्वारा निर्धारित की गई नीतियों पर सकारात्मक बहस हो सके। लेकिन पिछले कुछ वर्षों से सियासत का मिजाज बदल रहा है। जब जम्हूरियत के निजाम में आवाम कुछ बातों को अपनी जुबान से बयान नहीं कर पाती तो खामोशी से अपने वोट के जरिए सियासी रहनुमां का चुनाव करके अपने जज्बातों का इजहार किया जाता है। मौजूदा लोकसभा चुनावों के दौरान विपक्षी दलों ने महंगाई व बेरोजगारी पर जोरदार ताकीद पेश करके देश के आईन को बचाने का हवाला भी दिया था। मगर कुछ सीटों पर लोगों का जनादेश हैरतअंगेज करने वाला रहा है। मतदाताओं ने ऐसे जनप्रतिनिधियों को देश की संसद में भेजने का फरमान जारी कर दिया है जो अलगाववाद की खुलेआम हिमायत करते हैं तथा 'राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम' के तहत जेलों में बंद हैं। भारत में रहकर अपने ही मुल्क को खंडित करने वाली मनोग्रंथी से पीड़ित होकर 'टेरर फंडिग' व आतंकी गतिविधियों के मामले में सलाखों के पीछे हैं। विडम्बना है कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन चुके तथा गैंगेस्टर व आम्र्स एक्ट जैसे संगीन मामलों में जेलों में बंद माफियाओं को देश का संविधान चुनाव लडऩे की अनुमति देता है। लेकिन प्रश्न यह है कि क्या चरमपंथ व अलगाववाद की हिमायत करने वाले प्रतिनिधि संविधान के प्रति आस्था व विश्वास रखते हैं, संवैधानिक सिद्धांतों को तसलीम करते हैं। यदि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन चुके प्रत्याशी जेलों में बैठ कर चुनाव जीत जाएं तथा मर्डर व आम्र्स एक्ट जैसी संगीन वारदातों में मुल्लविस सियासी रहनुमाओं को मतदाता अपना प्रतिनिधि चुनकर संसद में भेजेंगे तो जम्हूरी निजाम के साथ मुल्क के आईन पर भी सवाल उठेंगे। लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति इस कारकर्दगी को मतदाताओं की नाराजगी समझें या मतदान के प्रति जागरूकता का अभाव। लेकिन मतदाताओं ने कट्टरवाद के हिमायती कुछ सियासी रहनुमाओं को प्रतिनिधि चुन कर मुल्क की सियासत को जो पैगाम दिया है, उस नजरिए को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। देश में ऐसे कई सियासी रहनुमां हैं जिनके नाम के साथ माफिया, डॉन व बाहुबली जैसे लफ्ज जुड़े हैं। सलाखों के पीछे बैठकर चुनाव लडक़र अपने सियासी रुतबे की नुमाईश करना भी देश में एक फैशन बन चुका है। सियासत की यह कारगुजारी सोचने पर मजबूर करती है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की बहाली के लिए राजा-महाराजाओं ने अपनी रियासतों का हिंदोस्तान में इलहाक करके जिस प्रजातंत्र की कल्पना की थी, क्या वो लोकतंत्र कायम हुआ। यदि अलगाववाद व कट्टरपंथ की पैरवी करने वाली जहनियत भी जम्हूरियत की सबसे बड़ी पंचायत में

तशरीफ ले जाएगी तो ऐसी विचारधाराओं का संगम राष्ट्र के लिए गंभीर खतरा बनेगा। कई जनप्रतिनिधि फरमाते हैं कि सियासत समाज के कल्याण व आवाम की खिदमत का माध्यम है, लेकिन सियासतदानों की कार्यशैली दर्शाती है कि सियासत का मकसद केवल सत्ता की दहलीज पर पहुंचने के लिए ही रह गया है। जम्हूरियत की बुलंदी पर पहुंचने की लालसा हर जनप्रतिनिधि के जहन में कायम है। ज्यादातर सियासी रहनुमाओं पर सियासी रसूख की हनक, अक्सरियत का खुमार व इक्तदार का गुमान हावी रहता है। धनबल, बाहुबल, मौकापरस्ती व अलगाववाद जैसी विचारधाराओं के मिलन से सियासत विवशता का खेल बन चुकी है। चुनाव विश्लेषण करने वाली संस्था 'एसोसिएशन ऑफ डैमोक्रेटिक रिफार्म' (एडीआर) के अनुसार नब्बे प्रतिशत से अधिक सांसद करोड़पति की फेहरिस्त में शामिल हैं। जाहिर है हजारों करोड़ रुपए की संपत्ति के वारिस प्रतिनिधि गुरबत से जूझ रही आवाम की मजबूरी नहीं समझ सकते। बेरोजगारी की गर्दिश में फंसे युवा वर्ग के हिज्र का दर्द महसूस नहीं कर सकते। भ्रष्टाचार से लेकर बेहद संगीन जुर्म तक ऐसा कोई अपराध नहीं जिसके तार सियासत से न जुड़े हों।

आप का नजरीया

सैलानी नहीं शैतानी

पर्यटकों की संख्या गिनते-गिनते आज हम ऐसी जगह पहुंच गए हैं, जहां जेब में पिस्तौल, वाहन में लाठी-रॉड और दिमाग में सोशल मीडिया का फितूर लिए लोगों से रू-ब-रू हो रहे हैं। पर्यटक सीजन अपने आप में एक अवांछित घटनाक्रम बन रहा है, तो इस दौर के अनुभव से सीखना होगा। क्या हम ऐसे पर्यटन के लिए तैयार हैं जिसे मणिकर्ण ने देखा। क्या बस चालक व पर्यटक वाहन के मालिक के बीच ट्रैफिक जाम की उद्घोषणा में बंदूक का रुतबा स्वीकार कर लिया जाए या इस मनहूस घड़ी का पदार्पण रोका जाए। हम यह कतई नहीं कहेंगे कि हिमाचल की बस का चालक, यातायात व्यवस्था में निहायत दुरुस्त व सौम्य रहा होगा, लेकिन सडक़ पर दंगा-फसाद करने की इजाजत तो पर्यटक को भी नहीं दी जा सकती। इस स्थिति तक पहुंचे पर्यटन सीजन को समझना होगा और इन चुनौतियों से वाकिफ हुए बिना कोई सुधार नहीं होगा। अभी तक ट्रैफिक जाम तक बात सिमट जाती थी, लेकिन अब सीधी भिडं़त होने लगी है और ये किस्से पर्यटक वाहनों की डिक्की में रखे गुस्से के हथियारों से प्रेरित हैं। माहौल की ऐसी ही तल्खी डलहौजी में एक एनआरआई की पिटाई, फिर मंडी के टैक्सी ड्राइवर से पंजाब में हुई मारपीट और अब मणिकर्ण तथा भागसूनाग की फिजाओं में जहर घुल गया। ये घटनाएं इक्का-दुक्का से कहीं अधिक सोशल मीडिया में गुत्थम-गुत्था तथा वैमनस्य पैदा कर रही हैं। जब ऐसी ही एक वारदात में धर्मशाला के भागसूनाग के लड़ाई-झगड़े में एक सैलानी मारा गया था, तब भी हिदायतें साफ थीं और अब भी मणिकर्ण पुकार रहा है। सैलानियों का एक वर्ग असल में सैलानी नहीं शैतानी है। यही शैतानी मानव व्यवहार के खतरे में झगड़े और फिसाद का दोषारोपण हिमाचल पर कर रहा है। यही शैतानी सडक़, नदी-नालों से पर्यटक स्थलों तक अवांछित गतिविधियों के अखाड़े में परिवर्तित होती है, तो पर्यटन का परिदृश्य शर्मसार होता है। यहां सवाल पर्यटन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का है। अगर पर्यटन के मायने दारू और मौज मस्ती (?) के आलिंगन में घूमने का नशा है या सोशल मीडिया की फिरौती में अपशब्दों का दलदल पैदा कर रहा है, तो सचेत होना पड़ेगा या बंदोबस्त की मर्यादा में प्रदेश की व्यवस्था को पर्यटन बताना पड़ेगा। आश्चर्य यह कि वर्तमान सरकार महज सैलानियों की तादाद में पर्यटन की उपलब्धियां देख रही है। यह दिशा राज्य की शांति, स्वभाव, संस्कृति और सुख-चैन के विरुद्ध खड़ा किया गया आईइयि है। अगर मौजूदा पर्यटक संख्या में ही शिमला वासियों से उनके हिस्से का पीने का पानी छीन ले, तो आगे चलकर अश्विन खड्ड में सिर्फ आंसू बहेंगे। अगर शिमला में राजधानी का चक्कर आम हिमाचली के लिए यातायात व्यवस्था का चक्रव्यूह बन जाए, तो तौबा करते नागरिकों को इस बिगड़े पर्यटन से क्या लेना-देना। हम अटल टनल में हाथ पांव मार रहे हैं, हर जगह के ट्रैफिक जाम में सिर खपा रहे हैं या नए डेस्टिनेशन बीड़-बिलिंग में ही सांस फुला रहे हैं, तो सैलानियों की बढ़ती शुमारी में इक दर्द, इक तौहीन और इक अवांछित मंजर लिए हम अपना ही नुकसान कर रहे हैं।

ब्रिटिश पीएम सुनक का भारत से खास नाता, हिंदू धर्म में रखते है आस्था

लंदन ।
साल 2022 में सुनक पहले भारतीय मूल के प्रधानमंत्री बने। हालांकि, इन चुनावों में अब उनके सामने कड़ी चुनौती बनी हुई है। ब्रिटेन में चार जुलाई को आम चुनाव के लिए मतदान होगा। सभी राजनीतिक पार्टियां चुनाव प्रचार में जुटी हैं। प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी को कीर स्टर्मर की लेबर पार्टी से एक बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। इन चुनावों के बीच पिछले चुनाव की याद आ जाती है, जब यूनाइटेड किंगडम में एक अलग ही इतिहास रचा गया था। साल 2022 में 25 अक्तूबर को सुनक पहले भारतीय मूल के प्रधानमंत्री बने। वह पहले ऐसे भारतवंशी हैं, जो ब्रिटेन में इतने बड़े पद पर पहुंचे हैं। इससे भारत और ब्रिटेन के रिश्ते में और अधिक सुधार हुआ। हालांकि, इन चुनावों में अब पीएम सुनक के सामने कड़ी चुनौती बनी हुई है। आइए चुनावों से पहले ऋषि सुनक का भारत के साथ क्या संबंध हैं, उस पर एक नजर डालते हैं- ऋषि सुनक का जन्म 12 मई 1980 को ब्रिटेन के साउथम्पैटन में हुआ था। उनके पिता यशवीर सुनक डॉक्टर और मां उषा सुनक एक क्लीनिक चलाती थीं। उनके माता-पिता 1960 के दशक के दौरान पूर्वी अफ्रीका से ब्रिटेन चले गए थे। ऋषि के दादा-दादी का जन्म पंजाब प्रांत (ब्रिटिश इंडिया) में हुआ था। इस लिहाज से ऋषि की जड़ें भारत से जुड़ी हुई हैं। ऋषि तीन बहन-भाई में सबसे बड़े हैं। ऋषि के पिता केन्या और मां तंजानिया से हैं। ऋषि ने राजनीतिक विज्ञान की पढ़ाई ब्रिटेन के विंचेस्टर कॉलेज से की है। इसके बाद वह आगे की पढ़ाई के लिए ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी चले गए थे। ऋषि ने फिलोसॉफी, इकॉनोमिक्स और एमबीए की पढ़ाई की है। सुनक ने इंफोसिस प्रमुख नारायण मूर्ति और राज्यसभा सांसद सुधा मूर्ति की बेटी अक्षता मूर्ति से शादी की। इन दोनों की मुलाकात स्टैनफोर्ड में एमबीए कोर्स के दौरान हुई थी। ऋषि और अक्षता की दो बेटियां कृष्णा और अनुष्का हैं। साल 2015 में वह पहली बार यूके की संसद में पहुंचे थे। उन्होंने रिचमंड (यॉर्क) से संसद सदस्य के रूप में काम किया। उन्हें यूके के सबसे अमीर सांसदों में से एक माना जाता है। वह ब्रेग्जिट का समर्थन करते थे, इस वजह से राजनीति में वह तेजी से आगे बढ़ने लगे। वह साल 2019 में बोरिस सरकार में ब्रिटेन के वित्त मंत्री भी रह चुके हैं।

ऋषि सुनक हिंदू धर्म को मानते हैं और कृष्ण भक्त हैं। सांसद बनने के दौरान उन्होंने ब्रिटिश संसद यानी ऑफ कामंस में भगवत गीता से ही शपथ ली थी। एक हिंदू होने के नाते, वह अक्सर अपनी विरासत के बारे में मुखर रहे हैं। वह अक्सर यह बताते नजर आते हैं कि कैसे उनके परिवार ने उन्हें अपने मूल्यों और संस्कृति के बारे में सिखाया है।

न्यूज ब्रीफ

फलस्तीनी इलाके में घुसा इजराइली नागरिक, गुस्साए लोगों ने कार में लगा दी आग, सामने आया खौफनाक वीडियो

तेल अवीव । घटना का वीडियो भी सामने आया है। सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो में फलस्तीनियों की भीड़ को इजरायली वाहन का पीछा करते हुए और उस पर पत्थर फेंकते हुए देखा जा सकता है। इजराइल और हमास युद्ध के बाद से इजराइली और फलस्तीनियों के बीच एक दूसरे के प्रति नाराजगी किस कदर बढ़ गई है, इसकी बानगी हाल ही में देखने को मिली। दरअसल एक इजराइली नागरिक गलती से वेस्ट बैंक में यरुशलम और रामल्लाह के बीच स्थित फलस्तीनी शहर कलंदिया में घुस गया, उसे स्थानीय लोगों के गुस्से का सामना करना पड़ा और लोगों ने इजराइली नागरिक की कार में आग लगा दी। घटना का वीडियो भी सामने आया है। सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो में फलस्तीनियों की भीड़ को इजरायली वाहन का पीछा करते हुए और उस पर पत्थर फेंकते हुए देखा जा सकता है। इजराइली मीडिया की रिपोर्ट में बताया गया कि कार के चालक ने भागने का प्रयास किया, लेकिन अंततः उसने कार से अपना नियंत्रण खो दिया और एक सैन्य चौकी के पास कंक्रीट के डिवाइडर से टकरा गया। कथित तौर पर उस व्यक्ति को चोटें आईं। कार चालक को बचा लिया गया है और फिलहाल उसका यरुशलम के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। वेस्ट बैंक में बढ़ रहीं हिंसक घटनाएं इजराइल-हमास युद्ध के बाद से फलस्तीन में इजराइल के खिलाफ गुस्सा बढ़ा है। फलस्तीनी अधिकारियों की रिपोर्ट के अनुसार, इजराइल हमास युद्ध शुरू होने के बाद से वेस्ट बैंक में इजराइली सेना और इजराइली नागरिकों के हमले में 553 फलस्तीनियों की मौत हुई है। वहीं फलस्तीनियों के हमले में 15 इजराइली नागरिकों समेत सैनिक भी मारे गए हैं। वेस्ट बैंक पर 1967 से इजराइल का कब्जा है। पिछले हफ्ते ही वेस्ट बैंक के जेनिन इलाके में एक हमले में एक इजराइली सैनिक की मौत की मौत हो गई और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। इजराइली सेना भी अक्सर जेनिन इलाके में छापेमारी करती रहती है।

सर्बिया में इजराइली दूतावास पर हमला, ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मी को बनाया निशाना; हमलावर ढेर

बेलग्रेड । इजराइली दूतावास के सामने क्रॉसबो से पुलिस अधिकारी की गर्दन पर हमलावर ने गोली चलाई। जिसे सर्बिया पुलिस ने गोली मार दी, इससे उसकी मौत हो गई। सर्बिया के एक पुलिस अधिकारी ने एक व्यक्ति को मार गिराया। व्यक्ति ने बेलग्रेड में इजरायली दूतावास के सामने क्रॉसबो से उसकी गर्दन पर गोली चलाई थी। वहीं सर्बिया की प्रधानमंत्री ने इसे आतंकवादी हरकत बताया है। सर्बिया की राजधानी में सुबह लगभग 11 बजे एक हमलावार ने इजरायली दूतावास के बाहर ड्यूटी पर तैनात अधिकारी को गोली मार दी। इसके बाद पुलिसकर्मी ने भी हमलावर पर गोली चलाई। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। आंतरिक मंत्री इंविका डेसिक ने कहा कि पुलिसकर्मी ने आत्मरक्षा में गोली चलाई थी। 34 वर्षीय अधिकारी हमले के समय अपने गार्ड बूथ में थे। उनकी अस्पताल में सर्जरी हुई। पुलिस पर हमला करने वाला व्यक्ति बेलग्रेड से लगभग 50 किलोमीटर दूर स्थित म्लादेनोवैक शहर का है। उसने इस्लाम धर्म में खुद को परिवर्तित किया है। अधिकारियों के अनुसार हमलावर नोवी पज़ार में रहने के लिए चला गया था, जो सर्बिया में बोस्नियाक मुस्लिम अल्पसंख्यक का ऐतिहासिक और राजनीतिक केंद्र है। यह देश में इस्लाम का केंद्र है।

सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने में दुनिया पीछे छूटी, यूएन ने कहा - केवल 17 फीसदी ही काम पूरे होंगे

न्यूयॉर्क । संयुक्त राष्ट्र संघ ने कहा सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने की दौड़ में दुनिया पीछे छूट गई है। 2030 तक 169 लक्ष्यों में से केवल 17 फीसदी ही पूरे होने की संभावना हैं। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने कहा कि दुनिया के सात अरब से ज्यादा लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए तय किए गए सतत विकास लक्ष्यों की दौड़ में दुनिया काफी पीछे छूट चुकी है। 169 लक्ष्यों में से अब 2030 तक दुनिया केवल 17 फीसदी लक्ष्य ही हासिल कर पाएगी। यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने वार्षिक रिपोर्ट जारी करते हुए कहा कि करीब आधे लक्ष्यों को लेकर ही कुछ प्रगति दिखाई देती है और केवल 17 प्रतिशत लक्ष्य ही तय समय सीमा में हासिल होने की संभावना है। रिपोर्ट में कोरोना महामारी के प्रभावों का हवाला देते हुए कहा गया है कि 2019 की तुलना में 2022 में 2.3 करोड़ लोग गरीबी और 10 करोड़ से अधिक लोग भुखमरी की चपेट में आए।

इजराइल-हिजबुल्लाह के बीच हमले बढ़े, अमेरिका ने दी चेतावनी ; युद्धविराम पर हमास का बड़ा दावा

वॉशिंगटन ।
दुनिया पहले ही दो युद्धों से जूझ रही है, अब एक और संघर्ष की आहट ने चिंता बढ़ा दी है। दरअसल इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है। दोनों तरफ से हमले बढ़े हैं और ऐसी आशंका है कि दोनों पक्ष पूर्ण युद्ध का एलान कर सकते हैं। अगर ऐसा होता है तो मध्य पूर्व में संघर्ष बढ़ने का खतरा पैदा हो जाएगा। इसे लेकर पूरी दुनिया में चिंता है। हालात को देखते हुए अमेरिका ने भी इजराइल के समर्थन में अपना युद्धपोत भूमध्य सागर भेज दिया है।

हिजबुल्लाह और इजराइल के बीच हमले बढ़े

गौरतलब है कि ईरान समर्थित हिजबुल्लाह, इजराइल और हमास के बीच युद्ध शुरू होने के बाद से ही इजराइल पर लगातार हमले कर रहा है। इजराइल ने भी इन हमलों का जवाब दिया है। हालांकि बीते कुछ दिनों से दोनों तरफ से हमले बढ़े हैं। दरअसल इजराइल के हमले में हिजबुल्लाह के एक शीर्ष कमांडर की मौत के बाद हिजबुल्लाह ने भी जवाबी कार्रवाई में इजराइल पर बड़ी संख्या में रॉकेट और मिसाइलें दागीं। इजराइल ने संकेत दिए हैं कि हमास के खिलाफ अभियान समाप्त होने के बाद वह लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ कार्रवाई करेगा।

इजराइल हमास शांति वार्ता अटकी

इजराइल और हमास के बीच शांति वार्ता भी अटकी हुई है। शांति वार्ता से उम्मीद थी कि इससे इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच भी शांति हो सकती है, लेकिन वार्ता के अटकने से तनाव लगातार बढ़ रहा है। हमास बंधकों को छोड़ने के एवज में स्थायी युद्धविराम की मांग कर रहा है, जबकि इजराइल ने स्थायी युद्धविराम से इनकार कर दिया है। अमेरिका और यूरोपीय देश हिजबुल्लाह को चेतावनी दे रहे हैं कि अगर उसने इजराइल के खिलाफ युद्ध छेड़ा तो उसे गंभीर नतीजे भुगतने होंगे। हिजबुल्लाह को हमास की तुलना में ज्यादा मजबूत माना जाता है, लेकिन अमेरिका ने हिजबुल्लाह को चेताया है कि उसे अतिआत्मविश्वास का शिकार नहीं होना चाहिए और इजराइल पर हमले से बचना चाहिए। एक अमेरिकी राजनयिक ने कहा है कि हिजबुल्लाह को ये संदेश भेज दिया गया है।

बढ़ते तनाव पर संयुक्त राष्ट्र ने जताई चिंता

इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच बढ़ते संघर्ष से संयुक्त राष्ट्र भी चिंतित है और संयुक्त राष्ट्र में मानवीय मदद के प्रमुख मार्टिन ग्रिफिथ ने कहा कि अगर इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच युद्ध होता है तो वह सर्वविनाशकारी साबित हो सकता है। यह युद्ध लेबनान के लिए त्रासदी साबित होगी। अमेरिका के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने हाल ही में इजराइल के रक्षा मंत्री योव गैलेंट से पेंटागन में मुलाकात की।

इस मुलाकात में ऑस्टिन ने कहा कि इजराइल हिजबुल्लाह के बीच की लड़ाई आसानी से पूरे मध्य पूर्व क्षेत्र में फैल सकती है। कई जानकारों का मानना है कि अगर हिजबुल्लाह, इजराइल पर हमला करता है कि क्षेत्र के अन्य विद्रोही संगठन भी उसके साथ आ सकते हैं। यूरोप को डर है कि अगर ऐसा हुआ तो इससे शरणार्थी समस्या बढ़ेगी और बड़ी संख्या में लोग शरण के लिए यूरोपीय देशों का रुख कर सकते हैं। ऐसे में यूरोपीय देश और अमेरिका हालात को सामान्य करने की कोशिश कर रहे हैं।

इजराइली विदेश मंत्री ने ईरान को दी धमकी

इजराइल के विदेश मंत्री इजरायल कैट्ज ने कहा कि ईरान के विनाशकारी युद्ध के संदेश ने उसे विनाश के मुहाने पर खड़ा कर दिया है। कैट्ज ने एक्स पर साझा एक पोस्ट में कहा, जो शासन विनाश की धमकी देता है, उसे नष्ट कर दिया जाना चाहिए।

उन्होंने यह भी कहा कि अगर ईरान समर्थित हिजबुल्लाह लेबनान से इजराइल पर गोलीबारी बंद नहीं करता है, तो इजराइल उसके खिलाफ पूरी ताकत से कार्रवाई करेगा। बता दें कि ईरान के संयुक्त राष्ट्र मिशन ने कहा कि अगर इजरायल लेबनान में पूरी तरह से सैन्य आक्रमण करता है, तो विनाशकारी युद्ध शुरू हो जाएगा।

दक्षिणपंथियों की बढ़ती ताकत के बीच फ्रांस में चुनाव, सत्ता में बदलाव के संकेत; मैक्रों की साख दांव पर

पेरिस ।
फ्रांस में संसदीय चुनाव के पहले चरण के लिए मतदान शुरू हो गया है। इस चुनाव को बहुमत की आस लगाए बैठे राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों के लिए एक परीक्षा के तौर पर देखा जा रहा है। मैक्रों के गठबंधन को वामपंथी गठबंधन से मजबूत चुनौती मिल रही है। उम्मीद जताई जा रही है कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद देश में पहली दक्षिणपंथी सरकार बन सकती है, जो यूरोपीय संघ में एक बड़ा बदलाव हो सकता है। छह जून को हुआ था यूरोपीय संसद के लिए चुनाव इस महीने की शुरुआत में छह जून को यूरोपीय संसद के लिए चुनाव हुए थे। इस दौरान फ्रांस में सबसे चौंकाने वाली राजनीतिक परिस्थितियां थीं। यहां फ्रांस की धुर दक्षिणपंथी नेता मरीन ला पेन की नेशनल रैली ने मैक्रों की पार्टी को जबरदस्त झटका दिया था। इसके बाद ही राष्ट्रपति ने अंतिम नतीजे आने से पहले ही अचानक राष्ट्रीय चुनावों की घोषणा कर सबको हैरान कर दिया था। उन्होंने कहा था, मैंने फैसला किया है कि आप वोट के जरिए अपना संसदीय भविष्य चुने। इसलिए मैं नेशनल असेंबली भंग कर रहा हूं। धुर दक्षिणपंथी पार्टियां हर तरफ आगे बढ़ रही हैं। यह ऐसे हालात हैं, जिन्हे मैं स्वीकार नहीं कर सकता। सात जुलाई को चुनाव मरीन ले पेन की नेशनल रैली लंबे समय से राजनीतिक गलियारों से बाहर थी, लेकिन अब वह पहले से कहीं ज्यादा सत्ता के करीब है। ऐसे में 30 जून और सात जुलाई को फ्रांस में राष्ट्रीय चुनाव हो रहे हैं। मध्य जुलाई तक यह साफ हो जाएगा कि राजनीतिक समीकरणों में मैक्रों की स्थिति क्या रहती है और क्या उन्हें एक धुर दक्षिणपंथी प्रधानमंत्री के साथ मिलकर सत्ता चलाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। हालांकि, केवल दो साल पहले राष्ट्रपति पद की दूसरी पारी संभालने वाले मैक्रों के अपने पद के लिए इन चुनावों से कोई अंतर पैदा नहीं होगा क्योंकि राष्ट्रपति चुनावों में अभी वक्त है और वह अपना तीन साल का बचा हुआ कार्यकाल पूरा करेंगे। 577 सीटों के लिए मतदान फ्रांस में भारतीय समयानुसार मतदान होगा। एग्जिट पोल देर रात सामने आ सकता है। वहीं, एक हफ्ते बाद दूसरे चरण के लिए वोटिंग होगी। हालांकि, 577 सीटों वाली नेशनल असेंबली में सीटों के सटीक बंटवारे का अनुमान लगाना कठिन हो सकता है।

हिंदू मतदाताओं को लुभाने में जुटी लेबर पार्टी भारत-विरोधी भावनाएं खत्म करने की खाई कसम

लंदन ।
लेबर पार्टी ने एलान किया है कि अगर वे सत्ता में आए तो वे देश से भारत-विरोधी भावना को खत्म करने की कोशिश करेंगे। साथ ही उन्होंने भारत के साथ मजबूत आर्थिक और रणनीतिक संबंध बनाने की भी पैरवी की।

ब्रिटेन में 4 जुलाई को आम चुनाव के लिए मतदान होगा। सभी राजनीतिक पार्टियां चुनाव प्रचार में जुटी हैं। ब्रिटेन में भारतीय मूल के और हिंदू मतदाताओं की अच्छी खासी संख्या को देखते हुए लेबर पार्टी इस वर्ग को लुभाने में जुटी है। यही वजह है कि लेबर पार्टी ने एलान किया है कि अगर वे सत्ता में आए तो वे देश से भारत-विरोधी भावना को खत्म करने की कोशिश करेंगे। साथ ही उन्होंने भारत के साथ मजबूत आर्थिक और रणनीतिक संबंध बनाने की भी पैरवी की। 2019 के चुनाव में कश्मीर मुद्दे से लेबर पार्टी को हुआ था नुकसान लेबर पार्टी ने पूर्व में जेरेमी कोर्बिन के नेतृत्व में एक प्रस्ताव पास किया था, जिसमें कश्मीर मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप का समर्थन किया गया था। पार्टी को लगता है कि इससे भारतीय मूल के मतदाता लेबर पार्टी से दूर हो गए और 2019 के आम चुनाव में पार्टी को इसका नुकसान उठाना पड़ा। लेबर पार्टी के कुछ सांसदों द्वारा खालिस्तान समर्थक विचारों का समर्थन करने का भी पार्टी को भारी पड़ा। लेबर पार्टी की नेता एनीलीस डोड्स ने कहा कि उनकी पार्टी किसी भी वर्ग के वोटों को हल्के में नहीं ले रही है और हर वोट पाने के लिए मेहनत कर रही है। उन्होंने कहा कि अगर देश में भारत विरोधी आंदोलन का कोई सबूत मिला तो यकीनन वे इसके खिलाफ कार्रवाई करेंगे। कंजर्वेटिव पार्टी भी भारतीय मूल के लोगों को लुभाने में जुटी लेबर पार्टी के नेता कीर स्टर्मर ने हाल ही में ब्रिटेन में एक हिंदू मंदिर का भी दौरा किया और भारतीय मूल के लोगों की चिंताओं को दूर करने का वादा भी किया।

पहली राष्ट्रपति बहस में ट्रंप से बाइडन की हार पर डेमोक्रेट बेचैन, भारतवंशी कमला हैरिस को मिल सकता है मौका

वॉशिंगटन।
अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की पहली प्रेसिडेंशियल बहस में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन को बुरी तरह से हरा दिया। बहस के दौरान बाइडन के निराशाजनक प्रदर्शन से डेमोक्रेट का खेमा बेचैन है। अमेरिका के ज्यादातर मीडिया हाउस के राजनीतिक विश्लेषक और डेमोक्रेटिक पार्टी के समर्थकों का कहना है कि अगर नवंबर में होने वाले चुनाव तक दौड़ में ट्रंप के सामने टिके रहना है, तो बाइडन को अपना सम्मान बचाने के लिए खुद ही पीछे हट जाना चाहिए और भारतवंशी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को डेमोक्रेटिक पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया जाना चाहिए। एडिटोरियल बोर्ड लिखता है कि देश की सच्ची सेवा की खातिर बाइडन को अब इस दौड़ से बाहर हो जाना चाहिए, इसी में बाइडन व देश दोनों की भलाई है। कल यह साबित हो गया कि ट्रंप उन्हें आने वाली बहसों में बुरी तरह रौंद कर रख देंगे। कमला से बेहतर विकल्प नहीं डेमोक्रेटिक पार्टी चुनाव के पांच पहीने पहले इस स्थिति में नहीं है कि कोई बड़े प्रयोग

करे, लेकिन, ट्रंप से मुकाबले के लिए यह भी जरूरी है कि बाइडन की जगह कोई दूसरा उम्मीदवार लाया जाए। इस स्थिति में पार्टी के पास कमला हैरिस से बेहतर दूसरा विकल्प नहीं हो सकता है, क्योंकि हैरिस बाइडन की रनिंगमेट हैं। अगर बाइडन अपना नाम वापस लेते हैं, तो इस बात की पुख्ता संभावना है कि वे कमला को ही नामित करेंगे। कमला के बाद गैविन पर हो सकता है विचार अगर डेमोक्रेटिक पार्टी कमला हैरिस को राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार नहीं बनाती है, तो इस दौड़ में दूसरा नाम गैविन न्यूसम हैं। 56 साल गैविन फिलहाल कैलिफोर्निया के गवर्नर हैं। उनके अलावा इलिनॉय के गवर्नर जेबी प्रित्जकर भी दावेदारी कर सकते हैं, जिन्होंने अपने राज्य में गर्भपात का हक देने वाला कानून लाकर खासी लोकप्रियता हासिल की है। हालांकि, इन सबके बजाय हैरिस की उम्मीदवारी ज्यादा पुख्ता है, क्योंकि अगर बाइडन उन्हें नामित करते हैं, तो बाइडन समर्थक सभी डेलिगेट्स हैरिस का समर्थन करेंगे। हैरिस की उम्मीदवारी के पक्ष में हैं ज्यादातर डेमोक्रेट ज्यादातर डेमोक्रेट बाइडेन की रनिंगमेट हैं, यानी उपराष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस को राष्ट्रपति पद के लिए आगे बढ़ाने के पक्ष में नजर आ रहे हैं। विश्लेषकों का कहना है कि डेमोक्रेटिक पार्टी ने आधिकारिक तौर पर बाइडन को अपना उम्मीदवार घोषित नहीं किया है, ऐसे में तकनीकी तौर पर उम्मीदवार बदलने में कोई दिक्कत नहीं हैं। हालांकि, इसके लिए पार्टी को अपने संविधान में बदलाव करना होगा, क्योंकि इसके मुताबिक डेमोक्रेटिक पार्टी उसी व्यक्ति को राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के लिए नामित कर सकती है, जिसने पार्टी के प्राइमरी और डेलीगेट्स चुनाव जीते हों। उम्मीदवारी के लिए 3,937 में से 1,968 मत जरूरी प्रक्रिया के तहत डेमोक्रेटिक पार्टी के 3,937 डेलिगेट्स में जिस भी उम्मीदवार को 1,968 या इससे ज्यादा मत मिलते हैं ।

अफगान महिलाओं का अधिकार हमारा आंतरिक मुद्दा संयुक्त राष्ट्र की चिंता पर भड़की तालिबान सरकार

काबुल ।
प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले जबीहुल्ला मुजाहिद ने कहा कि तालिबान प्रशासन महिलाओं के मुद्दों को स्वीकार करते हैं। मगर यह मुद्दे अफगानिस्तान के हैं। संयुक्त राष्ट्र की बैठक से पहले ही तालिबान प्रशासन भड़क गया है। दरअसल, महिलाओं के विरुद्ध भेदभाव के उन्मूलन पर संयुक्त राष्ट्र समिति (सीईडीएडब्ल्यू) ने हाल ही में अफगानिस्तान के भविष्य पर आयोजित हो रही बैठक में महिलाओं व लड़कियों को शामिल ना किए जाने पर गहरी चिंता जताई थी। अब इस पर तालिबान प्रशासन की प्रतिक्रिया आई है। उसका कहना है कि अफगानिस्तान की महिलाओं के अधिकारों की मांग एक आंतरिक मुद्दा है। कतर में होगी बातचीत बता दें, अगस्त 2021 में अफगानिस्तान की सत्ता पर तालिबान की वापसी के बाद देश में महिलाओं व लड़कियों के मानवाधिकारों

पर गहरा संकट उपजा है। इसे संयुक्त राष्ट्र ने जेंडर रंगभेद के रूप में दर्शाया है। वहीं, कतर में शुरू होने वाली तीसरे दौर की बातचीत में तालिबान सरकार अपना पहला प्रतिनिधिमंडल भेजेगा। इन मुद्दों की निंदा आधिकारिक वार्ता के बाद, महिला अधिकार समूहों सहित नागरिक समाज के प्रतिनिधि अंतरराष्ट्रीय राजनयिकों और संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों के साथ बैठकों में भाग लेंगे। अधिकार समूहों ने मुख्य बैठकों से अफगान महिलाओं के नहीं होने और एजेंडे में मानवाधिकारों के मुद्दों की कमी की निंदा की है। तालिबान प्रशासन ने कही ये बात वहीं, सरकार के प्रवक्ता और प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले जबीहुल्ला मुजाहिद ने काबुल में पत्रकारों से कहा कि तालिबान प्रशासन महिलाओं के मुद्दों को स्वीकार करते हैं। मगर यह मुद्दे अफगानिस्तान के हैं। हम अफगानिस्तान के भीतर महिलाओं से जुड़े मामले का समाधान करने के लिए एक सही रास्ता ढूंढ रहे हैं, ताकि हमारे देश को फिर से संघर्ष और हिंसा न देखना पड़े। उन्होंने कहा कि तालिबान सरकार बैठकों में पूरे अफगानिस्तान का प्रतिनिधित्व करेगी। उन्होंने आगे कहा, अगर अफगान कई चैनलों के माध्यम से भाग लेते हैं, तो इसका मतलब है कि हम अभी भी बिखरे हुए हैं, हमारा राष्ट्र अभी भी एकजुट नहीं है। बैठक में शामिल होने के लिए इस शर्त पर माने गौरतलब है, तालिबान अधिकारियों को पिछले साल दोहा में पहली वार्ता में आमंत्रित नहीं किया गया था। दूसरे सम्मेलन में भाग लेने से खुद तालिबान ने इनकार कर दिया था।

उ. कोरिया में लोगों को हर माह जमा करना होगा 10 किलो मल, आदेश ना मानने पर देना होगा 5,000 वॉन

प्योंगयांग । उत्तर कोरिया में किम जोंग उन की तानाशाही का एक बेहद ही अजीब मामला सामने आया है। हाल ही में जारी एक आदेश में उत्तर कोरिया के लोगों को कहा गया है कि वे हर महीने कम से कम 10 किलो सूखा मानव मल जमा करेंगे और इसे सरकार को देंगे। इस आदेश को नहीं मानने वालों पर 5,000 वॉन (500 रुपये) का जुर्माना लगाया जाएगा। यह आदेश उस घटना के करीब एक महीने बाद आया है, जब किम जोंग ने सीमा पार दक्षिण कोरिया में मल से भरे गुब्बारे भेजे थे। माना जा रहा है कि तानाशाह का यह नया आदेश ऐसी ही शरारत की घटनाओं को फिर से अंजाम देने के लिए है। कृषि के लिए खाद के तौर पर होगा मल का इस्तेमाल इस बीच उत्तर कोरिया की सरकारी न्यूज एजेंसी के मुताबिक उत्तर कोरिया के लोगों को आदेश दिया गया है कि प्रत्येक घर से 10 किलोग्राम (22 पाउंड) मानव मल एकत्र किया जाएगा, ताकि इसका इस्तेमाल खाद के तौर पर किया जा सके। आदेश के मुताबिक लोगों को यह मल सुखाकर जमा करना होगा। इसके बाद इसे नजदीकी उर्वरक केंद्र पर जमा कराना होगा, जहां से उन्हें उनके योगदान के लिए एक प्रमाणपत्र दिया जाएगा। बाद में घर-घर जाकर प्रमाण पत्र की जांच की जाएगी। उत्तर कोरियाई लोगों के लिए यह नई बात नहीं उत्तर कोरियाई लोग कृषि में खाद के तौर पर मानव मल का पहले से इस्तेमाल करते आए है। लेकिन, आमतौर पर यह काम सर्दियों में किया जाता है, जब फसल रोपण का समय होता है।

हमारा सब कुछ सनातन के लिए : योगी

अलवर (हिंस)। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने कहा कि नेता हमेशा बांटने की कोशिश करते है, जो हमारे देश की अखंडता और एकता के लिए घातक है। बांटने वाली राजनीति को हम त्यागने का काम करेंगे। योगी ने कहा कि अगर हम जातियों में बंटे तो दुश्मन उसका लाभ उठाएंगे हमें एकता का संदेश देना है। अलवर के कोटकासिम क्षेत्र के लाडपुर में आयोजित बाबा सोमनाथ मंदिर के कार्यक्रम में बोलते हुए योगी ने कहा कि पहले भारत के पास सब कुछ था। इसके बावजूद गुलाम हो गया। हमें इसका कारण इसकी तह तक जाकर खोजना होगा। जब कोई बीमारी होती है तो उसका इलाज भी होना चाहिए। वह मनुष्य ज्यादा समय तक स्वस्थ्य रह सकता है जो बीमारी से पहले उसका बचाव कर लें, लेकिन बचाव करने के बाद भी अगर बीमारी आ रही है तो समय से उसका इलाज जरूरी है। पहले सावधानी जरूरी है लेकिन जब कैंसर होता है तो उसकी सर्जरी भी करनी पड़ती है। हमारा जो कुछ भी है वह हमारे देश के लिए और सनातन धर्म के लिए समर्पित होना चाहिए। योगी ने कहा-संतों की इस तपो स्थली पर आने का सौभाग्य मिला है। भारत का सनातन धर्म एक महत्वपूर्ण पंथ है। संपूर्ण विश्व का मानना है कि सनातन धर्म ही भारत की आत्मा है। सनातन धर्म और भारत एक-दूसरे के पूरक है। सनातन धर्म मजबूत होगा तो भारत मजबूत होगा। इस विश्वास के साथ लगातार पूज्य संतों की साधना और उनका स्मरण इसी अभियान का हिस्सा है। योगी ने कहा-इसी अभियान के तहत सारे कार्यक्रम चल रहे हैं। नाथ संप्रदाय इस कार्यक्रम को आगे बढ़ रहा है। खेतानाथ महाराज ने अपना पूरा जीवन लोक कल्याणकारी योजनाओं के लिए समर्पित किया था और उन्हीं के शिष्य पूज्य संत महंत सोमनाथ महाराज का भी पूरा जीवन इसी कल्याण के लिए समर्थन था। आज महंत दीपक नाथ ने अपने गुरुदेव की पूज्य स्मृति को बनाए रखने के लिए विशाल भंडारा किया है। यह सबसे बड़ा चमत्कार है कि यहां रात में मूसलाधार बारिश हुई लेकिन लाडपुर के आस-पास क्षेत्र में बारिश पड़ रही है। संतों की ऐसी कृपा है कि प्रकृति ने भी अपना नियम बदल लिया है। योगी ने कहा कि महाराजा भर्तृहरि को भी अपनी साधना को चरम पर पहुंचना था तो उन्होंने उज्जैन से निकल कर अलवर की अरावली की पर्वतमाला को ही चुना। भर्तृहरि महाराज किसी न किसी रूप में अपने भक्तों को दर्शन देते ही रहते हैं। लगातार यहां के लोगों को उनका सानिध्य मिलता रहता है। खेतानाथ महाराज का यह कर्म क्षेत्र था। महाराज चांदनाथ का भी कर्म क्षेत्र था। उन्होंने लगातार क्षेत्र में नाथ संप्रदाय की परंपरा और मूल्यों के लिए लगातार काम किया है और आज उसी काम को महंत योगी बालक नाथ और दीपक नाथ आगे बढ़ा रहे हैं। कार्यक्रम को लेकर कई दिनों से मंदिर परिसर में साधु संतों का जमावड़ा लगना शुरू हो गया था। वहीं आस-पास के क्षेत्र में भी मंदिर की अच्छी मान्यता है इसलिए यहां पर एक लाख से भी ज्यादा लोग आने की संभावना बताई जा रही है। हवन पूजन के बाद यहां भंडारे का आयोजन किया। योगी करीब 12:30 बजे कार्यक्रम में पहुंचे थे। सबसे पहले मंदिर परिसर में बाबा करतारपुरी महाराज और बाबा अभयनाथ महाराज की मूर्ति का अनावरण किया। इसके बाद मंदिर परिसर में ही बाबा सोमनाथ की प्रतिमा के सामने धोक लगाकर आशीर्वाद लिया।

नवादा में चार बच्चे नदी में डूबे, दो की मौत एक की हालत गंभीर

पटना (हिंस)। बिहार में नवादा जिले के नरहट थाना क्षेत्र अंतर्गत देउरा गांव में रविवार को तिलैया नदी में नहाने गए चार बच्चे डूब गये। घटना में दो बच्चों की मौत हो गयी जबकि एक की हालत गंभीर बतायी जा रही है। मृतक बच्चों में प्रवीण सिंह का 12 साल का बेटा प्रिंस राज और शिवकुमार चौधरी का 10 वर्षीय बेटा सतीश कुमार उर्फ कारू है जबकि ओम कुमार को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। उज्जवल कुमार का इलाज गांव में ही किया गया और वह ठीक है। बताया गया है कि पांच बच्चे तिलैया नदी में नहाने गए थे। चार बच्चे नदी में उतरे। नहाने के दौरान गहराई का पता नहीं चला और सभी गहरे पानी में डूबने लगे। बच्चों को डूबता देख पांचवा बच्चा जोर-जोर से चिलाने लगा, जिसे देख स्थानीय गोताखोरों ने नदी में छलांग लगा दी और कड़ी मशक्त के बाद नदी में डूबे बच्चों को बाहर निकाला। हालांकि, तब तक दो बच्चों की मौत हो चुकी थी।

राजस्थान के चार जिलों में अतिभारी और सात जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

जयपुर (हिंस)। राजस्थान के कई जिलों में मानसून सक्रिय है। प्रदेश में शनिवार को धौलपुर, भरतपुर में छह इंच तक बरसात हुई। इनके अलावा बीकानेर, नागौर, चूरू में भी जमकर बारिश हुई। जयपुर में देर शाम तेज बारिश से सड़कों पर पानी भर गया। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने रविवार को भी जयपुर, अलवर, दौसा और भरतपुर में अतिभारी बारिश होने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। वहीं, सात जिलों में भारी बारिश का यलो अलर्ट है। शेष जिलों (जैसलमेर को छोड़कर) में सामान्य बारिश होगी। मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार धौलपुर के बसेड़ी कस्बे ने 145 मिमी बारिश हुई, जिससे इलाके में जलजमाव की स्थिति बन गई। भरतपुर के उच्चैन, डीग, नगर, कामां, कुम्हेर, और पहाड़ी क्षेत्र में भी अच्छी बारिश हुई। डीग और नगर में 100 मिमी से ज्यादा पानी गिरा। जयपुर में देर शाम को हुई तेज बारिश ने सड़कों को नदी में तब्दील कर दिया। कलेक्ट्रेट, अजमेरी गेट, चारदीवारी, टोंक रोड, गोपालपुरा, मालवीय नगर, प्रताप नगर, सांगानेर, मानसरोवर, और जगतपुरा जैसे इलाकों में पानी भरने से ट्रैफिक जाम की स्थिति रही। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने आज भी जयपुर, अलवर, दौसा, और भरतपुर में अतिभारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बीकानेर में भी तेज बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। मुख्य बाजारों में पानी का बहाव ऐसा था कि दुकानों के बाहर रखा सामान बह गया। चूरू और नागौर में भी अच्छी बारिश हुई, जिससे गर्मी और उमस से लोगों को राहत मिली। नागौर में 45 मिमी, मूंडवा में 29 मिमी, और मकराना में 26 मिमी बारिश हुई। जयपुर शहर और उसके आसपास के ग्रामीण इलाकों में भी कल अच्छी बारिश हुई। जयपुर शहर में कलेक्ट्रेट, अजमेरी गेट, चारदीवारी, टोंक रोड, गोपालपुरा, मालवीय नगर, प्रताप नगर, सांगानेर, मानसरोवर, जगतपुरा के एरिया में तेज बारिश के बाद सड़कों पर पानी भरने से ट्रेफिक जाम की समस्या रही।

जमीन पर कब्जे की शिकायत सुन बिफरे सीएम

लखनऊ (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अपने सरकारी आवास पर *जनता दर्शन* किया। इस दौरान आए सैकड़ों फरियादियों ने अपनी पीड़ा रखी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सभी फरियादियों के पास स्वयं पहुंचे और समस्याएं सुनीं। रविवार को सर्वाधिक शिकायत शाहजहांपुर से पहुंची। इसमें से अधिकांश शिकायतें जमीन कब्जे व पैमाइश में हीलाहवाली से जुड़ी थीं। जिस पर सीएम काफी नाराज हुए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को जनता दर्शन में हर पीड़ित के पास पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुना। यहां शाहजहांपुर जनपद से कई फरियादी आए थे। जिले से जमीन कब्जे और जमीन पैमाइश की काफी शिकायतें थीं। फरियादियों ने लेखपाल-कानूनगो की लापरवाही की शिकायत भी सीएम से की। जिस पर मुख्यमंत्री ने तत्काल जिलाधिकारी को तीन दिन के भीतर कार्रवाई कर अवगत कराने का निर्देश दिया। ऐसे ही मामले आगरा-कानपुर से भी आए। सीएम ने सभी फरियादियों को आश्वस्त किया कि उन्हें कतई परेशान होने की जरूरत नहीं है। जल्द से जल्द कार्रवाई की जाएगी। वहीं धनाभाव के कारण इलाज में आ रही समस्या को लेकर भी एक महिला पहुंची थीं। उन्होंने बताया कि आयुष्मान कार्ड है लेकिन इलाज में इससे अधिक पैसे की आवश्यकता है, जिस पर सीएम ने उन्हें आश्वस्त किया कि धन के अभाव में इलाज कतई नहीं रुकेगा। तत्काल ही सीएम आवास से केजीएमयू वीसी और सीएमएस को इस संदर्भ में सूचित कर उचित कार्रवाई का निर्देश दिया गया। वहीं उन्नाव में तैनात सहायक अध्यापिका भी पहुंचीं, जिन्होंने बताया कि बच्चा काफी अस्वस्थ है और उसका इलाज लखनऊ में चल रहा है। पति भी बाहर रहते हैं। वे लखनऊ स्थानांतरण चाहती हैं। इस पर सीएम ने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिया कि फरियादियों की शिकायत जनपद स्तर पर हर हाल में सुनी जाए।

आपका आभार जताने के लिए मेरे पास शब्द नहीं : शेखावत

जोधपुर (हिंस)। कैबिनेट मंत्री का पदभार संभालने के बाद प्रथम बार अपने गृह जनपद पहुंचे गजेंद्र सिंह शेखावत ने रविवार को लोकसभा में अपनी जीत की हैट्रिक के लिए कार्यकर्ताओं और जनता का आभार जताया। उन्होंने कहा कि मैं हिंदी का विद्यार्थी रहा हूं, लेकिन मेरे पास, मेरी डिक्शनरी में आप लोगों धन्यवाद और आभार ज्ञापित करने के लिए शब्द नहीं हैं। शेखावत ने कहा कि मेरे शब्दों की सीमा समाप्त हो गई है। मैं भावों और हृदय की गहराइयों से आपका अभिनंदन करना चाहता हूं। आप लोगों ने इस अग्नि परीक्षा में जिस ताकत के साथ काम किया, जोधपुर में जो झंडा बुलंद किया, मैं आप सबको कोटि-कोटि प्रणाम और अभिनंदन करता हूं। उन्होंने कहा कि आप सभी के आशीर्वाद से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने तीनों बार मुझे अपनी टीम में काम करने का सौभाग्यपूर्ण अवसर दिया है। आपके लिए मैं अपना पसीना बहाने में किसी तरह की कोई कोर कसर नहीं रखूंगा। अजीत कॉलोनी में केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री शेखावत के अभिनंदन समारोह का आयोजन हुआ। हजारों कार्यकर्ताओं और समर्थकों की उपस्थिति में शेखावत ने कहा कि मैं हृदयपूर्वक आप सबके चरणों में प्रणाम करता हूं। आप सबका अभिनंदन और अभिवादन करता हूं। प्रचंड बहुमत के साथ एनडीए की सरकार बनी है। 60 साल बाद यह पहला अवसर है, जब किसी पार्टी को लगातार तीसरी बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने का आशीर्वाद देश की जनता ने दिया है। इससे पहले, आजादी के ठीक बाद कांग्रेस पार्टी को जनता ने तीन बार बहुमत की सरकार बनाने का अवसर प्रदान किया था, लेकिन उस समय कांग्रेस के समक्ष कोई चुनौती नहीं है, लेकिन जब कांग्रेस ने वर्ष 1975 में देश में आपातकाल लगाया, लोकतंत्र की हत्या की, संविधान को तार-तार कर दिया, उसके बाद देश ने कभी कांग्रेस को लगातार पूर्ण बहुमत की दो बार सरकार बनाने का अवसर नहीं दिया। शेखावत ने कहा कि वर्ष 2024 में अलग तरह के झूठ गढ़े गए। झूठे नैरेटिव खड़े किए गए। हम सबने जोधपुर में देखा था कि किस तरह से झूठ का बोलबाला खड़ा किया गया। सामाजिक व्यवस्था और समाज की चादर को तार-तार कर फाड़ने के षड्यंत्र हुए। भाई को भाई से लड़ाने की कुचेस्टा हुई। जातियों के बीच में दूरियां खड़ी करने की कोशिश हुई। सोशल मीडिया के माध्यम से झूठे नैरेटिव खड़े करने के प्रयास किए गए, लेकिन कार्यकर्ताओं के जोश और जुनून ने एकबार फिर कमल खिलाने का काम किया। पानी के मुद्दे पर तत्कालीन अशोक गहलोत सरकार को घेरते हुए शेखावत ने कहा कि मुझे केंद्र में जलशक्ति मंत्री बनने का अवसर प्रधानमंत्री जी ने दिया। देशभर में 12 करोड़ माता-बहनों के सिर से मटकी का बोझ उतारा, लेकिन राजस्थान में जो तत्कालीन सरकार थी, उसने जल जीवन मिशन को भ्रष्टाचार की फुटबॉल बनाकर रख दिया। वो जानते थे कि यदि हर घर तक पानी पहुंचा तो प्रदेश की मातृशक्ति अगले कई दशकों तक भारतीय जनता पार्टी के अतिरिक्त किसी और सरकार में आने नहीं देगी। कांग्रेस का हमेशा के लिए सफाया हो जाएगा। इसलिए कांग्रेस ने जल जीवन मिशन योजना को बेपटरी करने का पाप किया। जो काम उनकी विफलताओं के कारण से नहीं हो पाए, प्रदेश भर में उसका ठीकरा जोधपुर सहित हम पर फोड़ने का षड्यंत्र किया, लेकिन आप कार्यकर्ताओं ने हकीकत जनता के सामने पहुंचाई। जनता ने आशीर्वाद देकर हमें अवसर दिया। केंद्रीय मंत्री शेखावत ने जोर देकर कहा कि मैं भरोसे के साथ कहता हूं, मेरा विभाग बदल गया होगा, मेरी जिम्मेदारी बदल गई होगी, लेकिन पीने का पानी पहुंचाना हमारी प्राथमिकता थी, हमारी प्राथमिकता है और प्राथमिकता रहेगी। हर घर तक पीने का पानी पहुंचाने के संकल्प को, प्रधानमंत्री जी के सपने को पूरा करेंगे। शेखावत ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तंज कसते हुए कहा कि अनेक बार मैंने कहा था कि जादू तो मुझे आता नहीं है, वो तो अशोक जी को आता है और नया-नया जादूगर इस चुनाव में प्रकट हुआ, जो चांद तक सोने की सीढ़ी पहुंचा रहा था। जाने की अलग सीढ़ी बना रहा था और आने की अलग। हिंदू के लिए अलग और मुस्लिम के लिए अलग। उस मायाजाल को काटकर आपने जो आशीर्वाद दिया है, मेरे पास जादू तो नहीं है, लेकिन मैं आपको संकल्प के साथ कहता हूं, आपके लिए मैं अपना पसीना बहाने में किसी भी तरह की कोई कोर कसर नहीं रखूंगा। शेखावत ने कहा कि आज हमारी सरकार देश और प्रदेश में बन चुकी है। हम सब कार्यकर्ताओं के लिए ये बहुत बड़ी जिम्मेदारी है।

विधानसभा चुनाव में वोट की चोट से विपक्ष को करारा जवाब देगी जनता : बलबीर सिंह

झज्जर (हिंस)। बहादुरगढ़ विधानसभा क्षेत्र के भाजपा नेता और उद्योग भारती के प्रांतीय महामंत्री एडवोकेट बलबीर सिंह दलाल ने कहा कि पंचकुला में हुई हरियाणा भाजपा की विस्तारित प्रदेश कार्यकारणी की बैठक में गृहमंत्री अमित शाह, केंद्रीय शिक्षा मंत्री व भाजपा के हरियाणा विधानसभा चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान और मुख्यमंत्री नायब सैनी प्रदेशभर के भाजपाईयों में नया जोश भर गए। इस सम्मेलन से साफ हो गया कि आगामी विधानसभा चुनाव में प्रदेश की जनता कमल का फूल खिलाकर लोकसभा चुनाव का हिसाब चुकता कर देगी। वरिष्ठ भाजपा नेता एडवोकेट बलबीर सिंह ने पंचकुला में आयोजित भाजपा की विस्तारित प्रदेश कार्यकारणी की बैठक में भाग लिया। बैठक से लौटकर बलबीर सिंह ने बताया कि इस मीटिंग में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान, मुख्यमंत्री नायब सैनी व अन्य नेताओं ने कार्यकर्ताओं में गजब का जज्बा भर दिया। कार्यकर्ताओ ने वहीं से केंद्र व हरियाणा कि भाजपा सरकार की कल्याणकारी नीतियों की जानकारी घर-घर पहुंचाने का संकल्प ले लिया। ताकि पात्र नागरिकों को लाभ मिल सके। अब भाजपा कार्यकर्ता पार्टी व संगठन की जनहितैषी विचारधारा को घर-घर पहुंचाकर विपक्ष द्वारा फैलाए जा रहे तमाम झूठ को जनता के सामने बेनकाब करेंगे। बलबीर सिंह ने कहा कि जिस प्रकार जनता ने लोकसभा चुनाव में एनडीए को तीसरी बार बहुमत दिया है उसी प्रकार हरियाणा की जनता विपक्ष के झूठ को नकारते हुए सदैव राष्ट्र व आमजन के हितों की रक्षा करने वाली भाजपा को तीसरी बार हरियाणा में सरकार बनाने का आदेश देगी। उन्होंने बताया कि हरियाणा में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा सभी कर्मचारी व अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे अपने कार्यालय में रोजाना बैठकर आमजन की परिवार पहचान पत्र, प्रॉपर्टी आईडी, पेंशन सहित सभी समस्याओं का समाधान करें। बलबीर सिंह ने कहा कि प्रदेश की जनता आगामी विधानसभा चुनाव में अपनी वोट की चोट से विपक्ष को करारा जवाब देने का मन बना चुकी है। पंचकुला बैठक में भाजपा जिला अध्यक्ष राजपाल जांगड़ा व प्रदेश प्रवक्ता डॉक्टर राकेश ने भी भाग लिया।

हरियाणा सरकार ने सरपंचों की अधिकतर मांगें मान ली हैं : कंवरपाल

यमुनानगर (हिंस)। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री कंवरपाल ने हाइडल कॉलोनी भुड़कलां के विश्राम गृह में खंड प्रताप नगर के सभी सरपंचों के साथ रविवार को शिष्टाचार बैठक की। खंड प्रतापनगर की सरपंच एसोसिएशन के प्रधान विजय कुमार मिंटू व सरपंचों ने पुष्प गुच्छ देकर मंत्री कंवरपाल का जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान कृषि मंत्री कंवर पाल ने गांव के विकास कार्यों के बारे में सरपंचों से विस्तार से जानकारी ली और कहा कि किसी भी गांव के विकास में कोई भी कोर कसर नहीं छोड़ी जाएगी। किसी भी गांव का सरपंच किसी भी समय गांव के विकास कार्यों के बाबत उनसे मिल सकता है उनके घर के दरवाजे सदा उनके लिए खुले है। उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा सरपंचों की अधिकतम मांगे मान ली गई है और सरकार उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है।

कांग्रेस के न्याय पत्र की तर्ज पर बनेगा हरियाणा चुनाव के लिए घोषणा पत्र : दीपक बारिया

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा कांग्रेस प्रभारी दीपक बाबरिया ने कहा कि लोकसभा चुनाव के लिए बने कांग्रेस न्यायपत्र की तर्ज पर हरियाणा विधानसभा चुनाव का घोषणापत्र तैयार किया जाएगा। घोषणापत्र को बंद कमरे में बैठकर सिर्फ पार्टी के भीतर चर्चा करके नहीं बल्कि प्रदेश के सभी वर्गों के साथ संवाद करने के बाद तैयार किया जाएगा। दीपक बाबरिया तथा मेनिफेस्टो कमेटी की अध्यक्ष व विधायक गीता भुक्कल रविवार को चंडीगढ़ स्थित कांग्रेस मुख्यालय पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस मौके पर अंबाला से सांसद वरुण मुलाना, प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी चांदवीर हुड्डा और मेनिफेस्टो कमेटी के कई सदस्य भी मौजूद रहे। बाबरिया ने कहा कि मेनिफेस्टो के लिए कमेटी के लोग लगातार विभिन्न वर्गों के साथ बैठकें कर रहे हैं। कमेटी में समाज के हर तबके के लोगों को शामिल किया गया है। प्रत्येक विषय के आधार पर अलग-अलग सब कमेटियां बनाई गई हैं। इनके साथ एक-एक सदस्य को जोड़ा गया है। हर सदस्य प्रदेश की हर विधानसभा में जाकर उनकी समस्याओं को जानेगा और समस्या के निवारण के उपाय कमेटी को बताएगा। बाबरिया ने कहा कि हरियाणा कांग्रेस कार्यकाल के दौरान रोजगार, उत्पादन, जीडीपी, अर्थव्यवस्था, कानून व्यवस्था और महिलाओं की सुरक्षा देने के मामले में देश के टॉप राज्यों में शुमार था। भाजपा के शासनकाल में आज हरियाणा भ्रष्टाचार, अत्याचार, अपराध, महंगाई, बेरोजगारी, पलायन, नशे में देश में पहले स्थान पर पहुंच गया है। क्योंकि भाजपा काम नहीं केवल जुमलेबाजी करती है। भाजपा और उसके साथ साढ़े चार साल सरकार चलाने वाली जजपा ने अपने घोषणापत्र के किसी वादे को पूरा नहीं किया। मेनिफेस्टो कमेटी की अध्यक्ष गीता भुक्कल ने कहा कि पार्टी ने मेनिफेस्टो के लिए 17-18 सब कमेटियों का गठन किया है। ये कमेटियां प्रदेश के सभी जिलों में किसानों, युवाओं, बेरोजगारों, बुजुर्गों, कर्मचारियों, कच्चे कर्मचारियों, महिलाओं, मध्यमवर्ग, प्राइवेट कर्मी, कारोबारी, दुकानदार, झुग्गी वासी, सेक्टरवासियों समेत सभी वर्गों के साथ अलग-अलग बैठकें कर रही हैं। भुक्कल ने कहा कि राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा में जनता से संवाद के बाद जो मुद्दे उठाए, उन्हें कांग्रेस ने लोकसभा के न्यायपत्र में शामिल किया था। लोकसभा चुनाव के घोषणा पत्र के आधार पर विधानसभा चुनाव का भी घोषणा पत्र तैयार किया जाएगा। ये घोषणा पत्र प्रदेश के विकास में मार्गदर्शक बनने का काम करेगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा में भी लगातार भर्तियों के पेपर लीक हो रहे हैं। पक्की भर्तियां करने की बजाए सरकार कौशल निगम के जरिए कच्ची भर्तियां करके युवाओं का शोषण कर रही है।

नेत्रहीन मंसाराम को मिला शिक्षा मंत्री का साथ, मनचाही जगह मिली पोस्टिंग

जालोर (हिंस)। जालोर निवासी मंसाराम देवासी के लिए शिक्षा मंत्री मदन दिलावर का जालोर दौरा वरदान साबित हुआ। मंत्री दिलावर ने नेत्रहीन की मांग पर उसे तत्काल मनचाही जगह लगाने के आदेश जारी कर दिए। शिक्षा मंत्री दिलावर एक दिवसीय दौरे पर जालोर पहुंचे थे। सर्किट हाउस में लोगों की समस्या सुनने के दौरान मंसाराम देवासी पुत्र बेसराराम देवासी निवासी सेवड़ी तहसील बागोड़ा जिला सांचौर जो वर्तमान में राजकीय प्राथमिक विद्यालय शरणार्थियों की डांडी धनसा पंचायत समिति भीनमाल में तृतीय श्रेणी के अध्यापक पद पर कार्यरत है, मंत्री से मिला। मंसाराम आंखों से 100 प्रतिशत नेत्रहीन है। इसका विद्यालय इसके गांव से 60 किलोमीटर दूर है। जिससे वहां आने-जाने में उसे परेशानी होती है।

सोशल मीडिया पर किया हथियारों का प्रदर्शन तो होगी एफआईआर : आस्था मोदी

फतेहाबाद (हिंस)। पुलिस अधीक्षक आस्था मोदी ने जिलावासियों को आगाह करते कहा कि जहां अवैध असला रखना कानूनन अपराध है वहीं रुतबा दिखाने के लिए लाइसेंसशुदा हथियारों के साथ सोशल साईट्स फेसबुक, व्हाट्सएप और ट्विटर पर फोटो टैग करना भी भारी पड़ सकता है। पुलिस ऐसे व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार करेगी और इसके साथ ही उसके शस्त्र लाइसेंस को रद्द करवाने की कार्रवाई भी शुरू होगी। पुलिस अधीक्षक ने रविवार को जारी एक जानकारी में कहा कि सार्वजनिक तौर पर हथियारों का प्रदर्शन करना प्रतिबंधित है। शिकायत होने पर हथियार के साथ फोटो अपलोड करने वालों को तीन साल तक जेल की सलाखों के पीछे रहना पड़ सकता है और भारी भरकम जुर्माना भी अदा करना पड़ सकता है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि हथियार भले ही लाइसेंसी हो लेकिन उसका सार्वजनिक प्रदर्शन पूरी तरह से गैर कानूनी है। ऐसा करना असलाह लाइसेंस जारी करने के लिए तय शर्तों के उल्लंघन एवं असले के दुरुपयोग की परिधि में आता है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि सोशल मीडिया पूरी तरह से सार्वजनिक मंच है। लिहाजा वहां हथियारों के साथ फोटो पोस्ट करना सार्वजनिक प्रदर्शन के दायरे में आता है। ऐसा करने वाले के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करने का प्रावधान है। एसपी ने बताया कि जिला पुलिस ने 1 जनवरी 2024 से 30 जून तक पुलिस ने 40 मामले दर्ज कर उनमे शामिल 64 आरोपियों को सलाखों के पीछे भेजा है। इन आरोपियों से भारी मात्रा में अवैध असलाह बरामद किया गया है। पकड़े गए आरोपियों से 43 पिस्तोल, एक रिवाल्वर, एक चाकू, 3 मेगजीन व 59 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। एसपी आस्था मोदी ने कहा कि अवैध हथियारों के साथ अपराधी गंभीर अपराधों को अंजाम देते हैं। ऐसे अपराधियों के खिलाफ जिला पुलिस ने कड़े कदम उठाए हैं जो अवैध हथियार रखते हैं या हथियारों के साथ अपराध करतें हैं।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत अधिक से अधिक पेड़ लगाएं : मुख्यमंत्री

जयपुर (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को *मन की बात* कार्यक्रम के 111वें संस्करण में देशवासियों को संबोधित किया। प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल का यह पहला *मन की बात* कार्यक्रम था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भी आमजन के साथ मुख्यमंत्री निवास पर प्रधानमंत्री के संबोधन को सुना। अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने कहा कि हम सबके जीवन में मां का दर्जा सर्वोपरि होता है। मां के प्यार के कर्ज को हम चुका नहीं सकते, मगर उनकी स्मृति और सम्मान में पेड़ लगाकर मां के प्रति अपना स्नेह जता सकते हैं। उन्होंने प्रत्येक देशवासी से *एक पेड़ मां के नाम* अभियान के तहत पेड़ लगाने का आह्वान किया। मोदी ने कार्यक्रम में स्थानीय उत्पादों को ग्लोबल बनाने, योग दिवस, पेरिस ओलम्पिक, अमरनाथ यात्रा एवं जगन्नाथ रथ यात्रा जैसे विषयों पर भी चर्चा की। मुख्यमंत्री शर्मा ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों से अपील की कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए *एक पेड़ मां के नाम* अभियान के तहत अधिक से अधिक संख्या में पेड़ लगाएं और उनकी समुचित देखभाल करें। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार का प्रदेश में इस वर्ष सात करोड़ पेड़ लगाने का लक्ष्य है।

वॉरेन बफे ने एक बार फिर बदली वसीयत, गेट्स फाउंडेशन से पीछे खींचे हाथ; अब इसे मिलेगी संपत्ति

वॉशिंगटन ।

इससे पहले बफे ने कहा था कि उनकी दौलत को 99 फीसदी से अधिक हिस्सा उनके परिवार से जुड़े चार ट्रस्टों और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन को जाएगा। हालांकि अब उन्होंने अपना मन बदल लिया है।

दुनिया के दिग्गज निवेशक वॉरेन बफे एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं। 93 साल के हो चुके बफे ने अपनी वसीयत में बदलाव करके सुर्खियां बंटोर ली हैं। उन्होंने खुलासा किया कि उनके मरने के बाद उनकी संपत्ति का हकदार कौन होगा। उनका कहना है कि उनकी बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन को दान जारी रखने की कोई योजना नहीं है। इसके बजाय वह एक नया चैरिटेबल ट्रस्ट बनाएंगे, जिसे उनके तीन बच्चे चलाएंगे।

मरने के बाद किसे मिलेगी संपति

बफे का कहना है कि गेट्स फाउंडेशन को उनके मरने के बाद कोई पैसा नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि वह कई बार अपनी वसीयत को बदल चुके हैं और इसमें एक बार फिर बदलाव किया गया है। अब उनकी दौलत एक नए ट्रस्ट को मिलेगी, जिसे उनके तीन बच्चे चलाएंगे। बफे के सभी बच्चों की अपनी-अपनी चैरिटेबल संस्था है। उन्होंने कहा, मुझे अपने बच्चों पर गर्व है। साथ ही पूरा भरोसा है कि वे मेरी विरासत को सही ढंग से आगे बढ़ाएंगे।

दुनिया के 10वें सबसे अमीर व्यक्ति

गौरतलब है, इससे पहले बफे ने कहा था कि उनकी दौलत को 99 फीसदी से अधिक हिस्सा उनके परिवार से जुड़े चार ट्रस्टों और बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन को जाएगा। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक, उनकी नेटवर्थ 129 अरब डॉलर यानी करीब 1,07,54,00,11,50,000 रुपये है और वह दुनिया के 10वें सबसे अमीर व्यक्ति हैं।

कितने शेयर हैं बफे के पास

बफे की कंपनी बर्कशायर हैथवे ने कहा कि बफे करीब 9000 क्लास ए शेयरों को 1.3 करोड़ से अधिक क्लास बी शेयरों में बदल रहे हैं। इसमें से 93 लाख शेयर बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन को जाएंगे। बाकी शेयर बफे के परिवार से जुड़े ट्रस्टों को बांटे जाएंगे।

बफे ने पिछले 18 साल में बिल एंड मेलिंडा फाउंडेशन को करीब 43 अरब डॉलर का दान दिया है। मेलिंडा ने पिछले महीने इस फाउंडेशन से अलग होने की घोषणा की थी। बफे ने पिछले साल अपने फैमिली ट्रस्ट्स को 87.0 मिलियन करोड़ डॉलर डोनेट किए थे। बफे के पास बर्कशायर हैथवे के 207,963 क्लास ए और 2,586 क्लास बी शेयर रह गए हैं। इन शेयरों की वैल्यू करीब 128 अरब डॉलर है।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान के राष्ट्रपति ने वित्त विधेयक 2024 को दी मंजूरी, विपक्ष ने किया था भारी विरोध

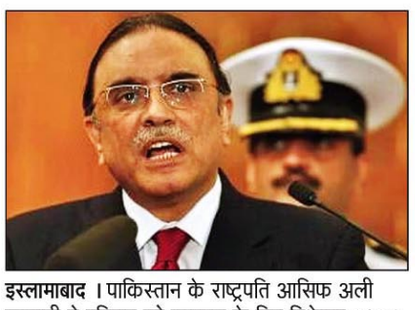

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने रविवार को सरकार के वित्त विधेयक 2024 को अपनी मंजूरी दी। विपक्षी ने इसका विरोध करते हुए इसे आईएमएफ द्वारा संचालित दस्तावेज करार दिया था। विपक्ष ने कहा कि यह जनता के लिए नुकसानदेह है। वित्त मंत्री मोहम्मद औरंगजेब ने 12 जून को नेशनल असेंबली में बजट पेश किया था। जिसका विपक्षी दलों खासकर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने विरोध किया था। साथ ही सतारूढ़ गठबंधन सहयोगी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने भी इसकी आलोचना की थी। संसद ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 18,877 अरब रुपये का बजट पारित किया। इसमें सरकार के व्यय और आय का विवरण था। विपक्षी दलों ने बजट को यह कहते हुए खारिज किया था कि इससे बहुत ज्यादा महंगाई होगी। नेशनल असेंबली के सत्र के दौरान विपक्षी सांसदों ने बजट की आलोचना करते हुए कहा था कि इसे अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) द्वारा तय किया गया है। विपक्ष के नेता उमर अयूब खान ने बजट की निंदा करते हुए इसे लोगों के खिलाफ आर्थिक आतंकवाद करार दिया था। इस हफ्ते की शुरुआत में पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी के नेतृत्व वाली पीपीपी ने फैसला किया कि वह कुछ आपत्तियों के बावजूद वित्त विधेयक के लिए मतदान करेगी। पीपीपी ने शुरुआत में बजट का विरोध किया था नेशनल असेंबली में कुछ संशोधन के साथ बजट पारित किया गया। विपक्ष ने इसके खिलाफ आक्रामक भाषण दिए और बजट को अवास्तविक, जनविरोधी, उद्योग विरोधी और कृषि विरोध बताया।

पोर्ट ब्लेयर एयरपोर्ट पर पहली नाइट लैंडिंग, एयर इंडिया का विमान रात में सुरक्षित उतारा गया

नई दिल्ली । एयर इंडिया का एयरबस ए321 आईएनएस उत्क्रोश पर उतरा। इस विमान में 68 यात्री सवार थे। दरअसल, आईएनएस उत्क्रोश अंडमान और निकोबार कमांड के अधीन है। यह पोर्ट ब्लेयर में वीर सावरकर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के परिसर में ही स्थित है। इस हवाई अड्डे पर रात के पहली बार लैंडिंग कराई गई है। एयर इंडिया का विमान पहली बार यहां सफलतापूर्वक उतरा है। एयर इंडिया का विमान शाम 5 : 40 बजे कोलकाता से रवाना किया गया। जो कि शाम 7 : 34 पर पोर्ट ब्लेयर पर उतरा। अंडमान और निकोबार कमांड ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विमान यात्रियों को उतारने के लिए वीर सावरकर अंतर्राष्ट्रीय टर्मिनल की ओर बढ़ाया गया। अंडमान निकोबार कमांड के अधिकारियों के अनुसार रात में यह सफल लैंडिंग अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के लिए हवाई संपर्क बढ़ाने, द्वीपवासियों को लाभ पहुंचाने और पर्यटन को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह ऐतिहासिक घटना पिछले कुछ वर्षों में भारतीय नौसेना, अंडमान और निकोबार कमांड (एएनसी) और भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के लगातार प्रयासों से संभव हो पाई है।

मुंबई और दिल्ली में तेजी से बढ़ रहे प्राइम प्रॉपर्टी के दाम : रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत की अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन दुनिया के अन्य देशों के मुकाबले काफी अच्छा है। इसका असर दिल्ली और मुंबई जैसे शहरों की प्रॉपर्टी के दामों पर भी देखने को मिला है। इस वर्ष की पहली तिमाही में दिल्ली और मुंबई की प्राइम प्रॉपर्टी की कीमत में तेज वृद्धि हुई है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। नाइट फ्रैंक की प्राइम ग्लोबल सिटीज इंडेक्स क्यू1 2024 रिपोर्ट में बताया गया कि जनवरी से मार्च के बीच सालाना आधार पर मुबंई में प्रॉपर्टी की कीमत में 11.5 प्रतिशत का उछाल देखने को मिला है। वहीं, दिल्ली की घरों की कीमतों में सालाना आधार पर 10.5 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। दुनिया के शीर्ष 44 शहरों की प्रॉपर्टी कीमतों के आधार पर तैयार की गई इस रिपोर्ट में बताया गया कि 26.2 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ मनीला टॉप पर था। इसके बाद टोक्यो का नाम आता है।

ईडी ने धनशोधन मामले में माकपा की भूमि बैंक में पड़े 73 लाख जब्त किए, पार्टी ने आरोपों को किया खारिज

नई दिल्ली ।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने करुवन्नूर सेवा सहकारी बैंक घोटाले से जुड़ी धन शोधन की जांच के तहत केरल में एक भूखंड और माकपा के 73 लाख रुपये के बैंक जमा को कुर्क किया है। हालांकि, सीपीआई (एम) ने गलत काम और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोपों से इनकार किया है। सूत्रों ने बताया कि इन संपत्तियों को कुर्क करने के लिए धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक अस्थायी आदेश जारी किया गया था। अधिकारियों ने बताया कि कुर्क की गई संपत्तियों में केरल के त्रिशूर जिले में 10 लाख रुपये मूल्य का एक भूखंड और राजनीतिक दल के पांच अघोषित बैंक खातों में जमा 63 लाख रुपये शामिल हैं। माकपा ने ईडी के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि एजेंसी द्वारा करोड़ों रुपये के कथित करुवन्नूर बैंक घोटाले से जुड़े मामले में एजेंसी को आरोपी बनाए जाने के किसी भी प्रयास के खिलाफ वह कानूनी एवं राजनीतिक लड़ाई लड़ेगी।

पार्टी के प्रदेश सचिव एमवी गोविंदन ने आरोप लगाया कि ईडी राजनीतिक कारणों से विभिन्न मामलों में विपक्षी दलों और उनके नेताओं को आरोपी बनाने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने केंद्रीय एजेंसी पर झूठे आरोप लगाने की कोशिश करने का भी आरोप लगाया क्योंकि वह पार्टी के खिलाफ कोई सबूत इकट्ठा करने में विफल रही है। ईडी का मानना है कि उसके द्वारा कुर्क की गई भूमि माकपा पार्टी कार्यालय के लिए थी और इसे करुवन्नूर सेवा सहकारी बैंक द्वारा स्वीकृत ऋण के लाभार्थियों या कर्जदारों से कथित रिश्वत का उपयोग करके खरीदा गया था। एजेंसी ने इस मामले में कम से कम दो आरोपियों के इकबालिया बयानों पर भरोसा किया है, जिन्होंने न्यायिक मजिस्ट्रेट के समक्ष दर्ज अपने बयानों में दावा किया है कि बैंक में कथित अनियमितताएं माकपा (माकपा) त्रिशूर जिला समिति के नेताओं के इशारे पर रची गई थीं। गोविंदन ने कहा कि पार्टी इकाइयों के कार्यालय और अन्य संपत्तियों का पंजीकरण संबंधित जिला समितियों के नाम पर करने की दशकों पुरानी परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी की स्थानीय समितियों में से एक की ओर से बनाए गए कार्यालय में आखिर पार्टी की क्या भूमिका हो सकती है। उन्होंने दावा किया कि लेकिन ईडी अब पार्टी की एक इकाई की संपत्ति के नाम पर माकपा की छवि धूमिल करने का प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा, हम कानूनी और राजनीतिक रूप से लड़ेंगे। हमें इस संबंध में अब तक कोई नोटिस नहीं मिला है। ईडी ने इस मामले में 55 आरोपियों के खिलाफ पिछले साल नवंबर में आरोपपत्र दायर किया था। एजेंसी ने अपनी अभियोजन शिकायत (ईडी के आरोपपत्र के बराबर) में अदालत को यह भी बताया था कि उसने इस मामले में करीब 100 करोड़ रुपये की 120 से अधिक संपत्तियां कुर्क की हैं। मनी लॉन्ड्रिंग का यह मामला केरल पुलिस (क्राइम ब्रांच) द्वारा त्रिशूर में दर्ज 16 एफआईआर से उपजा है। त्रिशूर स्थित माकपा नियंत्रित बैंक में 2010 में शुरू हुए इस कथित धोखाधड़ी के मामले ने राज्य में राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया था और पार्टी ने कहा था कि उसने कुछ भी गलत नहीं किया है। ईडी ने कहा है कि मामले में उसकी जांच में पाया गया कि बैंक प्रबंधक द्वारा बैंक को संचालित करने वाले कुछ व्यक्तियों, जो एक निश्चित राजनीतिक दल के जिला स्तर के नेता और समिति के सदस्य थे, के निर्देश पर बैंक प्रबंधक द्वारा गैर-सदस्य बेनामी लोगों को नकद में ऋण वितरित किए गए और गरीब सदस्यों की संपत्तियों को उनकी जानकारी के बिना गिरवी रख दिया गया और आरोपियों के लाभ के लिए इसे वैध बनाया गया। बैंक की ओर से सोसायटी के सदस्यों की जानकारी के बिना एक ही संपत्ति के खिलाफ कई बार फर्जी ऋण मंजूर किए गए थे। एजेंसी ने पहले एक बयान में कहा था कि जांच से यह भी पता चला है कि अन्य सदस्यों के नाम पर संपत्ति के मूल्यांकन के बदले गैर-सदस्यों को बेनामी ऋण मंजूर किए गए थे और इस तरह के ऋण कोष को आरोपी लाभार्थियों द्वारा गबन और धनशोधन किया गया। ईडी इस मामले में अब तक चार लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है।

भारतीय स्टार्टअप्स पर बरस रहा पैसा; एक हफ्ते में हुई 17 डील, जुटाए करोड़ों डॉलर

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह 17 भारतीय स्टार्टअप्स ने 17 सौदों के जरिये 19.64 करोड़ डॉलर की फंडिंग जुटाई है। यह राशि इससे पिछले सप्ताह के मुकाबले 75 प्रतिशत कम है। इंक42 की एक रिपोर्ट के अनुसार, इससे पिछले सप्ताह भारतीय स्टार्टअप्स ने 21 सौदों के जरिये 80 करोड़ डॉलर से ज्यादा की राशि जुटाई थी।

रिपोर्ट के अनुसार, इस सप्ताह गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एबीएफसी) नार्दर्न एआरसी ने सबसे ज्यादा 7.5 करोड़ डॉलर की राशि जुटाई है। यह राशि गैर-परिवर्तनीय डिबेंचर्स (एनसीडी) के जरिये जुटाई गई है। इस सप्ताह फिनटेक सेक्टर ने सबसे ज्यादा निवेशकों को आकर्षित किया है और इस सेक्टर के स्टार्टअप्स ने तीन सौदों के जरिये 7.74 करोड़ डालर की राशि जुटाई है। ई-कामर्स सेक्टर के स्टार्टअप्स ने पांच सौदों के जरिये 4.83 करोड़ डॉलर और एंटरप्राइजेज टेक स्टार्टअप्स ने तीन सौदों से 2.58 करोड़ डॉलर की राशि जुटाई है। रियल एस्टेट टेक स्टार्टअप ने दो करोड़ डॉलर जुटाए हैं।

फिनटेक स्टार्टअप का भविष्य उज्जवल

भारत के फिनेटक सेक्टर में 30 स्टार्टअप आगे चलकर यूनिकॉर्न बन सकती हैं यानी उनका वैल्यूएशन 1 अरब डॉलर के पार पहुंच सकता है। फिनटेक सेक्टर में कंज्यूमर लेंडिंग सबसे प्रमुख सब-कैटेगरी बनकर उभरी है। हुरून इंडिया की एक रिपोर्ट बताती है कि आने वाले समय में आधे से अधिक फिनटेक यूनिकॉर्न इसी सब-कैटेगरी की होंगी। यूनिकॉर्न की संभावना वाला दूसरा सबसे बड़ा सेक्टर (सॉफ्टवेयर एज ए सर्विस) है। इसमें 20 स्टार्टअप के यूनिकॉर्न बनने के आसार हैं। स्टार्टअप्स ने कुल मिलाकर 2.1 अरब डॉलर की फंडिंग जुटाई है। इससे जाहिर होता है कि निवेशकों को इस सेक्टर से भी काफी उम्मीदें हैं। ई-कॉमर्स सेक्टर में आगे चलकर 15 यूनिकॉर्न बन सकते हैं। इनकी कुल वैल्यू फिलहाल 6 अरब डॉलर है। ई-कॉमर्स स्टार्टअप्स ने कुल 2.4 अरब डॉलर जुटाए हैं।

एसबीआई के चेयरमैन पद के लिए चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी के नाम की सिफारिश, 28 अगस्त को रिटायर होंगे दिनेश

नई दिल्ली ।

केंद्र के तहत एक स्वायत्त निकाय वित्तीय सेवा संस्थान ब्यूरो ने भारतीय स्टेट बैंक के प्रबंध निदेशकों में से एक चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी के नाम को बैंक के अगले अध्यक्ष के रूप में नामित करने की सिफारिश की है।

एफएसआईबी ने पद के लिए तीन उम्मीदवारों के साथ बैठक के बाद भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के अध्यक्ष पद के लिए चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी के नाम की सिफारिश की। बैंकों और वित्तीय संस्थानों के निदेशकों के लिए काम करने वाली एफएसआईबी ने एक बयान में कहा, इंटरफेस में उनके प्रदर्शन, उनके समग्र अनुभव और मौजूदा मापदंडों को ध्यान में रखते हुए ब्यूरो ने एसबीआई में चेयरमैन पद के लिए चल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी के नाम की सिफारिश की गई है।

एफएसआईबी ने एसबीआई चेयरमैन के पद के लिए 29 जून को तीन उम्मीदवारों का साक्षात्कार लिया। वर्तमान चेयरमैन दिनेश खारा 28 अगस्त को 63 वर्ष के होने पर सेवानिवृत्त होंगे। दावेदारों में सेट्टी एसबीआई में लगभग 36 वर्षों की सेवा के साथ सबसे वरिष्ठ हैं। एसबीआई के चेयरमैन पद के लिए जिन अन्य दो एमडी का साक्षात्कार लिया गया, उनमें अश्विनी कुमार तिवारी और विनय एम टोंसे शामिल हैं। रवि अग्रवाल सीबीडीटी के नए चेयरमैन नियुक्त सरकार ने 1988 बैच के आईआरएस अधिकारी रवि अग्रवाल को सीबीडीटी अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किया है। सरकार के इस कदम का उद्देश्य आर्थिक चुनौतियों के बीच कर प्रशासन दक्षता को बढ़ाना और अनुपालन को बढ़ावा देना है।

घरेलू मोर्चे पर वृहद आर्थिक आंकड़े, वैश्विक रुख तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

नई दिल्ली ।

इस सप्ताह घरेलू मोर्चे पर वृहद आर्थिक आंकड़े, वैश्विक रुख और विदेशी निवेशकों की गतिविधियों से घरेलू शेयर बाजारों की चाल तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। विश्लेषकों का कहना है कि बीते सप्ताह रिकॉर्ड तेजी के बाद ऊंचे मूल्यांकन की वजह से इस हफ्ते बाजार में उतार-चढ़ाव रह सकता है। निवेशक आगे के संकेतों के लिए वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट कच्चे तेल के दाम और रुपये-डॉलर के उतार-चढ़ाव पर भी नजर रखेंगे। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि इस सप्ताह शेयर बाजार में संभावित रूप से उतार-चढ़ाव रहेगा। ऊंचा मूल्यांकन चिंता का विषय बना हुआ है। निवेशकों की नजरें अब मानसून की प्रगति और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर

इसके प्रभाव पर रहेगी। जुलाई में आने वाले आम बजट पर भी सभी की नजरें है। बाजार में विकासोन्मुख नीतियों की उम्मीद की जा रही है। उन्होंने कहा कि विदेशी और घरेलू संस्थागत निवेशकों की गतिविधियों और कच्चे तेल की कीमतें भी बाजार की धारणा को प्रभावित करेंगी। उन्होंने कहा कि वैश्विक मोर्चे पर अमेरिकी बाजार में ऊंचे स्तर पर मुनाफावसूली देखने को मिली है। अमेरिका के रोजगार के आंकड़े दो जुलाई को आएंगे।

इसके बाद तीन जुलाई को आईएसएम सर्विसेज पीएमआई आंकड़े जारी किए जाएंगे। साथ ही दो जुलाई को अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व के प्रमुख का संबोधन है। एफओएमसी की बैठक का ब्योरा तीन जुलाई को जारी किया जाएगा। एक अन्य बाजार विश्लेषक कहते हैं कि बाजार का रुख प्रमुख घरेलू और वैश्विक आर्थिक आंकड़ों से तय होगा। इस दौरान एचएसबीसी इंडिया विनिर्माण पीएमआई, एचएसबीसी इंडिया सेवा पीएमआई, एसएंडपी ग्लोबल विनिर्माण पीएमआई, फेडरल रिजर्व के प्रमुख का संबोधन, अमेरिका के बेरोजगारी दावों के आंकड़े बाजार के लिए प्रमुख घटनाक्रम हैं। उनका कहना है कि हमें उम्मीद है कि बाजार की रफ्तार कायम रहेगी और शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिलेंगी। हालांकि, सप्ताह के दौरान आने वाले आर्थिक आंकड़ों की वजह से बाजार में कुछ उतार-चढ़ाव रह सकता है।

द्विपक्षीय कारोबार को 400 अरब डॉलर करने का लक्ष्य रखेंगे भारत व अमेरिका

नई दिल्ली ।

कभी द्विपक्षीय कारोबार को बढ़ा कर 500 अरब डॉलर करने की बात करने वाले भारत और अमेरिका के बीच हाल के वर्षों में इस बारे में कम ही चर्चा हुई है। लेकिन अब भारत में पीएम नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में तीसरी बार सरकार बनने के बाद अमेरिकी पक्ष ने भारत को संकेत दिया है कि एक बार फिर द्विपक्षीय कारोबार पर फोकस होना चाहिए।

पिछले दिनों दोनों देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की अगुवाई में इनिसिएटिव ऑन क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलोजीज (आइसीईटी) की बैठक में यह मुद्दा उठा। यह सहमति भी बनी की दोनो देशों को वर्ष 2030 तक मौजूदा द्विपक्षीय कारोबार (118.2 अरब डॉलर) को वर्ष 2030 तक 400 डॉलर करने का लक्ष्य तैयार करना चाहिए और इस लक्ष्य के हिसाब से ही आगे बढ़ना चाहिए। बैठक में

यह माना गया है कि वैश्विक कूटनीति में जिस तरह से हालात बन रहे हैं और प्रौद्योगिक क्षेत्र में जिस तरह से भारत व अमेरिका एक दूसरे के करीब आ रहे हैं उसे देखते हुए 400 अरब डॉलर का कारोबारी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। इस लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए दोनों देशों के बीच एक कारोबारी समझौते की जरूरत भी बताई गई है। बैठक में दोनों देशों के वाणिज्य मंत्रालयों को निर्देश दिया गया है कि वो रणनीतिक कारोबारी वार्ता को जारी रखें और इसके तहत एक दूसरे के साथ कारोबार करने के माहौल को आसान बनाने के लिए एक समझौते की रूप-रेखा तैयार करें। भारत व अमेरिका के बीच जून, 2023 में वाशिंगटन में रणनीतिक कारोबारी विमर्श हुआ था। इसमें जिन बिंदुओं पर चर्च की गई थी उन पर दोबारा नई दिल्ली में दिसंबर, 2023 में डिप्टी एनएसए की अगुवाई में हुई आइसीईटी वार्ता में विमर्श किया गया था। आइसीईटी बैठक में यह माना गया है कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय कारोबार की राह में कई तरह की बाधाएं हैं जिन्हें वाणिज्य मंत्रालयों के आपसी सहयोग से ही दूर किया जा सकता है। जानकारों का कहना है कि अमेरिका की तरफ से वहां होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले भारत के साथ कारोबारी समझौता करने की बात कही जा रही है। लेकिन भारत इस बारे में पूरी तरह से संतुष्ठ होने के बाद ही कदम उठाना चाहता है। यह भी बता दें कि वर्ष 20220 में हुए अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव से पहले भी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सरकार की तरफ से भारत के साथ एक मिनी कारोबारी समझौता करने को लेकर काफी दबाव बनाया गया था।

बंगलूरू पुलिस ने अपहर्ताओं के चंगुल से निवेशक को छुड़ाया, मांगी थी पांच करोड़ की फिरौती; दो गिरफ्तार

बंगलूरू । कर्नाटक के एक निवेशक को अपहर्ताओं के चंगुल से मुक्त कराने में कामयाबी मिली है। अपहरण के आरोपियों ने पांच करोड़ रुपये की फिरौती मांगी थी। पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार भी किया है। बंगलूरू पुलिस ने राजधानी के व्यस्ततम इलाकों में एक एमजी रोड से अपहृत शेयर बाजार निवेशक को अपराधियों के चंगुल से मुक्त करा लिया है। कर्नाटक के इस बहुचर्चित अपहरण कांड में अपराधियों ने पांच करोड़ रुपये की फिरौती मांगी थी। बंगलूरू पुलिस का आभार प्रकट करते हुए निवेशक राजू ने कहा, मुझे दूसरा जीवन मिलने जैसा एहसास हो रहा है। बंगलूरू पुलिस को सलाम। उन्होंने पुलिस आयुक्त बी दयानंद, डीसीपी और बेंगलुरु हलुसुरू क्राइम ब्रांच के प्रति विशेष आभार प्रकट किया। बंगलूरू से किडनैप कर तेलंगाना के जंगल ले गए पॉश इलाके से अगवा किए गए शेयर बाजार निवेशक से जुड़ी शिकायत मिलने पर पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। अपहरण में शामिल अन्य लोगों की तलाश जारी है। पुलिस के मुताबिक यह वारदात हुई और इसका पता चला। सोशल मीडिया पोस्ट में पीड़ित अजमीरा राजू ने कहा, मुझे बंगलूरू पुलिस ने बचा लिया है। अनजान लोगों ने 16 जून की आधी रात महात्मा गांधी रोड बेंगलुरु से अगवा कर उन्हें तेलंगाना के किसी जंगल में ले गए थे। उन्होंने कहा कि अगवा किए जाने के 48 घंटे के भीतर पुलिस ने उन्हें मुक्त करा लिया।

मैं नेगेटिविटी को अब और अंदर नहीं आने देती : मलाइका

-अर्जुन संग ब्रेकअप की खबरों पर तोड़ी चुप्पी

मुंबई (ईएमएस)। अपने रिलेशनशिप और ट्रोलिंग को लेकर बात करते हुए एक्ट्रेस मलाइका अरोरा ने कहा कि इंटरनेट बहुत टॉक्सिक जगह हो सकती है। मैंने किसी तरह अपने चारों ओर एक मैकेनिज्म या कहें ढाल बना लिया है, जहां से मैं नेगेटिविटी को अब और अंदर नहीं आने देती। एक्ट्रेस मलाइका अरोडा ने अर्जुन कपूर के संग ब्रेकअप की अफवाहों पर रिएक्ट किया है। मलाइका ने आगे कहा- मैंने खुद को इससे अलग कर लिया है। चाहे वो लोग हों, काम का माहौल हो, सोशल मीडिया हो या ट्रोल्स। जैसे ही मुझे वो नेगेटिविटी महसूस होती है, मैं तुरंत पीछे हट जाती हूं। यह कुछ ऐसा है जो मैंने समय के साथ करना सीखा है। ये मुझ पर पहले ही हावी हो जाता था और जिसकी वजह से मैं रात को सो नहीं पाती थी। अगर मैं कहूं कि ये चीजें मुझे बिल्कुल भी प्रभावित नहीं करती हैं तो मैं झूठ बोलूंगी। मैं भी इंसान हूं और इसलिए मैं रोऊंगी, टूट जाऊंगी और ट्रोल होने से जुड़े सारे इमोशन्स का सामना करूंगी, लेकिन आप इसे कभी पब्लिकली नहीं देखेंगे। प्यार के बारे में पूछने पर मलाइका ने कहा- मैं हार्डकोर रोमांटिक हूं। मैं कभी भी सच्चे प्यार के आइडिया पर गिवअप नहीं करुंगी चाहे कुछ भी हो जाए। मैं टिपिकल स्कॉरपियो हूं तो मैं आखिरी तक अपने प्यार के लिए लडूंगी लेकिन मैं बहुत रियलिस्टिक भी हूं और मुझे पता है कहां पर लाइन खींचनी है। बता दें, मलाइका अरोड़ा और अर्जुन कपूर कई सालों से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं और दोनों को अक्सर पार्टीज और इवेंट में स्पॉट भी किया जाता है। कभी बार कपल विदेश में रोमांटिक वेकेशन भी एंजॉय करता नजर आया है। हालांकि, पिछले कुछ समय से मलाइका और अर्जुन को एक साथ नहीं देखा गया और न ही एक दूजे के लिए पोस्ट करते देखा गया।

लव सॉन्ग धीरे-धीरे के लिए एक साथ आए पारस और मन्नारा

-गाने में कुणाल वर्मा के है दिल को छू लेने वाले बोल

मुंबई (ईएमएस)। पहली बार लव सॉन्ग धीरे-धीरे के लिए एक्टर पारस कलनावत और मन्नारा चोपड़ा एक साथ आए हैं। जैसे-जैसे गाना आगे बढ़ता है, पायल और आदित्य की मधुर आवाज दर्शकों को रोमांस की दुनिया में ले जाती है। संगीतकार आदित्य द्वारा तैयार किए गए इस गाने में कुणाल वर्मा के दिल को छू लेने वाले बोल हैं। लव सॉन्ग धीरे धीरे अपने अंतिम नोट तक दर्शकों को बांधे रखता है। दिब्या चटर्जी द्वारा निर्देशित यह म्यूजिक वीडियो गाने के सार को बहुत ही खूबसूरती के साथ पर्दे पर दिखाती है। मन्नारा चोपड़ा ने गाने के बारे में बात करते हुए कहा, पारस के साथ धीरे धीरे का हिस्सा बनना बहुत ही खुशी की बात है। गाने को बहुत ही खूबसूरती के साथ तैयार किया गया है और इस–ाके दिल छू लेने वाले बोल इसे एक यादगार गीत बनाते हैं। जब मैंने ट्रैक की कुछ पंक्तियां सुनीं, तो मुझे इससे प्यार हो गया। मैं यह देखने के लिए उत्साहित हूं कि दर्शक इसे किस तरह से पसंद करते हैं, क्योंकि धीरे धीरे वाकई में रोमांस के बारे में है। मन्नारा के साथ गाने में नजर आने वाले पारस कलनावत ने कहा, जब मैंने पहली बार पायल और आदित्य का यह ट्रैक सुना, तो तभी मुझे लग गया था कि यह खास है। गाने के म्यूजिक से लेकर इसके बोल दर्शकों को बेहद पसंद आएंगे। मन्नारा के साथ धीरे धीरे पर काम करना एक शानदार अनुभव रहा। यह पहली बार है जब हम दोनों एक साथ नजर आ रहे हैं। इसकी शूटिंग बेहद ही खूबसूरत लोकेशन पर की गई, जो इस गाने को और लुभावना बना देती है। संगीतकार आदित्य ने इस गाने को इमोशंस से भरा एक सफर बताया। उन्होंने कहा, गाने में कुणाल के बोल, इसके संगीत, मन्नारा और पारस की मौजूदगी ने इस गाने में जान डाल दी है। मैं एक ऐसा गाना बनाना चाहता था जो दर्शकों के दिलों को छू जाए। पायल ने कहा, इस गाने को अपनी आवाज देना मेरे लिए एक शानदार अनुभव रहा। इस गाने की वाइब्स बेहद भावुक कर देने वाली है। मुझे लगता है कि दर्शक इस गाने के साथ जुड़ाव महसूस करेंगे। मुझे पूरा विश्वास है कि यह गाना उन लोगों को बहुत पसंद आएगा, जिन्होंने प्यार किया है। बता दें कि यह सॉन्ग दर्शकों को रोमांस की दुनिया में ले जाएगा। दो मिनट 46 सेकंड के इस म्यूजिक वीडियो को पायल देव और आदित्य देव ने अपनी आवाज दी है।

जारी है कल्कि 2898 एडी की बंपर कमाई

मुंबई (ईएमएस)। प्रभास, अमिताभ, दीपिका पादुकोण और कमल हासन की कल्कि 2898 एडी नॉन-हॉलिडे रिलीज होने के बावजूद अपने डेब्यू के दूसरे दिन अच्छा फरफॉर्म करने में सफल रही है। नाग अश्विन के डायरेक्शन में बनी फिल्म ने भारत में सक्सेसफुली 50 करोड़ से ज्यादा का कलेक्शन किया। हालांकि यह पहले दिन की कमाई से लगभग आधी रही। फिल्म ने फिल्म ने पहले दिन भारत में 95 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। फिल्म ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श के मुताबिक, कल्कि 2898 एडी ने पहले दिन हिंदी में 27.5 करोड़ का कलेक्शन किया था, जबकि वर्ल्डवाइड कलेक्शन 190 करोड़ रुपए हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक, दूसरे दिन फिल्म 54 करोड़ रुपए का कारोबार किया। फिल्म ने तेलुगु में 25.65 करोड़ रुपए और हिंदी में 22.5 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया। रिपोर्ट के मुताबिक, कल्कि 2898 एडी ने भारत में दो दिन के अंदर कुल 149.3 करोड़ का कलेक्शन कर लिया है। इसमें सबसे ज्यादा कमाई तेलुगु वर्जन से 91.45 करोड़ रुपए हुआ है। इसके बाद हिंदी में 45 करोड़ कमाए हैं। कल्कि 2898 एडी ने पहले दिन की कमाई के आधार पर केजीएफ 2, साहो सहित कई बड़ी फिल्मों के रिकॉर्ड तोड़ दिया है। फिल्म ने दो दिन में ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर 250 करोड़ रुपए से ज्यादा का कलेक्शन कर रिकॉर्ड बना लिया है। अगर इस हिसाब से कलेक्शन किया तब फिल्म पठान, जवान, जेलर, बाहुबली जैसी फिल्मों के रिकॉर्ड तोड़ेगी।

आमिर ने पाली हिल में खरीदी नई प्रॉपर्टी

हाल ही में बॉलीवुड एक्टर आमिर खान ने एक और करोड़ों की प्रॉपर्टी खरीदी है, जिसकी कीमत सुन फैंस के होश उड़ रहे हैं। आमिर खान ने मुंबई के पाली हिल में नई प्रॉपर्टी खरीदी है, जिसकी कीमत 9.75 करोड़ रुपये बताई जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आमिर खान की यह प्रॉपर्टी 1,027 स्क्वेयर फिट में बनी हुई है और यह प्रॉपर्टी वेला विस्टा अपार्टमेंट में बनी हुई है। बताया जा रहा है कि 25 जून को आमिर ने इस प्रॉपर्टी को रजिस्टर्ड कराया है जिसके लिए 58.5 लाख स्टैंप ड्यूटी दी गई है और 30 हजार रुपये का रजिस्ट्रेशन कराया है। वेला विस्टा में नई प्रॉपर्टी के अलावा आमिर का मरिना अपार्टमेंट में भी एक लग्जरी फ्लैट है, जो पाली हिल में ही स्थित है। बता दें, इसके अलावा आमिर के पास मुंबई के पॉश इलाके में एक आलीशान घर है, जिसे एक्टर ने 2009 में खरीदा था। उस वक्त इस घर की कीमत लगभग 18 करोड़ रुपये थी। साल 2013 में एक्टर ने 7 करोड़ का पंघनी में भी एक बंगला लिया था। आमिर ने कॉमर्शियल प्रॉपर्टीज में काफी पैसा इनवेस्ट किया है।

शोटाइम में रघु खन्ना के रुप में इमरान हाशमी की दमदार वापसी

मुंबई (ईएमएस)। स्ट्रीमिंग शो शोटाइम का दमदार ट्रेलर सामने आया, जिसमें इस बार भरपूर सस्पेंस देखने को मिलेगा। शो के बचे हुए एपिसोड में इमरान हाशमी के किरदार रघु खन्ना की शानदार वापसी दिखाई गई है। इस बारे में इमरान ने कहा, किसी भी अन्य जगह की तरह, इंडस्ट्री में भी उतार-चढ़ाव आते रहते हैं, लेकिन एक बार जब आप इसकी वास्तविकता को समझ जाते हैं, तब आप यहां टिक जाते हैं।

उन्होंने कहा, कभी-कभी मैं सोचता हूं कि अगर इंडस्ट्री में रघु खन्ना जैसे निमार्ता होते, तब इसका क्या हश्र होता? इतने सालों के अपने करियर में मैंने कभी भी रघु जैसा निमार्ता नहीं देखा। उन्होंने बताया, निमार्ताओं की मौजूदा पीढ़ी कलाकारों की सनक और पसंद पर काम कर रही है, लेकिन रघु का किरदार बिल्कुल इसके विपरीत है। शो के बारे में बात करते हुए अभिनेत्री मौनी रॉय ने कहा, यास्मीन का किरदार यह दिखाने की कोशिश करता है कि इंडस्ट्री में अभिनेत्रियों के साथ क्या होता है, जो प्रशंसकों और इंडस्ट्री द्वारा ट्रोल किए जाने के बावजूद खुद के लिए स्टैंड लेती हैं। जबकि, इस ट्रोलिंग ने यह परिभाषित नहीं किया कि हम कलाकार के रूप में कौन हैं, हम अपने दर्शकों के प्यार के लिए जीते हैं और यही कारण है कि यह नकारात्मक ऊर्जा हम पर प्रभाव छोड़ती है। मौनी ने कहा, सीरीज में यास्मीन लगातार अपने आप से लड़ती नजर आती हैं और मजबूत होकर वापस आने की कोशिश करती हैं।

आप अरमान मलिक को जज करने वाले कौन होते हैं? : उर्फी

बिग बॉस ओटीटी 3 के घर में फेमस यूट्यूबर और ब्लॉगर अरमान मलिक अपनी अपीयरेंस से चर्चा बटोर रहे हैं। अरमान ने शो में अपनी दोनों बीवियों पायल और कृतिका मलिक संग एंट्री की है, जहां कुछ लोग उन्हें जमकर ट्रोल कर रहे हैं। इसी बीच एक्ट्रेस उर्फी जावेद ने अरमान मलिक के सपोर्ट में एक पोस्ट किया है, जो खूब पढ़ा जा रहा है। उर्फी जावेद ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में अरमान मलिक के सपोर्ट में एक पोस्ट लिखा और उन लोगों पर भड़ास निकाली जो यूट्यूबर और उनकी पत्नियों को जज कर रहे हैं। उर्फी जावेद ने अपने पोस्ट में लिखा, मैं इस परिवार को काफी वक्त से जानती हूं और मैं दावे के साथ कह सकती हूं कि वे सबसे अच्छे लोग हैं, जिनसे मैं कभी मिली हूं! यदि वे तीनों खुश हैं, तो हम जज करने वाले कौन होते हैं? पोलीगेमी (बहुविवाह) का कॉन्सेप्ट बहुत पहले से मौजूद है, कुछ धर्मों में यह आज भी पॉपुलर है। यदि उन तीनों को यह सही लगता है, तो हम कमेंट करने वाले कोई नहीं हैं! बता दें कि अरमान मलिक का दो बार शादी करना कई लोगों को रास नहीं आ रहा है और दोनों बीवियों संग शो में एंट्री को लेकर उन्हें खूब ट्रोल किया जा रहा है।

द ब्लफ की शूटिंग ऑस्ट्रेलिया में कर रही प्रियंका

अपनी अपकमिंग फिल्म द ब्लफ की शूटिंग एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ऑस्ट्रेलिया में कर रही हैं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर कुछ नई तस्वीरें शेयर की है, जिन्हें देखने से पता चलता है कि प्रियंका शूटिंग से ब्रेक लेकर अपने पति निक और परिवार से मिली हैं। प्रियंका ने कई तस्वीरें शेयर की हैं। एक तस्वीर में एक्ट्रेस ग्रीन ड्रेस में अपने पति निक संग क्वालिटी समय बिताती नजर आ रही हैं। दो तस्वीरों में मालती पापा निक संग दिखाई दे रही है। एक तस्वीर में प्रियंका की मां मधु चोपड़ा भी दिख रही है। तस्वीरें शेयर करते हुए प्रियंका ने लिखा- मेरी जिंदगी के ये दिन। फैंस इन तस्वीरों को खूब लाइक कर रहे हैं। बता दें प्रियंका अपनी अपकमिंग फिल्म में कोई भी कसर छोड़ना नहीं चाहती हैं और इसके लिए जमकर तैयारी कर रही हैं। एक्ट्रेस ने इससे पहले स्टंट के दौरान लगी चोट की तस्वीर भी शेयर की थी, जिसमें उनके फेस पर इंजरी के निशान साफ तौर पर देखे जा सकते थे। फिल्म द ब्लफ एक पूर्व महिला समुद्री डाकू (प्रियंका का किरदार)की कहानी है। महिला को अपने रहस्यमय अतीत से संघर्ष करते हुए अपने परिवार की रक्षा करनी है।

'बिग बॉस ओटीटी 3' के पहले वीकेंड वार में अनिल कपूर ने घरवालों की लगाई क्लास

बिग बॉस ओटीटी 3 का पहला वीकेंड का वार शनिवार को हुआ। यह न सिर्फ इस सीजन के कंटेस्टेंट्स के लिए, बल्कि अनिल कपूर के लिए भी ये पहला वीकेंड का वार था। इस मौके पर दीपक चौरसिया ने सबसे पहले घर के माहौल और प्रतियोगियों के बारे में एक रिपोर्ट पढ़ी। इस बार राशन के मुद्दे पर बहस करने पर अनिल कपूर ने सभी की अच्छी क्लास ली। इस बार अनिल कपूर ने विशाल पांडे और लवकेश कटारिया की टांग खींची। इस–ाके बाद अनिल ने सना मकबूल के कॉन्ट्रैक्ट वाले बयान पर चुटकी लेते हुए कहा, क्या मैं आपसे पूछ सकता हूं कि ये आपके कॉन्ट्रैक्ट में है या नहीं? तब सना ने कहा, सर ऐसा नहीं है, अनिल ने कहा, मैं पूछना चाहता हूं कि सना के लिए अलग कॉन्ट्रैक्ट क्या है और क्या दूसरों के लिए अलग है? अनिल कहते हैं कि आपके बयान से ऐसा लगता है कि आप दिखा रहे हैं कि मैं अलग हूं, अहम हूं, ऐसा लग रहा था। इस दौरान अनिल ने लवकेश से कहा कि, आत्मविश्वास अच्छी बात है, लेकिन अति आत्मविश्वास नहीं। उसे लगता है कि कोई बाहर वाला उसका समर्थन कर रहा है। आपकी शैली और बोलने का तरीका एक जैसा लगता है, लेकिन मुझे लगता है कि अगर आप सच्चे हैं तो आप इससे आगे भी जा सकते हैं। इसके बाद अनिल कुमार, शिवानी कुमारी और पौलमी दास की ओर मुड़े और शिवानी से सवाल पूछने लगे। अनिल कपूर ने ये भी पूछा कि आखिर उस वक्त हुआ क्या था। शिवानी ने कहा कि हम दोनों खड़े थे जाने के लिए। मैंने कहा जाएंगे तो हम भी चाहे कुछ भी। हम दोनों भगे और भगने में दोनों को लग गई। वो टास्क था और जब हमने देखा ये गाली दे रही हैं तो हम टास्क करने चले गए। हमें गुस्सा गया। बाद में मुझे महसूस हुआ कि लग गई है हमें और दर्द हुआ। इस पर अनिल कपूर ने कहा, दुर्व्यवहार कोई मुद्दा नहीं है। आप गिरने के बाद नॉर्मल होकर अंदर गईं और फिर पौलमी को देखा और इसके बाद आपको याद आया कि उन्हें चोट लगी है। इसके बाद आप फिर नॉर्मल गईं। वापस आते हुए फिर वह नॉर्मल आईं और अंदर आते ही लंगड़ा कर गईं। बिग बॉस रणवीर और शिवानी को सजा देने की बात कहते हैं। फिर, सजा देने का समय आया और शिवानी को फिर से दर्द याद आया। अनिल की बात से सभी सहमत थे। शिवानी के मिट्टी खाने पर अनिल कपूर ने कहा, मैं मिट्टी का बहुत सम्मान करता हूं, लेकिन आप जो मिट्टी खा रहे थे, क्या किसी को दिखाने के लिए खा रहे थे? इस पर शिवानी ने कहा, गांव में मिट्टी खाना आम बात है। अनिल ने कहा कि कितने लोग सोचते हैं कि शिवानी ने अटेंशन पाने के लिए ये सब किया है? सना मकबूल और नेजी को छोड़कर बाकी सभी ने हां कहा।

कमल हासन भारतीय सिनेमा के बाइबिल और विश्वकोश : एटली

बीते दिनों फिल्म निमार्ता एटली ने शंकर और कमल हासन की फिल्म इंडियन 2 का ट्रेलर लॉन्च किया। यह फिल्म 12 जुलाई, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। कार्यक्रम में एटली ने दिग्गज अभिनेता कमल हासन को भारतीय सिनेमा की बाइबिल बताया और कहा, अगर भविष्य में मेरे बेटे मीर को सिनेमा के बारे में जानना है, तो उसे कमल हासन का काम देखना होगा।

वे भारतीय सिनेमा के बाइबिल और विश्वकोश हैं। मैं हमेशा उनका आभारी रहूंगा। मैं किसी दिन आपके साथ काम करना चाहता हूं, मैं एक स्क्रिप्ट लिखकर आपके पास आऊंगा सर। इसके अलावा शंकर और एटली को जोड़ने वाली एक और सबसे बड़ी बात यह है कि एटली ने शंकर शानमुगम की एंथिरन (2010) और नानबन (2012) में सहायक निर्देशक के तौर पर काम किया था। बता दें कि ब्लॉकबस्टर निर्देशक एटली इस समय भारतीय सिनेमा में सबसे ज्यादा मांग वाले निर्देशक हैं।

शाहरुख खान, विजय सेतुपति, नयनतारा और दीपिका पादुकोण अभिनीत अपनी वैश्विक ब्लॉकबस्टर जवान के साथ फिल्म निमार्ता ने बड़े पैमाने पर सिनेमा के परिदृश्य को बदल दिया था।

सूडोकु नवताल- 6839

मध्यम

6	3	7		1	5	4		9
	8						2	
		1		4	8			6
	6			9	7	1		
7	2						5	3
		5	6	3			9	
5			8	2		3		
	4						7	
1		3	7	5		2	6	8

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -6838 का हल

5	9	4	1	7	2	6	3	8
6	8	1	4	3	5	2	7	9
2	3	7	8	9	6	1	4	5
9	2	3	7	5	1	4	8	6
4	7	6	9	2	8	5	1	3
1	5	8	3	6	4	9	2	7
8	6	2	5	4	3	7	9	1
7	1	5	2	8	9	3	6	4
3	4	9	6	1	7	8	5	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

शब्दजाल - 7586

मु	हु	मे	रि	दु	ला	रा	ल	च	ट	र्जी
का	खु	क	दू	इं	जी	ने	शि	या	ड़	नी
ब	पी	जा	ल्हे	र	ग	बा	द	ह	प	ल
ला	ग	ए	रा	जा	बा	बू	ल	ह	लि	प्रे
व	र	रा	जा	जी	ह	ला	कि	यो	प	म
ल	इ	वि	मो	ग	प	वा	शी	ह	गी	श
न	अ	ल	रा	व	मा	जो	न	व	प	क्ति
क	रि	ल	र	य	र	ह	त्या	ल	वि	रे
र	या	बा	बे	ह	न	ज	जी	शा	जू	ड्डी
र	ग	ल	नो	ला	व	शि	का	री	टि	ल
बां	स	सा	ज	न	च	ले	स	सु	रा	ल

शब्दजाल में 'गोविंदा' अभिनीत 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे व तिरछे हैं.

मुकाबला,राजा बाबू, दुलारा, प्रेमशक्ति, दुल्हे राजा,साजन चले ससुराल,शिकारी, अलबेला,हत्या,राजाजी

शब्दजाल - 7585 का हल

गे	रा	जें	द्र	कु	मा	य	वा	ज	पे	यी
द	गा	ल	प्रे	व	जी	म	द	ह	कां	रा
वि	स	की	म	को	ह	रा	म	ल	ख	म
मि	स	स	क	दि	वा	ज	ध	त्रि	श	दु
श	आ	र	ग	स	ज	ना	तू	दे	झ	प
न	ल	ला	र	दि	स	उ	ती	व	घ	रिं
क	व	रि	फ्यू	जी	प	बा	ज	ती	व	दा
श	एं	वा	ई	द	ब	ई	डू	ए	श	न्हा
मी	ड	ल	फू	ल	औ	र	आ	ग	शी	आ
र	गॉ	ल	प	लि	जी	शी	ला	कौ	ल	द
वि	ज	अ	ग्नि	सा	क्षी	डि	त	ब	प	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-6539

4	7		6		2	1
1	31	2	38		28	
	1	6		7	2	
6	36		33		28	5
3		7		2	1	
	32		31	4	33	2
2	3		4		6	7

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6538 का हल

4	3	7	1	6	2	5
3	32	6	36	2	30	1
6	1	2	5	7	4	3
5	33	1	29	4	30	6
7	6	5	4	1	3	2
2	30	4	32	3	31	7
1	2	3	7	5	6	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

पेरिस ओलंपिक से पहले पीएम मोदी की देशवासियों से अपील, खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाने का किया आग्रह

नई दिल्ली ।

बारबाडोस में खेले गए टी20 विश्व कप के फाइनल मुकाबले में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को सात रनों से हरा दिया। इस जीत के साथ भारत ने 17 साल बाद दूसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब अपने नाम किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस शानदार जीत के लिए टीम इंडिया को बधाई दी। इस ऐतिहासिक पल के एक दिन बाद उन्होंने मन की बात कार्यक्रम में पेरिस ओलंपिक के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने देशवासियों से 26 जुलाई से होने वाले पेरिस ओलंपिक में भारत के एथलीटों का उत्साह बढ़ाने का आग्रह किया। बता दें कि पेरिस ओलंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त तक जारी रहेगा। टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत सात मेडल जीतने में कामयाब रहा था, जिसमें एक स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदक शामिल था।

पीएम मोदी का देशवासियों से अनुरोध – रेडियो कार्यक्रम मन की आवाज में पीएम मोदी ने कहा, मेरे प्रिय देशवासियों अगले महीने से पेरिस ओलंपिक शुरू होने वाला है। मुझे यकीन है कि आप भी भारत का उत्साह बढ़ाने के लिए इस पल का इंतजार कर रहे हैं। मैं ओलंपिक गेम्स के लिए भारतीय टीम को शुभकामनाएं देता हूं। टोक्यो ओलंपिक की यादें आज भी हमारे दिमाग में ताजा है। उन्होंने आगे कहा कि टोक्यो ओलंपिक के प्रदर्शन ने देश का दिल जीत लिया और कई खिलाड़ियों ने ऐतिहासिक प्रदर्शन के बाद विभिन्न खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता के लिए कड़ी तैयारी करके और दुनिया भर में कुल मिलाकर नौ सौ विभिन्न आयोजनों में भाग लेकर अपने मिशन पेरिस 2024 की शुरुआत की। पीएम मोदी ने कहा, टोक्यो में हमारे खिलाड़ियों का प्रदर्शन सभी भारतीयों के दिल को जीत लिया। टोक्यो ओलंपिक के तुरंत बाद ही हमारे खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक की तैयारी में जुट गए। अगर सभी खिलाड़ियों को एक साथ ले आए तो इन सभी में लगभग नौ सौ अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा ले चुके हैं। यह बहुत बड़ी संख्या है।

इस बार होगा कुछ नया – प्रधानमंत्री ने बताया कि इस बार पेरिस ओलंपिक में कुछ चीजें पहली बार होगी। उन्होंने कहा, दोस्तों इस बार पेरिस ओलंपिक में आपको कुछ ऐसी चीजें देखने को मिलेंगी, जो पहली बार हो रहा होगा। शूटिंग में हमारे खिलाड़ियों की प्रतिभा निखर कर सामने आ रही है। टेबल टेनिस में महिला और पुरुष दोनों ही क्वालीफाई कर चुके हैं। हमारी शूटर बेटियां भी गनशॉट टीम का हिस्सा हैं। इस बार हमारे खिलाड़ी कुश्ती और घुड़सवारी में भी हिस्सा ले रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा, आप अंदाजा लगा सकते हैं कि इस बार खेलों में एक अलग ही स्तर का उत्साह देखने को मिलेगा। आपको याद होगा, हाल ही में हमने वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियंशिप में शानदार प्रदर्शन दिखाया था। हमारे खिलाड़ियों ने शतरंज और बैडमिंटन में परचम लहराया है। अब पूरे देश को उम्मीद है कि हमारे खिलाड़ी ओलंपिक में भी शानदार प्रदर्शन करेंगे। इन खेलों में मेडल जीतेंगे। आने वाले दिनों में मुझे भी भारतीय टीम से मिलने का मौका मिलेगा। मैं आपकी ओर से उन्हें प्रोत्साहित करूंगा।

न्यूज ब्रीफ

कुछ महीनों में चीजें ठीक नहीं रही, मुझे यकीन था एक दिन मैं फिर चमकूंगा, मैदान में टीम इंडिया की जीत के बाद फूट-फूटकर रोए हार्दिक पांड्या

नई दिल्ली। टीम इंडिया टी 20 क्रिकेट विश्व कप विजेता बन गई है। भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 7 रन से हराकर यह खिताब अपने नाम किया। मैच में एक मोड़ ऐसा भी आया जब जीत भारत से दूर जाती दिखी। दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 30 गेंदों पर 30 रन चाहिए थे और 6 विकेट बाकी थे, लेकिन तब टीम इंडिया के गेंदबाजों का जादू चला। जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह और हार्दिक पांड्या ने विकेट की झड़ी लगा दी। आखिरी ओवर में हार्दिक पांड्या गेंदबाजी करने आए थे जब साउथ अफ्रीका को जीत के लिए 16 रन बनाने थे लेकिन पांड्या ने इस प्रेशर को अपने ऊपर हावी नहीं होने दिया और सटीक गेंदबाजी की। आखिरी गेंद डालते ही हार्दिक और टीम जीत के जश्न में डूब गई। मैच खत्म होते ही पांड्या फूट फूट कर रोने लगे। पिछले कुछ महीनों के संघर्ष के बाद वह मैदान पर अपने आंसू रोक नहीं पाए। 2023 वर्ल्ड कप में चोट की वजह से बाहर होने के बाद से चीज़ें खराब होती गई। आईपीएल में रोहित शर्मा की जगह मुंबई इंडियंस की कप्तानी मिली तो फैंस ने जमकर ट्रोल किया। इसका असर परफॉर्मेंस पर पड़ा। ना बल्ले से रन बन रहे थे और ना ही गेंदबाजी में कुछ कर पा रहे थे। 14 मैचों में हार्दिक ने सिर्फ 216 रन बनाए और 11 विकेट लिए। मुंबई इंडियंस का प्रदर्शन भी खराब रहा और टीम टूर्नामेंट में निचले पायदान पर रही। इन सबका मानसिक दबाव पहले से झेल रहे हार्दिक पांड्या के निजी जिंदगी में भी काफ़ी कुछ ठीक नहीं चल रहा था। मीडिया में उनकी पत्नी से तलाक की खबरें आईं। सोशल मीडिया पर उनकी पत्नी नताशा ने शादी की सभी तस्वीरों को हटा दिया जिसके बाद यह खबर फैल गई कि दोनों के बीच अनबन है। यह भी खबर आई कि हार्दिक को अपनी 70 फीसदी प्रॉपर्टी पत्नी नताशा के नाम करनी होगी। साथ ही बेटे की कस्टडी भी छिन जाएगी। इन सब को पीछे छोड़ते हुए हार्दिक पांड्या ने टी20 विश्व कप में कमाल का प्रदर्शन किया। मैच के बाद उन्होंने कहा कि यह बेहद भावुक पल है। खासकर मेरे लिए छह महीने से मैंने एक शब्द भी नहीं बोला है, चीजें ठीक नहीं रही हैं, लेकिन मुझे पता था कि एक समय आएगा जब मैं चमकूंगा।

अनिल धूपर विम्बलंडन टेनिस चैम्पियनशिप के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त

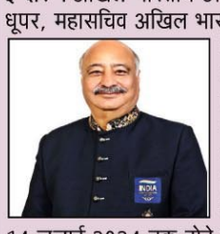

इन्दौर । अखिल भारतीय टेनिस संघ ने अनिल धूपर, महासचिव अखिल भारतीय टेनिस संघ एवं सचिव मध्य प्रदेश टेनिस संघ को विम्बलंडन टेनिस चैम्पियनशिप 2024 के लिए पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। लंदन में 1 जुलाई से 14 जुलाई 2024 तक होने वाली इस ग्रैंड स्लैम टेनिस प्रतियोगिता में खेली जा रही विभिन्न प्रारूपों एवं प्रतियोगिता आयोजन कराने की कार्यशैली के अध्ययन का विशलेषण कर धूपर अखिल भारतीय टेनिस संघ को एक विशेष रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे, जिससे कि भारतीय टेनिस संघ भविष्य में इसे भारतीय टेनिस की उन्नति के लिए उपयोग मे ले सकें। धूपर को विम्बलंडन टेनिस चैम्पियनशिप में भारतीय पर्यवेक्षक के रूप में नियुक्त होने पर मध्य प्रदेश टेनिस संघ के अध्यक्ष अनिल महाजन एवं समस्त पदाधिकारियों ने हार्दिक बधाईयां दी।

केशव-हेमंत, प्रतीक-सोहेल की जोड़ी सेमीफाइनल में, आई.टी.सी. इन्दौर ओपन टेनिस कोचेस डबल्स टेनिस टूर्नामेन्ट

इन्दौर । इन्दौर टेनिस क्लब के तत्वाधान में आयोजित की जा रही आई.टी.सी. इन्दौर ओपन टेनिस कोचेस डबल्स टेनिस टूर्नामेन्ट में केशव पाटीदार-हेमंत जगधने, प्रतीक परिहार-सोहेल अली की जोड़ी ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया। साजिद लोदी-अजहर खान, तथा आकाश शर्मा-पिंटू आर्य की जोड़ी ने भी सेमीफाइनल में जगह बना ली है। स्पर्धा के पुरुष युगल क्वार्टर फायनल में केशव पाटीदार-हेमंत जगधने की जोड़ी ने अरशद खान-मयंक जाधव को 6-2 से, प्रतीक परिहार-सोहेल अली ने जावेद हनीफ-दिव्यलक्ष्य चौहान को 6-3 से, साजिद लोदी-अजहर खान ने आदिल खान-टीकम ब्रहमने की जोड़ी को 6-3 से तथा पिंटू आर्य-आकाश शर्मा की जोड़ी ने दानिश खान-आदिल खान को 6-1 से शकिस्त दी।

भारत का टीम परफॉर्मेंस : 8 मुकाबलों में 7 अलग-अलग प्लेयर ऑफ द मैच ; वर्ल्ड कप जीताने वाले 10 किरदार

नई दिल्ली।

टीम इंडिया ने पहले ऑस्ट्रेलिया और फिर इंग्लैंड और उसके बाद साउथ अफ्रीका को हराकर टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब अपने नाम किया। भारत ने ऑस्ट्रेलिया से 2023 वनडे वर्ल्ड कप फाइनल और इंग्लैंड से 2022 टी-20 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल की हार का बदला लिया और दोनों को हराकर टूर्नामेंट से ही बाहर कर दिया। भारत की लगातार 8 जीत में 1 या 2 नहीं, बल्कि पूरे 9 प्लेयर्स का अहम योगदान रहा। टीम की प्लेइंग-11 का हिस्सा रहे बाकी 3 खिलाड़ियों की परफॉर्मेंस भले ही उतनी अच्छी न रही हों, लेकिन इन प्लेयर्स ने टीम के लिए कुछ मौकों पर अहम योगदान जरूर दिया।

8 मैच जीते, 7 खिलाड़ी प्लेयर ऑफ द मैच

भारत इस टी-20 वर्ल्ड कप में अजेय है, टीम ने ग्रुप और सुपर-8 स्टेज में 3-3 मैच जीते। कनाडा के खिलाफ ग्रुप मैच बेनतीजा रहा, वहीं सेमीफाइनल में टीम ने इंग्लैंड को मात दी। जबकि फाइनल में साउथ अफ्रीका को हराया। इन 8 मुकाबलों में 7 अलग-अलग खिलाड़ी प्लेयर ऑफ द मैच रहे। भारत ने टूर्नामेंट में ज्यादा एक्सपेरिमेंट भी नहीं किए और 8 मैच में 12 ही प्लेयर्स को मौके दिए। शुरुआती 3 मैच खेलने वाले मोहम्मद सिराज की जगह कुलदीप यादव को लाए। कुलदीप ने बाद के 5 मैच खेले। भारत के अलावा साउथ अफ्रीका ने ही टूर्नामेंट में सबसे कम 12 प्लेयर्स ट्राई किए। दोनों ही टीमें फाइनल खेलीं, बाकी सभी टीमों ने 13, 14 या 15 प्लेयर्स तक को मौके दे दिए।

टूर्नामेंट में परफॉर्मेंस...

1. टॉप-4 बैटर्स

रोहित शर्मा: आयरलैंड के खिलाफ न्यूयॉर्क की मुश्किल पिच पर कप्तान रोहित ने फिफ्टी लगाई। उन्होंने अगले 4

मैच तक अपना अटैकिंग रोल जारी रखा, लेकिन असफल रहे। रोहित ने फिर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 41 बॉल पर 92 रन बनाए। उन्होंने सेमीफाइनल में भी अहम फिफ्टी लगाई और सूर्या के साथ मैच विनिंग 75 रन की साझेदारी की। कप्तान टीम के टॉप रन स्कोरर भी हैं।

सूर्यकुमार यादव: आयरलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ सूर्यकुमार कुछ खास नहीं कर सके, लेकिन अमेरिका के खिलाफ शुरुआती 3 विकेट गिर जाने के बाद टीम को संभाला। सूर्या ने फिफ्टी लगाई और टीम को जीत दिलाई। वह अफगानिस्तान के खिलाफ अर्धशतक लगाकर प्लेयर ऑफ द मैच बने। ऑस्ट्रेलिया के सामने सूर्या ने 16 बॉल पर 31, इंग्लैंड के खिलाफ 36 बॉल पर 47 रन बनाए और टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। वह टूर्नामेंट में 200 रन बनाने के करीब हैं।

ऋषभ पंत: ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ विकेटकीपर पंत कुछ खास नहीं कर सके, लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ 42 और आयरलैंड-बांग्लादेश के खिलाफ मुश्किल पिच पर 36-36 रन की पारी खेलकर जीत में अहम भूमिका निभाई। पाकिस्तान के खिलाफ तो उन्होंने 3 अहम कैच भी पकड़े थे। पंत टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 11 कैच पकड़ चुके हैं, उन्होंने एक स्टंपिंग भी की है।

विराट कोहली: टीम इंडिया ने टूर्नामेंट में एक्सपेरिमेंट किया और नंबर-3 पर उतरने वाले कोहली को ओपनिंग भेज दिया। इस पोजिशन पर वह बुरी तरह फेल रहे और शुरुआती 3 पारियों में 1, 4 और 0 के स्कोर ही बना सके। सुपर-8 में फिर उन्होंने अफगानिस्तान के खिलाफ 24 और बांग्लादेश के खिलाफ 37 रन बनाए। ऐसा लगा जैसे विराट फॉर्म में आ गए, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खाता खोले बगैर आउट हो गए। इंग्लैंड के खिलाफ भी वह 9 ही रन बना सके। वहीं उन्होंने फाइनल में साउथ अफ्रीका के खिलाफ 76 रन की पारी खेली।

2. टॉप-3 ऑलराउंडर्स

हार्दिक पंड्या: उप कप्तान हार्दिक ने बैटिंग, बॉलिंग के साथ फील्डिंग में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। आयरलैंड के खिलाफ 3, वहीं पाकिस्तान-अमेरिका के खिलाफ 2-2 विकेट लिए। ग्रुप स्टेज में अच्छी बॉलिंग के बाद हार्दिक ने अफगानिस्तान के सामने 32, ऑस्ट्रेलिया के सामने 27 और इंग्लैंड के सामने 23 रन की अहम पारी खेली। बांग्लादेश के खिलाफ उन्होंने महज 27 बॉल पर फिफ्टी लगाई और एक विकेट लिया, इस प्रदर्शन के लिए वह प्लेयर ऑफ द मैच बने। वहीं फाइनल में पंड्या ने 2 गेंद पर 5 रन बनाए, तो वहीं 3 ओवर में 20 रन देकर 3 विकेट लिए।

अक्षर पटेल: सेमीफाइनल के प्लेयर ऑफ द मैच अक्षर टूर्नामेंट में भारत के सेकेंड बेस्ट ऑलराउंडर और सेकेंड बेस्ट स्पिनर साबित हुए। इंग्लैंड के खिलाफ 3 विकेट लेने से पहले उन्होंने बांग्लादेश को छोड़कर हर मैच में 1-1 विकेट लिया था। वह टूर्नामेंट में 8.00 की इकोनॉमी से 8 विकेट ले चुके हैं। इसके अलावा लोअर ऑर्डर में वह 139.39 के स्ट्राइक रेट से 93 रन भी बना चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने डीप स्क्वेयर लेग पोजिशन पर हवा में जम्प कर एक हाथ से मिचेल मार्श का बेहतरीन कैच पकड़ा, जो टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। जबकि फाइनल में उन्होंने 31 गेंदों पर 47 रन बनाए।

शिवम दुबे: अमेरिका के खिलाफ दुबे को एक ओवर गेंदबाजी का मौका मिला, इसमें उन्होंने 11 रन दिए। इसके अलावा उन्होंने टूर्नामेंट में कोई ओवर नहीं फेंका। हालांकि, बांग्लादेश (34), अमेरिका (31*) और ऑस्ट्रेलिया (28) और साउथ अफ्रीका के खिलाफ (27) उन्होंने छोटी लेकिन उपयोगी पारियां खेलीं।

3. टॉप-3 बॉलर्स

अर्शदीप सिंह: सेमीफाइनल में कोई विकेट नहीं ले सके अर्शदीप ने इससे पहले हर मुकाबले में कम से कम एक विकेट तो जरूर लिया। पाकिस्तान के खिलाफ एक, लेकिन आयरलैंड-बांग्लादेश के खिलाफ उन्होंने 2-2 विकेट लिए। अफगानिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वह थोड़े महंगे साबित हुए, लेकिन 3-3 विकेट भी झटक लिए। अमेरिका के खिलाफ अर्शदीप ने महज 9 रन देकर 4 विकेट झटके और प्लेयर ऑफ द मैच रहे। यह टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में किसी भी भारतीय की बेस्ट बॉलिंग भी रही। वहीं फाइनल में उन्होंने 2 विकेट लिए।

जसप्रीत बुमराह: वनडे वर्ल्ड कप में इंजरी के बाद वापसी करने वाले बुमराह टीम इंडिया के सबसे जरूरी और अहम खिलाड़ी हैं। आयरलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ प्लेयर ऑफ द मैच रहे बुमराह कुल 15 विकेट लेकर टीम के दूसरे टॉप विकेट टेकर हैं।

टी20 विश्व कप जीत के साथ द्रविड़ बोले, कोच के तौर पर यात्रा अच्छी रही

ब्रिजटाउन ।

भारतीय क्रिकेट टीम के टी20 विश्व कप जीतने से उत्साहित मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने कहा कि उनकी ये यात्रा काफी अच्छी रही। इसी के साथ ही द्रविड़ का कोच के तौर पर कार्यकाल भी समाप्त हो गया। उन्होंने कप्तान रोहित शर्मा की भी जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी मुझे सबसे ज्यादा याद आयेगी।

द्रविड़ ने विश्व कप 2024 जीतने के लिए टीम के प्रति आभार भी व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रतिष्ठित ट्रॉफी जीतना एक अच्छा एहसास है। द्रविड़ ने कहा, एक खिलाड़ी के तौर पर मैं ट्रॉफी जीतने के लिए भाग्यशाली नहीं रहा पर जब भी मैंने खेला, मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ देने का प्रयास किया। मैं भाग्यशाली

रोहित की सबसे ज्यादा याद आयेगी

रहा कि मुझे ऐसी टीम का कोच बनने का अवसर मिला जिसने मुझे ट्रॉफी जीत कर दी। यह एक शानदार अहसास है हालांकि इसके लिए मैंने कोई सुधार नहीं किये। ये केवल वह काम था जो मैं कर रहा था। मुझे रोहित और उनकी टीम के साथ काम करना पसंद रहा है, यह एक शानदार यात्रा थी और मैंने वास्तव में इसका आनंद लिया।

द्रविड़ ने कप्तान रोहित शर्मा के टी20 से संन्यास पर कहा कि कप्तान जिस तरह के व्यक्ति हैं, उससे मैं प्रभावित हूं। साथ ही कहा कि रोहित की प्रतिबद्धता मुझे पसंद है। उन्होंने कहा, मैं उन्हें एक व्यक्ति के रूप में मिस करूंगा। जो चीज मुझे प्रभावित करती है, वह है कि वह उन्होंने मुझे जो सम्मान दिया है, टीम के लिए उनकी किस तरह की देखभाल और प्रतिबद्धता थी, उन्होंने किस तरह की ऊर्जा खर्च की और उन्होंने कभी पीछे कदम नहीं किये। मेरे लिए, रोहित वह व्यक्ति होगा जिसकी मुझे सबसे ज्यादा याद आएगी।

पूर्व भारतीय फुटबॉलर भूपिंदर सिंह रावत का 85 साल की उम्र में निधन

सूरत।

अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने भारत के पूर्व विंगर भूपिंदर सिंह रावत के निधन की पुष्टि की है, जिनका संक्षिप्त बीमारी के बाद निधन हो गया। वह 85 वर्ष के थे।

रावत के परिवार में पत्नी, एक बेटा और एक बेटी है। 1960 और 1970 के दशक के तेज तर्रार खिलाड़ी, रावत 1969 में मलेशिया में मर्डेका टूर्नामेंट में भारतीय टीम के सदस्य थे। घरेलू फुटबॉल में, उन्होंने दिल्ली गैरीसन, गोरखा ब्रिगेड और मफतलाल जैसी शीर्ष टीमों के लिए खेला। उन्होंने संतोष ट्रॉफी के लिए राष्ट्रीय फुटबॉल चैम्पियनशिप में सर्विसेज और महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व किया।

अपनी छोटी कद-काठी के बावजूद प्रतिद्वंद्वी डिफेंस को भेदने की अपनी गति और क्षमता के कारण भीड़ के चहेते रावत को स्टैंड में उनके प्रशंसकों द्वारा स्कूटर उपनाम दिया गया था। एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने एआईएफएफ मीडिया टीम से कहा, भूपिंदर सिंह रावत एक उत्कृष्ट विंगर और एक शानदार स्कोरर थे, जिन्होंने खेल को उत्कृष्टता के साथ सेवा प्रदान की।

दुख की इस घड़ी में मैं उनके परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

एआईएफएफ के कार्यवाहक महासचिव एम सत्यनारायण ने कहा, भूपिंदर सिंह रावत अपने समय के एक कुशल फुटबॉलर थे और दर्शक उन्हें खेलते देखना पसंद करते थे। भारतीय फुटबॉल बिरादरी की ओर से, मैं उनके निधन पर शोक व्यक्त करता हूं।

खेल मंत्री मंडाविया ने एनआईएस पटियाला का दौरा किया

पटियाला।

केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने एनआईएस पटियाला का दौरा किया और ओलम्पिक जाने वाले खिलाड़ियों भारोत्तोलक मीराबाई चानू, भाला फेंक एथलीट अन्नू रानी और शॉट पुटर आभा खाटुआ से मिले तथा नए आधारभूत ढांचे की प्रगति का निरीक्षण किया। मंडाविया ने कहा, मीराबाई, अन्नू रानी और आभा के साथ मेरी बातचीत से मुझे विश्वास हुआ कि हमारे एथलीटों को पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों की तैयारी में सर्वोत्तम संभव समर्थन मिला है। मीराबाई चानू ने युवा मामले और खेल मंत्रालय के अपार समर्थन पर प्रकाश डाला, विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका के सेंट लुइस से विश्व प्रसिद्ध खेल वैज्ञानिक डॉ. आरोन होर्शिंग की सेवाओं को सुरक्षित करने में सक्षम होने के बारे में, जबकि अन्नू रानी ने यूरोपीय ठिकानों पर लंबे समय तक प्रशिक्षण लेने में सक्षम होने के बारे में उत्साहपूर्वक बात की। मंडाविया ने यहां राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र में नामांकित अन्य एथलीटों और कुछ प्रमुख प्रशिक्षकों से भी बातचीत की। उन्होंने उनसे प्रतिस्पर्धी खेलों से ड्रॉप-आउट दर को कम करने के बारे में सुझाव मांगे।उन्होंने पूछा आपको आवश्यक समर्थन मिल रहा है। हालांकि, उनमें से कई लोग, जिन्होंने आपके साथ शुरुआत की, लेकिन पदक नहीं जीते, पीछे रह गए। हम उनके लिए क्या कर सकते हैं उन्होंने यह भी साझा किया कि खेलों के समग्र विकास के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र

मोदी की इच्छा को ध्यान में रखते हुए, सरकार जमीनी स्तर की प्रतिभा की पहचान और पोषण को प्रोत्साहित करेगी। खेल मंत्री ने एनएसएनआईएस की भी समीक्षा की और खेल के विभिन्न क्षेत्रों, खेल विज्ञान सुविधाओं और नए बुनियादी ढांचा परियोजना स्थलों का दौरा किया। वह खेल विज्ञान के लिए उच्च-प्रदर्शन केंद्र और रसोई और भोजन कक्ष की प्रगति से भी प्रसन्न थे। मुझे भारतीय खेल के पारंपरिक घर, एनआईएस में आकर खुशी हो रही है। यह न केवल गुणवत्तापूर्ण कोच तैयार करने के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बना हुआ है जो जमीनी स्तर पर बदलाव ला सकता है बल्कि इसमें बेहतरीन प्रशिक्षण सुविधा भी है। मंडाविया ने कहा, हमारे कुछ एथलीट जिन्होंने दुनिया भर के अन्य केंद्रों में प्रशिक्षण लिया है, उनका मानना है कि एनआईएस की तुलना सर्वश्रेष्ठ से की जा सकती है।

अफगान टीम के कप्तान राशिद खान की जर्नी प्रेरणादायक, राशिद का बचपन बेहद कठिनाई में रिफ्यूजी कैंप में बीता

नई दिल्ली ।

टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में हार के साथ अफगानिस्तान का सफर भले ही समाप्त हो गया हो, लेकिन उन्होंने पहली बार किसी विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। टीम के लिए यह एक बडी उपलब्धि है। इसके लिए ऑस्ट्रेलिया जैसी बड़ी टीम को भी मात दी।

अफगानिस्तान को यहां तक पहुंचाने में टीम के कप्तान राशिद खान ने अहम योगदान दिया। राशिद की जर्नी काफी प्रेरणादायक रही है जिन्होंने रिफ्यूजी कैंप से अफगानिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बनने तक का सफर तय किया है। राशिद का बचपन बेहद कठिनाई में बीता। 2001 में अफगानिस्तान में अमेरिका और तालिबान के बीच छिड़े युद्ध ने उनके परिवार को घर छोड़ना पड़ा और

पाकिस्तान बॉर्डर के पास रिफ्यूजी कैंप में रहने लगे। पेशावर की गलियों में खेलते हुए राशिद का जीवन आगे बढ़ा। मैट्रिक की पढ़ाई के बाद उन्होंने 6 महीने तक अंग्रेजी की स्पेशल ट्यूशन ली और फिर इंग्लिश ट्यूशन पढ़ाने लगे। इंग्लिश के अलावा राशिद पश्तो, दारी, उर्दू, और हिंदी भी बोल लेते हैं।

राशिद पढ़ाई में बेहद होशियार थे। उनकी मां का सपना था कि राशिद बड़े होकर डॉक्टर बनें, लेकिन अफगानिस्तान में तालिबान और अमेरिका के बीच बार-बार होने वाले युद्ध के कारण उन्हें कभी अफगानिस्तान तो कभी पाकिस्तान में हना पड़ा। इससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हुई। जब राशिद बड़े हो रहे थे तो उस समय पाकिस्तानी ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी का अलग ही क्रैज था। उनको देखकर राशिद ने भी वैसी ही बैटिंग और स्पिन सीखी। क्रिकेट के अभ्यास के लिए वे भाइयों के साथ घंटों खेलते और इस तरह उनका क्रिकेटर बनने का सफर शुरू हुआ। इस दौरान उन्होंने यूट्यूब से भी सीखा। वह पसंदीदा स्पिनर्स की तकनीक वीडियो देखकर सीखते थे। कई पाकिस्तानी और अफगान प्रशंसक उन्हें अफगान अफरीदी भी कहते हैं। 2015 में मात्र 17 साल की उम्र में राशिद खान ने जिम्बाब्वे के खिलाफ वनडे और टी20 इंटरनेशनल में डेब्यू किया। इसके बाद 2018 में उन्होंने भारत के खिलाफ पहला टेस्ट खेला। 2019 में मात्र 21 साल की उम्र में उन्हें टीम के तीनों फॉर्मेट (टेस्ट, वनडे और टी20) का कप्तान बना दिया गया। हालांकि इसी साल उन्हें हटाकर असगर अफगान को कप्तानी दे दी गई।

2024 के टी20 वर्ल्ड कप के लिए उन्हें एक बार फिर से टीम का कप्तान बनाया गया था। करियर की बात करें तो 21 साल की उम्र में बने अफगानिस्तान टीम के कप्तान। कुल 201 मैचों (टेस्ट, वनडे और टी20) में 269 विकेट लिए हैं। मात्र 53 मैचों में 100 टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट लेने का रिकॉर्ड।आईपीएल और बीबीएल सहित दुनियाभर की लगभग सभी बड़ी क्रिकेट लीग में हिस्सा लेना। राशिद पाकिस्तान की घरेलू टीम की ओर से भी खेल चुके हैं। 2020 में आईसीसी ने राशिद खान को दशक का सर्वश्रेष्ठ पुरुष टी20 क्रिकेटर के रूप में सम्मानित किया था। राशिद ने बताया था कि अगर वे क्रिकेटर नहीं होते तो फुटबॉल में करियर बनाते। उन्हें बॉलीवुड फिल्मों का बेहद शौक है। सलमान उनके फेवरेट एक्टर हैं।

हरड़ का सेवन रखें शरीर को तंदुरुस्त

हरड़ त्रिफला चूर्ण से बनी आयुर्वेदिक जड़ी बूटी है। यह कई प्रकार से सेहत के लिए लाभकारी होती हैं। इसे हरीतकी भी कहा जाता है। इसके सेवन से बहुत सारी बीमारियों से छुटकारा मिलता हैं। हरड़ पेट को साफ करने और पाचन तंत्र को सुधार कर इसे मजबूत करने का काम करती है। आयुर्वेद के अनुसार यह जड़ी-बूटी पोषक तत्वों का अच्छे से समावेश कर शरीर को स्वस्थ बनाती है।

इन कारणों से हो सकता है ब्रेन ट्यूमर

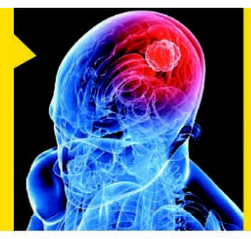

सिरदर्द होना आम बात है, जिसे लोग हमेशा हलके में लेते है। लेकिन ये सिर दर्द आपके ब्रेन ट्यूमर का कारण बन सकता है। यदि ऐसे स्थिति से आप गुजर रहे है तो तुरंत जांच कराएं अगर आपको सुबह उठकर उबकी या उल्टियां आती है, तो इसे हलके में बिल्कुल न लें। जब शरीर में मूवमेंट करने के दिक्कत आ रही हो, तो तुरंत जाकर जांच करवाइए। ऐसा तब होता है जब सेरिबैलम में ट्यूमर पनपने लगता है।

पैरों व टखनों की सूजन कम करने के उपाय

पैरों या टखनों की सूजन एक आम समस्या है जो कई कारणों से हो सकती है। इस समस्या में पैरों में सूजन व काफी दर्द होता है। इससे निपटने के लिए घरेलू उपाय अपनाए जा सकते हैं। जैसे गर्म पानी में पैर डुबोना, तेल मालिश, बर्फ की मसाज आदि।

इन कारणों से होती है सूजन

पैर व टखनों की नसों में होने वाली सूजन को टेन्डोनिटिस कहा जाता है। इस स्थिति में पीड़ित व्यक्ति को काफी तकलीफ का सामना करना पड़ता है। इसमें पैर, खासतौर पर टखनों और एड़ियों के आसपास सूजन, लालिमा और जलन हो जाती है। यह समस्या पैर के निचले हिस्से में भारी दबाव के कारण पैदा होती है। कई बार यह गलत साइज के जूते पहनने से, मोटापे से, गर्भावस्था में, ठोकर लगने से या शुगर के कारण भी यह समस्या पैदा हो जाती है। लेकिन इसके लिए बहुत ज्यादा चिंता करने की जरुरत नहीं। आप कुछ आसान प्राकृतिक व घरेलू उपाय अपनाकर भी पैरों व एड़ियों की सूजन से निजात पा सकते हैं।

गर्म तेल से मालिश

कटोरी में थोड़ा तेल लें, तवे पर रखकर उसे गर्म कर लें। इस तेल से पैर की मसाज करें। मसाज हल्के हाथों से, कुछ मिनटों के लिए करें। इससे प्रभावित नसों में रक्त का संचार होगा और दर्द दूर होगा और आपको आराम मिलेगा। जब तक सूजन बनी रहे, दिन में दो से तीन बार इस तरह से मसाज करें। इस मसाज के लिए आप जैतून या नारियल के तेल का इस्तेमाल करें। ये ध्यान रखे मालिश के सयम कमरें का तापमान सामान्य हो। एसी या ठंडे वातावरण में मालिश ना करें।

सिरके का उपयोग

पैर का दर्द और सूजन सिरके से भी कम कर सकते हैं। सामान मात्रा में पानी और सिरका मिलाकर इस कुछ देर तक गर्म करें और इसमें एक मुलायम मलमल या फिर सूती का कपड़ा डालकर दर्द वाली जगह पर लगाएं। इस प्रक्रिया को दिन में दो से तीन बार करें और बाद में इसे पोंछकर मॉइस्चराइजिंग क्रीम लगाएं।

बर्फ की सेंक

बर्फ की सेंक टखने की सूजन और दर्द को दूर करने के लिए एक कारगर घरेलू उपाय है। इसके लिए, कुछ बर्फ के टुकड़े लें और उसे बेलन या किसी और चीज की सहायता से तोड़ लें। फिर एक बैग में रखकर कॉटन के टॉवेल में लपेट लें। इस बैग को दर्द वाली जगह पर रखें। इससे सूजन और दर्द दोनों कम होंगे। एक बार में आप इस बैग को 15 मिनट तक रख सकते हैं। ज्यादा आराम के लिए इसे दिन में कई बार इस्तेमाल करें।

गर्म पानी और नमक

फुट टेन्डोनिटिस में गर्म पानी और सेंधा नमक भी कारगर है। गर्म पानी में सेंधा नमक मिलाकर 10 से 15 मिनट के लिए अपना पैर इसमें रखें। पानी की गर्माहट दर्द को खीच लेगी और सेंधे नमक से शरीर में मैग्नीशियम की पूर्ति होगी। पैर को ड्राईनेस से बचाने के लिए इस प्रक्रिया को दिन में एक बार ही करें। इसके बाद गीलेपन को पोंछ लें। इस पानी में खुशबू वाले तेल की कुछ बूंदे भी डाल सकते हैं।

आटा

आटा ऐसी चीज है जो हर किचन में आसानी से उपलब्ध हो जाती है। आटा गर्माहट देने वाला होता है, इसकी गर्माहट से दर्द से जल्दी राहत मिल जाती है। आटे और वाइन का पेस्ट बना कर तीस मिनट तक दर्द वाली जगह पर लगाएं। उसके बाद गुनगुने पानी से इसे धोकर हल्की मसाज के साथ मॉइस्चराइजर लगाएं।

लहसुन

रोज लहसुन या फिर लहसुन के तेल वाली कैप्सूल खाने से टखनों और पैरों की सूजन कम होने लगती है। अपने खाने में लहसुन मिलाएं या फिर ऐसे ही लहसुन की कली चबाएं। आप देखेंगे कि इसका असर तुरंत होता है।

बॉल के साथ एक्सरसाइज

जूते को खोलकर आराम से बैठ जाएं। उसके बाद गोल्फ की गेंद के ऊपर बारी-बारी से पैरों को रख कर धीरे-धीरे गेंद को गोलाकर गति में घुमाते हुए दबायें। इस व्यायाम से पैरों का दर्द कुछ देर के बाद कम होने लगेगा। इस व्यायाम से पैरों की मांसपेशियों को भी जान मिलती है।

लिंफ नोड्स की सूजन हटाएं

लिंफ नोड में अगर सूजन आ गई है तो शरीर में दूसरी समस्याएं भी शुरू हो सकती हैं, लिंफ नोड की सूजन कम करने के लिए आपके घर में कौन से घरेलू नुस्खे मौजूद हैं, इसके बारे में इस स्लाइडशो में जानते हैं।

क्यों है लिंफ नोड में सूजन

लिंफ नोड्स एक नहीं कई ग्रंथियां होती हैं जो शरीर के विभिन्न हिस्सों जैसे - जबड़े के पीछे, आर्मपिट, कान के पीछे, कान के पीछे, सिर के पीछे, आदि अंगों में होता है। इसका प्रमुख काम इम्यून सिस्टम को सुचारु करना है जिससे शरीर हानिकारक कीटाणुओं से लड़ सकता है। लेकिन किसी कारण से लिंफ नोड्स में सूजन हो जाती है, इस समस्या को लिंफेडेनोपैथी या लिंफैडेनिटिस कहते हैं। इसके कारण शरीर के दूसरे अंगों में संक्रमण भी हो सकता है। इसके अलावा कोल्ड, टांसिल, जिंजिवाइटिस, त्वचा में संक्रमण, आदि समस्याएं भी हो सकती हैं। लिंफ नोड्स की सूजन कम करने के लिए आप घरेलू नूस्खों को आजमा सकते हैं। इस स्लाइडशो में उन नुस्खों के बारे में बता रहे हैं।

गरम पानी से सिंकाई

लिंफ नोड्स में सूजन कम करने के लिए गरम पानी से सिंकाई कीजिए। जब गरम तापमान का संपर्क शरीर के दूसरे अंगों से होता है तब शरीर का रक्त संचार बढ़ जाता है और सूजन कम हो जाती है। इसके लिए पानी को गरम कीजिए और उसमें एक साफ कपड़े को भिगोकर सूजन वाली जगह पर 5 से 10 मिनट के लिए रखें। जब तक सूजन समाप्त न हो जाए इस क्रिया को दिन में कई बार दोहराएं। गरम पानी से सूजन वाली जगह की सफाई भी कर सकते हैं।

नमक पानी

गले में या जबड़े में पाई जाने वाली लिंफ नोड में सूजन है तो नमक पानी का गरारा करने से जल्द आराम मिलता है। नमक और पानी लिंफ नोड की सूजन को कम कर देता है। इसके लिए एक कप पानी को हल्का गरम कर लीजिए, उसमें आधा चम्मच नमक मिलाइए। फिर इस पानी से गरारा कीजिए। सूजन कम होने तक दिन में कई बार इसे दोहराएं।

फायदेमंद है लहसुन

लहसुन एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो किसी भी तरह के संक्रमण को आसानी से दूर करते हैं। इसके लिए लहसुन की 2 या 3 कलियों का सेवन कीजिए। खाने में भी लहसुन का प्रयोग कीजिए। अगर समस्या अधिक गंभीर है तो लहसुन के तेल से दिन में 2 या 3 बार मालिश करें। इससे जल्द आराम मिलेगा।

सेब का सिरका

सेब का सिरका लिंफ नोड की सूजन कम करने में के लिए बहुत प्रभावशाली माना जाता है। यह शरीर के पीएच लेवेल को बढ़ा देता है जिससे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है। साथ ही इसमें मौजूद एंटीबैक्टीरियल गुण संक्रमण से भी

बचाते हैं। इसके लिए सेब के सिरके को बराबर मात्रा में पानी से मिलाकर एक कपड़े में को इसमें भिगोकर सूजन वाली जगह पर लगाएं। इसे दिन में दो बार प्रयोग करें। इसके अलावा एक चम्मच सेब का सिरका, एक चम्मच शहद को पानी में मिलाकर सेवन करने से जल्द आराम मिलता है।

बहुत गुणकारी है हल्दी

हल्दी में कई गुण मौजूद होते हैं, इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी होता है जिससे किसी भी प्रकार की सूजन आसानी से कम हो जाती है। यह संक्रमण से भी बचाता है और इसके प्रयोग से किसी प्रकार का घाव भी आसानी से और जल्दी भर जाता है। एक चम्मच हल्दी और शहद लेकर अच्छे से मिश्रण बना लीजिए, इसे सूजन वाले हिस्से पर लगाकर 10 मिनट तक रहने दें फिर इसे हल्के गरम पानी से साफ कर लीजिए। दिन में दो बार करने से जल्द आराम मिलता है।

सेहत के लिए फायदेमंद है खुबानी

खुबानी यानी ऐप्रिकॉट एक बीजयुक्त फल है। इस फल में कई प्रकार के विटामन्स और फाइबर होते हैं। खुबानी के बीज स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं। खुबानी के अनेकों लाभ हैं। खुबानी को न सिर्फ फल के रूप में बल्कि खुबानी के बीज भी इम्यून सिस्टम मजबूत करने में सहायक होते हैं। खुबानी के बीज अवश्य ही खाएं इससे शरीर को ताकत मिलती हैं। आइए जानें खुबानी के स्वास्थ्य लाभों के बारे में।

पाचन स्वास्थ्य में सुधार- खुबानी फाइबरयुक्त फल है। इससे पाचन तंत्र ठीक होता है। खुबानी खाने से कब्ज संबंधी समस्या दूर होती है। खुबानी कई पाचन संबंधी विकार और बवासीर रोग दूर करने में भी लाभकारी है। खुबानी फल से पेट के कीड़े नष्ट हो जाते हैं। सूखे

खुबानी पेट के लिए लाभकारी हैं।

हृदय स्वास्थ्य में सुधार- खुबानी ऐसा लाभदायक फल है जिससे हृदय संबंधी रोगों से आसानी से निजात पाई जा सकती हैं। खुबानी से कॉलेस्ट्रॉकल नियंत्रित होता हैं।

त्वचा सौंदर्य में बढ़ावा- खुबानी गर्मियों का फल हैं। इसके सेवन से त्वचा में निखार आता है। कील, मुंहासे, त्वचा संक्रमण इत्यादि खुबानी के सेवन से दूर हो सकते है। इतना ही नहीं वर्तमान में उद्योग जगत में खुबानी का प्रयोग करके सौंदर्य उत्पाद भी बनाए जा रहे हैं।

कैंसर निरोधी- खुबानी के बीजों में कैंसर निरोधी तत्व मौजूद होते हैं। शोधों में भी यह बात साबित हो चुकी हैं कि खुबानी बीज में पाया जाने वाला विटामिन बी-17 सामान्य कोशिकाओं के लिए पूर्णतया सुरक्षित है और जो कैंसर से बचाव में लाभकारी है।

आंखों को लाभ-खुबानी में प्रचूर मात्रा में विटामिन ए होते हैं। विटामिन ए और एंटीऑक्सीडेंट आंखों की कोशिकाओं और ऊतकों के नुकसान की पूर्ति करते हैं। मोतियाबिंद वाले रोगियों के लिए खुबानी उत्तम फल है। खुबानी के बीज से भी आंखों संबंधी समस्याएं दूर होती हैं।

खुबानी के बीज, सूखी खुबानी और खुबानी का रस सभी स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हैं।

हर पल मौत के बीच...

दुनियाभर में ऐसी कई जगहें हैं, जो रहने के लिहाज से बेहद खतरनाक मानी जाती हैं। हालांकि, इसके बावजूद इन जगहों पर लोग जान जोखिम में डालकर रहते हैं। इनमें से कई जगहें काफी ठंडी हैं, तो कई सबसे ज्यादा प्रदूषित। वहीं, कहीं पर आए दिन ज्वालामुखी विस्फोट होते रहते हैं। आइये जानें दुनिया की ऐसी ही जगहों के बारे में, जहां के लोग हर पल मौत के बीच रहते हैं।

अजब सी वो गंध

दक्षिण अमेरिकी देश पेरू की ला ओरोया सिटी दुनिया की खतरनाक जगहों में से एक है। यहां की आबोहवा इस शहर को खतरनाक बनाती है। दरअसल, ला ओरोया दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों में से एक है। यहां की हवा में हमेशा अजीब सी दुर्गंध आती है, जिसमें सांस ले पाना बेहद मुश्किल होता है। बावजूद इसके, इस शहर में लगभग 33 हजार लोग रहते हैं।

जानलेवा लावा

ज्वालामुखी से निकलने वाला लावा पल भर में किसी को भी मौत की नींद सुला सकता है। लेकिन कुछ ऐसी जगहें हैं, जहां पर लोग इस तरह के खतरों के बावजूद रहते हैं। ऐसी ही एक जगह इथोपिया का डलॉल है। दरअसल, यहां पर कई सक्रिय ज्वालामुखी हैं, फिर भी लोग वहां रहते हैं। इतना ही नहीं, यहां का तापमान साल भर 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा रहता है। यहां ऊंट के जरिए ही ट्रेवल किया जा सकता है।

पारा माइनस 89.2

धरती की सबसे ठंडी जगह में अंटार्क्टिका के वोस्तोक का नाम शुमार किया जाता है। यहां पर रूस का अंटार्कटिक रिसर्च स्टेशन भी है। अगस्त के मौसम में यहां का तापमान सबसे कम हो जाता है। पिछले साल अगस्त में अब तक का सबसे कम तापमान -89.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जा चुका है।

बचो बिजली से

डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कॉन्गो के किफुका शहर में रहना तलवार की नोक पर चलने जितना कठिन है। दरअसल, यहां हर साल बिजली गिरने की अनेक घटनाएं होती हैं। यहां हर साल प्रत्येक वर्ग किलोमीटर में 158 से ज्यादा आकाशीय बिजलियां गिरती हैं।

डेथ वैली डेथ वैली पूर्वी कैलेफोर्निया में स्थित एक रेगिस्तान है, जहां पर रहना बेहद ही मुश्किल और खतरनाक है। दरअसल यहां का पारा 60 डिग्री सेल्सियस रहता है, जो बहुत ज्यादा है। इसके बावजूद यहां पर लोगों का एक छोटा सा समूह रहता है।

हमसफर पहाड़ चीन के मोतुओ में रहना भी काफी मुश्किल और खतरनाक है। दरअसल, इसकी वजह यहां पर सड़कों का न होना है। ऐसे में लोगों को एक से दूसरी जगह जाने के लिए पहाड़ों पर चढ़ना पड़ता है। बावजूद इसके यहां पर 10 हजार से ज्यादा लोग रहते हैं।

खाने के लाले स्कॉटलैंड के फैरो आइलैंड पर स्थित मूली एक बहुत छोटा सा गांव है। लेकिन यहां पर रहना भी मुश्किल है। दरअसल, यहां पर खाने के लिए न तो सब्जियां हैं और न ही कुदरती संसाधन। इसके बावजूद यहां पर अब भी लोग रहते हैं।

बारिश से तर-बतर भारत के मेघालय राज्य में पूरे साल मूसलाधार बारिश होती है। ऐसे में यहां पर रहने वाले लोग अपने खान-पान पर कंट्रोल करते हैं और जैसे-तैसे रहते हैं।

सलामांडर की अनोखी क्षमता...

अगर सलामांडर एक्सोलोटल का कोई अंग टूट रहा है तो उसे इस बात की फिक्र नहीं, क्योंकि इस जीव की खासियत है कि इसका अंग शरीर से अलग होने के बाद फिर से आ जाता है। एक्सोलोटल को आप एक तरह की छिपकली कह सकते हैं, जो जलीय जीवों में गिनी जाती है। इस जीव में अंगों के फिर से बनने और स्वयं घाव भरने की अद्भुत क्षमता होती है और तो और नए अंग बनने के बाद इस जीव के शरीर पर किसी तरह का निशान भी बाकी नहीं रहता।

रीढ़ की हड्डी, दिल और दिमाग में गंभीर चोट भी इसी तरह ठीक होती है। एक्सोलोटल के पंगु बनने जैसी कोई घटना नहीं होती। प्रजनन के समय एक्सोलोटल अपने अंग ऊपर उठाकर लहराती हैं। जानवरों के रहने के प्राकृतिक स्थान बढ़ते शहरीकरण और दूषित जल के कारण खत्म होते जा रहे हैं, लेकिन एक्सोलोटल के अंगो के फिर से बनने की क्षमता के कारण इसके अस्तित्व को फिलहाल कोई खतरा नहीं है।

शोधकर्ता यह जानने के की कोशिश कर रहे हैं कि एक्सोलोटल में किस तरह से घाव भरने की प्रक्रिया होती है। इसके लिए वे एक्सोलोटल के उत्तकों के जीन अनुक्रम को समझने की भी कोशिश कर रहे है। इस प्रक्रिया के दौरान देखा गया कि एम्ब्लोक्स एंजाइम घाव भरने और अंगों के निर्माण की विधि को गति देता है। कोशिकाओं के साथ किए गए प्रयोग में देखा गया कि एम्ब्लोक्स एंजाइम त्वचा की कोशिकाओं के फिर से बनने में सहायक है।

रेसिपी

फ्रूटी क्रीम चीज

सामग्री

1 कप दूध
1 से 2 टी-स्पून नींबू का रस
2 टेबल-स्पून स्ट्रॉबेरी की प्युरी या आम का पल्प
1 टी-स्पून शक्कर

विधि

दूध को उबालकर 2-3 मिनट तक एक तरफ रख दें। 1 टी-स्पून नींबू का रस डालकर अच्छी तरह मिला लें। अगर दूध पुरी तरह से ना फटे तो एक और चम्मच नींबू का रस डालकर दूध को पुरी तरह फटने दें। दूध से व्हे पुरी तरह निकल जाना चाहिए। सूती कपड़े से छानकर व्हे को अलग रख दें। छाने हुए क्रीम चीज़ को मिक्सर में डालकर पीसकर मुलायम पेस्ट बना लें, जहां आप इसे पतला करने के लिए थोड़ा व्हे मिला सकते हैं। इसे पुरी तरह ठंडा करने रख दें। फल और शक्कर डालकर दुबारा पीसकर मुलायम मिश्रण बना लें। तुरंत परोसें।

कोवालम मटर

सामग्री

1 1/4 कप उबले हुए हरे मटर, 1 टेबल-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून जीरा, 1 टी-स्पून उड़द दाल, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 1 टी-स्पून लहसून की पेस्ट, 1 टी-स्पून धनिया-जीरा पाउडर, 1 टी-स्पून लाल मिर्च का पाउडर, 1/4 टी-स्पून हल्दी, 1/2 टी-स्पून बारीक कटा हुआ टमाटर, नमक , स्वाद अनुसार, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, पीस कर नारियल-काजू की मुलायम पेस्ट बनाने के लिए (थोड़े पानी का उपयोग करते हुए), 4 टेबल-स्पून कसा हुआ नारियल, 1 टेबल-स्पून टुकड़ा किया हुआ काजू

विधि

एक नॉन-स्टिक कढ़ाई में तेल गरम करिए और उसमे जीरा और उड़द दाल डालिए। जब जीरा चटखने लगे, तब उसमे प्याज डालिए और मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट भूनिए। उसमे लहसून की पेस्ट, धनिया-जीरा पाउडर, लाल मिर्च का पाउडर, हल्दी, टमाटर, नमक और 2 टेबल-स्पून पानी डालिए, अच्छे से मिलाइए और मध्यम आंच पर 2 मिनट, बिच-बिच में हिलाते हुए पकाइए। उसमे बनाया हुआ नारियल-काजू के पेस्ट, हरे मटर, धनिया और 1/2 कप पानी डालिए, अच्छे से मिलाइए और मध्यम आंच पर 2 से 3 मिनट, बिच-बिच में हिलाते हुए पकाइए गरमा गरम परोसिए।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**